नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 69 ▸ अंक 94 ▸ पृष्ठ 12 ▸ भोपाल, गुरुवार 01 जनवरी, 2026 ▸ पौष शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082 ▸ महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए www.dainikjagranmpcg.com

काशी-अयोध्या-वृंदावन में उमड़ी भीड़, लंबी कतारें

2026 का स्वागत

अयोध्या, जेएनएन। नए साल 2026 के पहले देशभर के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में सैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ी है। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में 3 लाख और वृंदावन में 4 लाख भक्त मौजूद हैं। राजस्थान के जैसलमेर में पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा भीड़ है। सीकर के खाटूश्यामजी में नए साल के मौके पर 72 घंटे दर्शन होंगे। उज्जैन के महाकाल लोक में नए साल के पहले दिन 12 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद घाटी में एक बार फिर से रौनक लौट आई है। पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की भीड़ है।

नववर्ष का आतिशबाजी से स्वागत

सिडनी के हार्बर ब्रिज, सिडनी ओपेरा हाउस के ऊपर नववर्ष के स्वागत में आतिशबाजी।

प्रदेश में पारा 1.7 डिग्री, छग में जमी ओस

नई दिल्ली, जेएनएन। साल के आखिरी दिन जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी हुई। इसका असर मैदानी राज्यों पर भी दिखा। हिमाचल के लाहौल स्पीति में 30 दिसंबर की शाम से बर्फबारी जारी है। यहां तापमान-10 डिग्री तक जा सकता है। मध्य प्रदेश में शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 1.7 डिग्री रहा। छत्तीसगढ़ के मैनपाट में रात का तापमान 2 डिग्री पहुंच गया। अंबिकापुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में ओस जम गई। 4 संभाग कोल्ड वेव की चपेट में हैं। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच 2 दिन बारिश की भी चेतावनी है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह घनी धुंध के साथ हुई। दिल्ली के कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य रही। इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर 148 फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। 150 फ्लाइट देरी से ऑपरेट हो रही हैं। एयरपोर्ट ने यात्रियों को एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि सीएटी-3 लागू किया गया है।

आप सभी को नए वर्ष की शुभकामनाएँ!

अंदर के पन्नों पर

नए साल में सर्दी से राहत, अगले 3 दिन बढ़ेगा तापमान...(पेज-05)

बीयू में आज से लगेगी सार्थक एप से हाजिरी, विरोध में...(पेज-08)

विश्व ब्लिट्जः कार्लसन ने रिकॉर्ड नौवां खिताब जीता...(पेज-10)

अब 7 लाख के बदले 12 लाख रुपए तक की कमाई...(पेज-11)

19 विषयों में 949 असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त करने...(पेज-12)

इंदौर में दूषित पानी पीने से 5 माह के मासूम सहित अब तक 10 की मौत

मुख्यमंत्री पहुंचे अस्पताल, मरीजों से की मुलाकात, उपयंत्री बर्खास्त और इंजीनियर सस्पेंड

जागरण, इंदौर। लगातार आठ बार से देश के स्वच्छतम शहर का तमगा पाने वाले इंदौर में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला रुक नहीं पा रहा है। बुधवार को 5 माह के मासूम सहित दो लोगों की मौत के बाद कुल मौतों का आंकड़ा दस पहुंच गया है, जबकि एक ही बस्ती के डेढ़ सौ लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार शाम इंदौर पहुंचे और अस्पतालों में जाकर मरीजों व परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने दूषित पानी की सप्लाई को गंभीर लापरवाही मानते हुए पीएचई उपयंत्री को सेवा से बर्खास्त कर दिया, जबकि तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। दूषित पानी पीने से बीमार हुए लोगों से सीएम वर्मा अस्पताल, बीमा, सेल्बी, डीएनएस अस्पताल में भी पहुंचकर चर्चा की।

जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जिम्मेदार जोन-4 के जोनल अधिकारी शालिगराम सितोले, सहायक यंत्री योगेश जोशी एवं प्रभारी सहायक यंत्री पीएचई को निलंबित कर दिया है। प्रभारी उपयंत्री पीएचई शुभम श्रीवास्तव को बर्खास्त कर दिया गया है। निष्पक्ष जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की तीन सदस्यीय समिति भी गठित की है। यह समिति आईएएस नवजीवन पंवार के निर्देशन में काम करेगी। इसमें प्रदीप निगम सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर और मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रो. डॉ. शैलेष राय भी रहेंगे। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

मौतों की संख्या और बढ़ीः 5 माह के मासूम सहित दो ने बुधवार को दम तोड़ दिया। मृतक अव्यान साहू की मां ने कहा, दुधमुंहे बच्चों को बाहर का दूध भी दिया जाता है। इस दूध में मोहल्ले में सप्लाई होने वाला पानी मिला रहता है। क्षेत्र के एक युवा की भी इलाज के दौरान जान चली गई।

कांग्रेस ने भी जांच समितिः कांग्रेसी ने प्रदर्शन पर जांच की मांग की। साथ ही 5 सदस्यीय समिति बनाई है, जिसमें पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा, जयवर्धन, भंवर सिंह शेखावत, महेश परमार और सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल शामिल हैं। यह जांच समिति जल्द ही क्षेत्र में जाकर रहवासियों से चर्चा करेगी।

(भोपाल में कहीं नालों में पेयजल लाइनें तो कहीं बिल्डर खुले में छोड़ रहे सीवेज पेज 5 पर)

दूषित पानी से मौत के मामले में इंदौर हाईकोर्ट सख्त, दो दिन में रिपोर्ट तलब

जागरण, इंदौर। प्रदेश के इंदौर में भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से मचे हाहाकार और मौतों के मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने इस त्रासदी से प्रभावित होने वाले सभी मरीजों का इलाज पूरी तरह मुफ्त करने का आदेश दिया है। मौतों के आंकड़ों और वर्तमान स्थिति पर प्रदेश सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत ने सरकार को आदेश दिया है कि वह 2 जनवरी तक इस पूरे मामले की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। इसमें यह स्पष्ट करना होगा कि दूषित पानी के कारण कितने मरीजों की मौत हुई है, कितने अभी अस्पतालों में भर्ती हैं और प्रशासन ने इस संक्रमण को रोकने के लिए अब तक क्या कदम उठाए हैं? प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या पुख्ता इंतजाम किए हैं, इसकी जानकारी भी देनी होगी।

100 एमजी से ज्यादा वाली निमेसुलाइड दवा प्रतिबंधित

बुखार-दर्द में तेजी से राहत देती है, लेकिन ज्यादा डोज लीवर के लिए खतरनाक

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली निमेसुलाइड दवा के 100 मिलीग्राम से अधिक डोज की सभी ओरल (खाने वाली) दवाओं की मैन्यूफैक्चरिंग और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। यह नियम 29 दिसंबर से लागू हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है, जो दर्द तो कम करती है, लेकिन इसकी ज्यादा डोज से लिवर खराब होने का खतरा रहता है। यह प्रतिबंध केवल अधिक डोज (100 मिलीग्राम) वाली निमेसुलाइड पर लागू होगा, जबकि कम डोज की दवाएं मिलती रहेंगी। निमेसुलाइड ब्रांड बेचने वाली दवा कंपनियों को अब ज्यादा डोज वाली दवाओं का प्रोडक्शन बंद करना होगा। जो दवाइयां पहले से बाजार में मौजूद हैं उन्हें वापस मंगाना होगा। इसके ज्यादा डोज से लिवर को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है और इसके सुरक्षित विकल्प बाजार में मौजूद हैं। हालांकि, सिर्फ 100 मिग्रा से ज्यादा डोज वाली ओरल दवाएं बैन हुई हैं। 100 मिग्रा तक की दवाएं डॉक्टर की सलाह पर दी जा सकती हैं। बैन के बाद कुछ बड़ी कंपनियों (जैसे-सिप्ला) की दर्द की दवाएं दवा दुकानों से हट सकती हैं। मरीजों को अब वैकल्पिक पेनकिलर दी जाएगी। बिना डॉक्टर की सलाह दवा लेना और मुश्किल होगा। हालांकि, डॉक्टर जरूरत के हिसाब से पैरासिटामोल, आइबुप्रोफेन या अन्य कोई दवा लिख सकते हैं। बच्चों के लिए निमेसुलाइड पहले से ही बैन थी। इसलिए ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। इसके चलते दवा दुकानों को स्टॉक हटाना पड़ेगा।

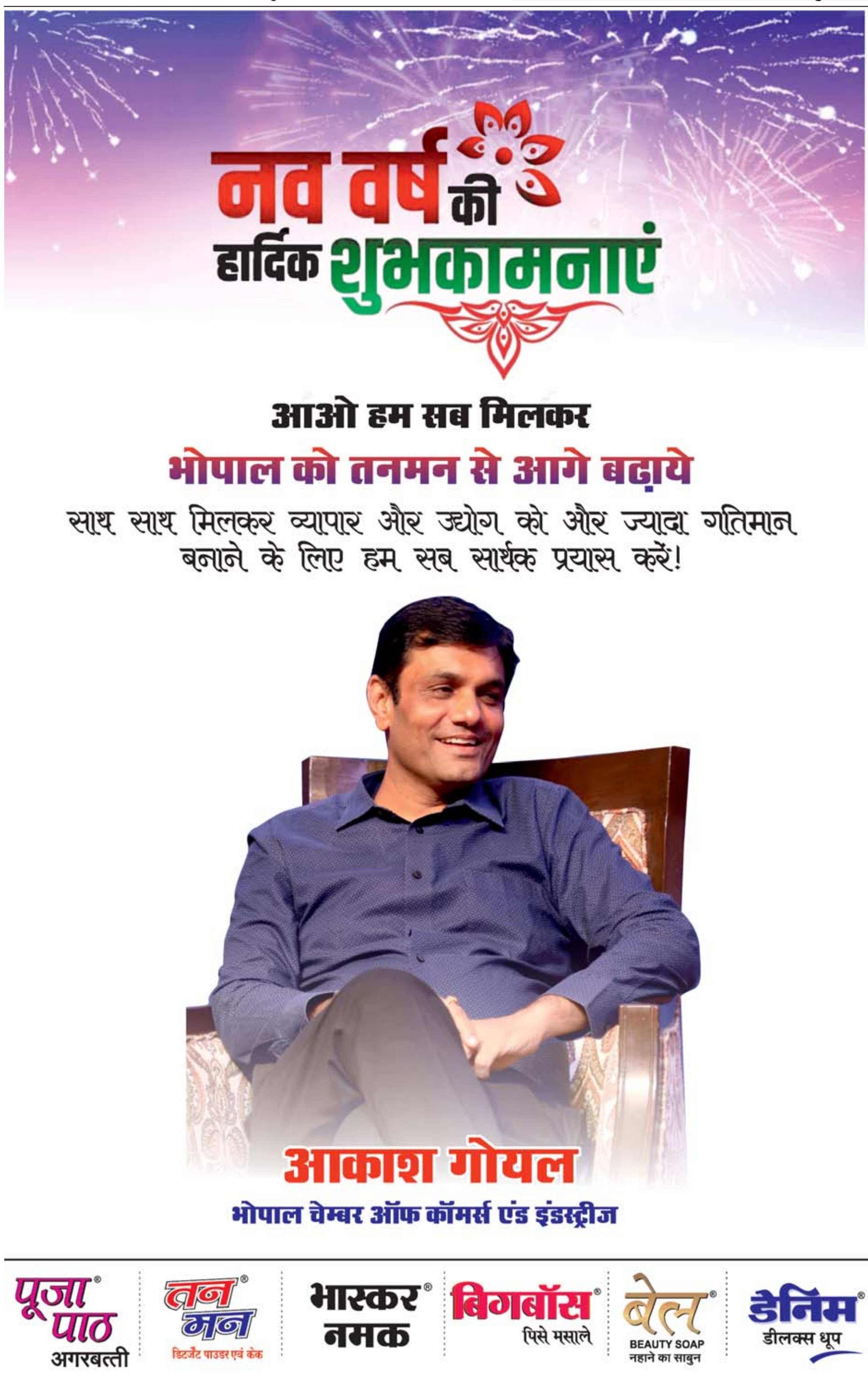

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 अंक 94 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 01 जनवरी, 2026
पौष शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

ऑफ बीट

एडल्ट वीडियो में भारतीयों ने खर्च किए 1080 करोड़

साल 2025 खत्म हो गया है और 2026 की शुरुआत होने वाली है। ऐसे में, 2025 में भारतीयों ने एडल्ट वीडियो देखने पर कितना पैसा खर्च किया, यह जानकर आप हैरान रह जाएंगे। ओनलीफैंस की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारतीयों ने एडल्ट वीडियो पर लगभग 1080 करोड़ रुपए खर्च किए। इस खर्च के साथ भारत प्लेटफॉर्म पर शीर्ष पर पहुंच गया है। यह प्लेटफॉर्म क्रिएटर्स को अपना कंटेंट बेचकर पैसे कमाने की सुविधा देता है। 'ओनलीफैंस' ने हाल ही में सालाना रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, भारतीयों ने 2025 में लगभग 1080 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इतनी बड़ी रकम से कई बेघर लोगों के लिए घर बनाए जा सकते थे। गरीब बच्चों की पढ़ाई पर खर्च किया जा सकता था, लेकिन यह वाकई हैरान करने वाली बात है कि हमारे लोगों ने दूसरों के वीडियो देखने के लिए इतना पैसा खर्च कर दिया। ओनलीफैंस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो एडल्ट वीडियो के लिए एक मंच देता है।

फरीदाबाद में चलती वैन में महिला से गैंगरेप

फरीदाबाद, जेएनएन। फरीदाबाद में एक 28 वर्षीय महिला से चलती वैन में गैंगरेप का मामला सामने आया है। दो युवक महिला को करीब 3 घंटे तक शहर की सड़कों पर लेकर घुमाते रहे। इसके बाद उसे गाड़ी से सड़क पर फेंक दिया और भाग गए। महिला के चेहरे और सिर पर चोटें आई हैं। महिला को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज के दौरान उसके चेहरे पर 12 टांके आए हैं। थाना कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की बहन की शिकायत पर केस दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। पीड़ित शादीशुदा है, उसके तीन बच्चे भी हैं। विवाद के चलते वह पति से अलग रहती है। पीड़ित की बहन का कहना है कि युवकों ने लिफ्ट देने के बहाने महिला को गाड़ी में बैठाया था। फिर उसके साथ गाड़ी में रेप किया। पीड़ित की बहन ने बताया कि सोमवार रात 8:30 बजे छोटी बहन का फोन आया। बोली कि घर में मां से कहासुनी हो गई है। इसलिए दोस्त के घर जा रही हूं। दो-तीन घंटे में लौट आऊंगी। घर आने के लिए दो युवकों से लिफ्ट ली। बहन ने बताया कि दोस्त के घर से निकलने में उसे देर हो गई। जब वह रात करीब 12 बजे दो नंबर चौक से कल्याणपुरी 3 नंबर चौक तक जाने के लिए गाड़ी ढूंढ रही थी, तब उसने वैन से लिफ्ट ली।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर 83 आईएएस और आईपीएस अफसरों को पदोन्नति का तोहफा

सेलवेंद्रन प्रमुख सचिव, सीपीआर सक्सेना और भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र समेत 16 सचिव और 24 आईएएस अपर सचिव बने

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राज्य सासन ने साल के अंतिम दिन आईएएस अफसरों के प्रमोशन के आदेश जारी कर दिए। बुधवार को जारी आदेश के अनुसार अपर सचिव स्तर के 16 अफसरों को सचिव के पद पर और उप सचिव स्तर के 24 अधिकारियों को अपर सचिव के पद पर प्रमोट किया गया है। सचिव के पद पर प्रमोशन पाने वालों में, आयुक्त जनसंपर्क दीपक सक्सेना, भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, उज्जैन संभागायुक्त आशीष सिंह और चंबल कमिश्नर सुरेश कुमार के नाम शामिल हैं। इसके अलावा धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, नरसिंहपुर कलेक्टर रजनी सिंह, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, सतना कलेक्टर सतीश कुमार एस, मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सागर कलेक्टर संदीप जीआर समेत 24 उप सचिव स्तर के आईएएस अफसरों को अपर सचिव के वेतनमान में प्रमोट किया है। इन सभी अफसरों के प्रमोशन के बाद उनकी पदस्थापनाएं यथावत रखी गई हैं। इसके साथ ही सचिव के पद पर पदस्थ एम सेलवेंद्रन को प्रमुख सचिव के पद पर प्रमोट किया गया है।

एम सेलवेंद्रन

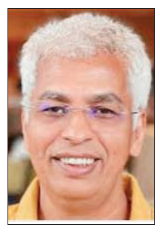
दीपक सक्सेना

कौशलेंद्र विक्रम सिंह

प्रमोद वर्मा

इनका सचिव पद पर प्रमोशन दीपक सक्सेना, अनय द्विवेदी, कौशलेंद्र विक्रम सिंह, तरुण राठी, कर्मवीर शर्मा, भास्कर लक्षाकार, अभिजीत अग्रवाल, आशीष सिंह, छोटें सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, सपना निगम, रामप्रताप सिंह जादौन, बसंत कुर्रे, सुरेश कुमार, चंद्रशेखर वालिम्बे, शीलेंद्र सिंह

ये बने अपर सचिव प्रियंक मिश्रा, अमनबीर सिंह बैंस, रजनी सिंह, मयंक अग्रवाल, सोनिया मीना, सतीश कुमार एस, फ्रैंक नोबेल ए, सोमेश मिश्रा, एस कृष्ण चैतन्य, अनूप कुमार सिंह, संदीप जीआर, गिरीश कुमार मिश्रा, उमा माहेश्वरी, शिवम वर्मा, राघवेंद्र सिंह, विकास मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, मीनाक्षी सिंह, कैलाश वानखेड़े, अमर बहादुर सिंह, मनीषा सैतिया, नीरज कुमार वशिष्ठ, किशोन कुमार कान्याल, रूही खान

प्रमोद वर्मा एडीजी और 13 आईपीएस बने डीआईजी

राज्य शासन के गृह विभाग ने बुधवार को साल के अंतिम दिन आईपीएस अफसरों के प्रमोशन के बी आदेश जारी कर दिए। सूचियों के अनुसार आशुतोष रॉय को एडीजी से स्पेशल डीजी की रैंक में प्रमोट किया गया है। इसके अलावा जबलपुर के आईजी प्रमोद वर्मा अब एडीजी बनाए गए हैं। इसके साथ ही प्रतिनियुक्ति पर तैनात छह अफसरों को प्रोफार्मा प्रमोशन दिया गया है। इन सभी अफसरों के केंद्र में तैनात होने के कारण इनके कनिष्ठ अधिकारियों को भी प्रमोट किया गया है। इसके अलावा स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव बुधवार को रिटायर हो गए, जबकि लेखा शाखा में एआईजी के पद पर पदस्थ आईपीएस अधिकारी वीरेंद्र मिश्रा को केंद्रीय गृह मंत्रालय में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति की मंजूरी राज्या सरकार ने प्रदान की है। इसके साथ ही 11 आईपीएस अफसरों को प्रवर श्रेणी वेतनमान और छह अधिकारियों को कनिष्ठ वेतनमान का लाभ नए साल से मिलेगा। इस सभी प्रमोट किए गए अफसरों की पदस्थापना फिलहाल यथावत रखी गई है।

इन अफसरों को प्रॉफार्मा पदोन्नति : अनंत कुमार सिंह, मनमीत सिंह नारंग, जयदेवन ए, आदित्य प्रताप सिंह, कार्तिकेयन के, विवेक अग्रवाल, विपुल श्रीवास्तव

स्पेशल डीजी के पद पर प्रमोशन : आशुतोष रॉय

एडीजी के पद पर प्रमोट - प्रमोद वर्मा

आईजी के पद पर प्रमोट - निरंजन बी वायंगणकर, शियाज ए, ललित शाक्यवार

डीआईजी के पद पर प्रमोट : राकेश सगर, राघवेंद्र सिंह बेलवंशी, किरणलता केरकेट्टा, मनोज कुमार राय, रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोधा, सिमाला प्रसाद, असित यादव, मयंक अवस्थी, विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, शिवदयाल, शैलेंद्र सिंह चौहान

इन्हें मिला प्रवर श्रेणी वेतनमान : जगदीश डाबर, मनोहर सिंह मंडलोई, अभिषेक तिवारी, विनायक वर्मा, पंकज कुमावत, अजय सिंह, हितेष चौधरी, सूरज कुमार वर्मा, संपत उपाध्याय, यांगचेन डोलकर भूटिया, रामजी श्रीवास्तव

इन्हें मिला कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : अंकित सोनी, अंकित जायसवाल, रोहित काशवानी, पुनीत गेहलोद, रविन्द्र वर्मा, हितिका वासल

राज्यों की 80 फीसदी तक कमाई वेतन-पेंशन व फ्री स्कीम में खर्च

राज्यों के पास बिजली, सड़क और आवास के लिए फंड की कमी, कर्ज का सहारा

नई दिल्ली, जेएनएन। एक दशक से मुफ्त की योजनाएं (फ्री स्कीम) और सब्सिडी राज्यों की सत्ता की चाबी बन गई हैं, लेकिन राज्यों की खस्ता वित्तीय सेहत इसका बड़ा साइड इफेक्ट बनकर सामने आ रही है। राज्यों के पास बिजली, सड़क और आवास के लिए पैसा ही नहीं है। उनकी कमाई और खर्च का लेखा-जोखा बताता है कि सब्सिडी, वेतन, पेंशन और ब्याज की अदायगी जैसे अहम खर्चों के बाद राज्यों के हाथ अपनी कमाई का 20-25 फीसदी हिस्सा ही बच पा रहा है। पंजाब जैसे राज्य के हाथ तो खर्च के लिए 7त्न फीसदी राशि ही बची। हालांकि, इस साल पंजाब को 90 हजार करोड़ का मूलधन भी चुकाना है, इसलिए इस बची राशि के साथ मूलधन चुकाने के लिए पंजाब को भारी भरकम कर्ज की जरूरत होगी। पंजाब अक्टूबर 2025 में 20 हजार करोड़ का कर्ज बाजार से ले चुका है। राजस्थान को इस बार 1.50 लाख करोड़ कर्ज का मूलधन चुकाना है। वह 32 हजार करोड़ रुपए कर्ज ले चुका है, लेकिन बकाया तो कर्ज लेने की सीमा से भी ज्यादा है। उसे कर्ज चुकाने के लिए भी कर्ज लेने की जरूरत पड़ेगी।

दिवालिया हो सकता है बिहार: मप्र, राजस्थान, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों का कर्ज उनकी जीडीपी की तुलना में एक तिहाई के करीब है या ज्यादा है। ऐसे में इन पर आने वाले सालों में मूलधन की अदायगी का बोझ और बढ़ सकता है। बिहार में चुनावी वादे पूरे करने पर आने वाला बोझ राज्य के पूंजीगत व्यय का 25 गुना हो सकता है। राज्य दिवालिया हो सकता है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों का अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा केवल वेतन, पेंशन और अन्य जरूरी खर्च में चला जाता है। विकास के लिए एक छोटी राशि ही मिलती है। राजस्थान, समेत कई राज्यों में 45 गीगावॉट की सौर, पवन ऊर्जा क्षमता अटकी हुई हैं, क्योंकि सरकारें बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर तक नहीं कर पा रही हैं।

तो राहत संभव: फाइनेंस एक्सपर्ट का मानना है कि मुफ्त की योजना या सब्सिडी की घोषणा करते समय ये देखना जरूरी है कि आय के संसाधन कितने हैं। नई योजनाओं के साथ सत्ता में आई सरकारें पुरानी सरकार की योजनाएं बंद नहीं करतीं। सरकार को डर होता है कि कहीं लोग नाराज न हो जाएं। असम सरकार ने पुरानी सरकार की योजनाएं खत्म कर दी थीं। दूसरी सरकार भी ऐसे कदम उठाएं, तो भी कुछ बोझ कम हो सकता है।

बंगाल से लेकर महाराष्ट्र तक तक सभी राज्यों के हाल-बेहाल

बंगाल : कमाई का 21.2 फीसदी हिस्सा तो ब्याज चुकाने में जाता है। यह शिक्षा-सेहत (18.7 फीसदी) के साझा बजट से ज्यादा।

राजस्थान: कर्ज और ब्याज के बढ़ते बोझ के कारण स्वास्थ्य बजट पर खर्च स्थिर है।

मध्य प्रदेश: लाड़ली बहना जैसी योजनाओं के चलते कर्ज के ब्याज का बोझ बढ़ता जा रहा है।

कर्नाटक: गारंटी योजनाएं ब्याज अदायगी का बोझ पिछले साल के मुकाबले बढ़ा रही हैं।

महाराष्ट्र: जून में 903 विकास प्रोजेक्ट की मंजूरी रद्द। अधिकांश सिंचाई, बांध से जुड़ी थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, चुनाव के वक्त फ्रीबीज का ऐलान गलत

12 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं (फ्रीबीज) पर सख्त टिप्पणी में कहा था, लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप (राज्य-केंद्र सरकारें) उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं। इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय, क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं? बेंच ने केंद्र से कहा-हम आपकी परेशानी समझते हैं और सराहना करते हैं, लेकिन क्या यह अच्छा नहीं होगा कि आप ऐसे लोगों को मुख्यधारा का हिस्सा बनाएं और उन्हें देश के विकास का हिस्सा बनाएं।

हड़ताल के बीच गिग वर्कर्स को इंसेंटिव का ऐलान

नई दिल्ली, जेएनएन। देशभर में गिग वर्कर्स यानी डिलीवरी पर्सन्स की हड़ताल के बीच स्विगी, जोमैटो ने पीक ऑवर्स और ईयर-एंड डेज पर ज्यादा इंसेंटिव देने का ऐलान किया है। जोमैटो ने डिलीवरी पार्टनर्स को मैसेज भेजकर बताया कि पीक ऑवर्स (शाम 6 से रात 12 बजे) में हर ऑर्डर 120-150 पेआउट मिलेगा। दिनभर में ऑर्डर की संख्या और अवेलेबिलिटी के हिसाब से 3,000 तक कमाई का वादा किया गया है। इधर, 31 दिसंबर को देशभर के गिग वर्कर्स की हड़ताल में 1 लाख वर्कर शामिल हुए। इससे लोगों को ऑनलाइन खाना और ग्रॉसरी मंगाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। यूनियन का आरोप है कि जोमैटो-स्विगी जैसी कंपनियां शोषण कर रही हैं और उन्हें बेसिक अधिकार नहीं मिल रहे। यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इसका असर देश की इकोनॉमी की ग्रोथ पर भी पड़ेगा।

सीएम ने प्रदेशवासियों को दी नववर्ष की शुभकामनाएं

2026: कृषि आधारित उद्योगों के विकास वर्ष के रूप में मनाएंगे

भोपाल। नव वर्ष 2026 के शुभागमन पर प्रदेश वासियों को मंगल कामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश को अपना संकल्प बनाया है। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा है कि कैलेंडर वर्ष 2026 नई ऊर्जा, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का संकल्प लेकर आया है। वर्ष 2026 को हम मध्य प्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों के समग्र विकास वर्ष के रूप में मनाएंगे। जाते हुए साल की उपलब्धियों को याद करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2025 में उद्योग और निवेश के क्षेत्र में हमें जो उपलब्धियां मिलीं, वे प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। नया वर्ष इस बुनियाद को और मजबूती प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सरकार, समाज और जवाबदेह प्रशासन सबके संयुक्त प्रयासों से मध्यप्रदेश विकास, संस्कृति, नवाचार और कल्याण के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दोहराया कि विरासतों को सहेजकर हम किसानों, युवाओं, माताओं-बहनों और गरीब वर्ग के सशक्तिकरण के साथ विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करेंगे। डॉ. यादव ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के नागरिकों का आह्वान किया है कि मध्यप्रदेश की विकास यात्रा को नये क्षितिज और नई ऊंचाइयों तक ले जाने सभी का सहयोग जरूरी है। हम सब को एकजुट होकर इस संकल्प के लिए प्रयत्न करने होंगे।

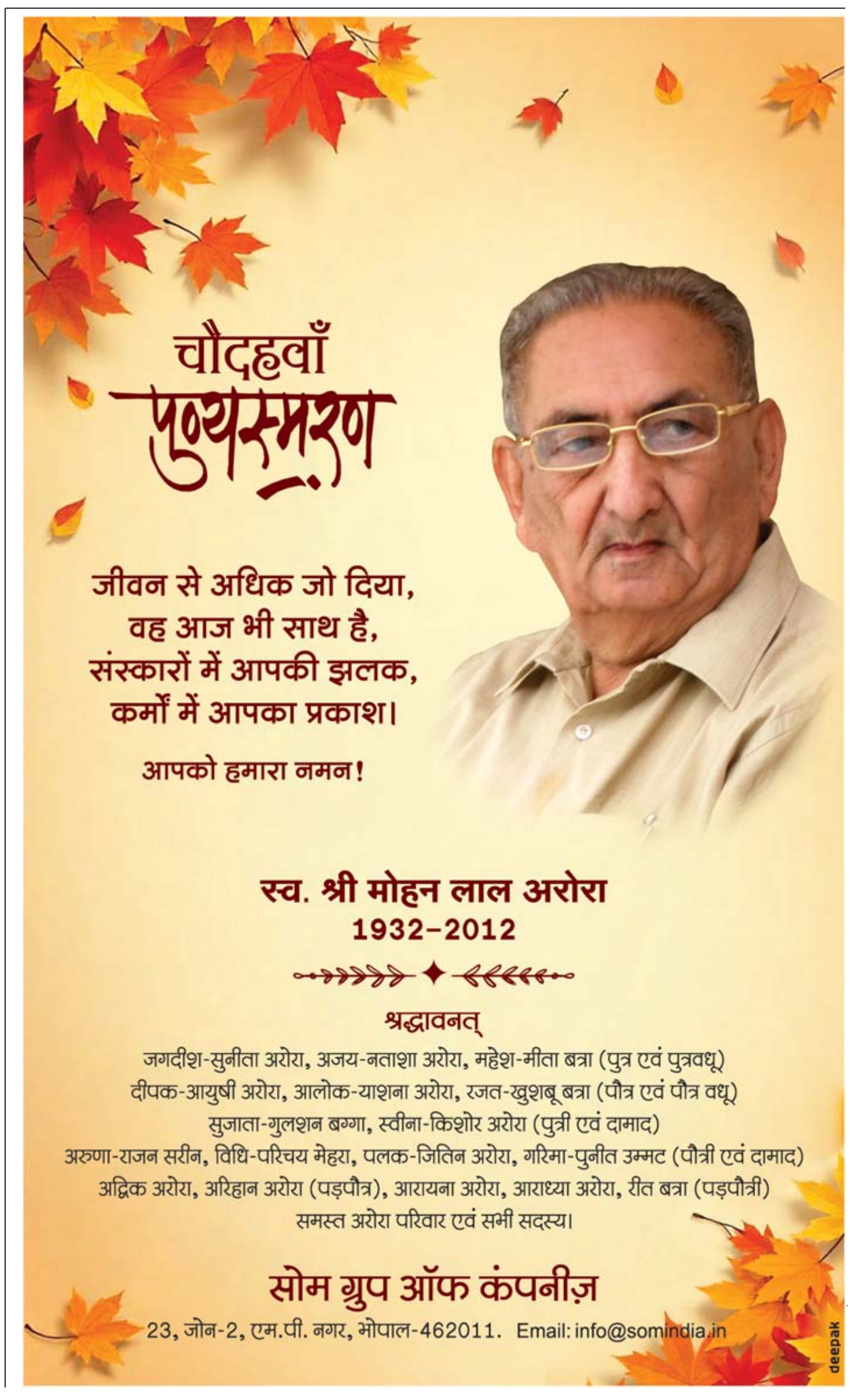

यूटीलिटी गाइड

2026 में आधार-पैन, निवेश, टैक्स व गाड़ी के नियमों में होंगे बदलाव

आर्थिक समझदारी के साथ ही आत्मनिर्भरता और सटीक प्लानिंग का साल भी रहेगा 2026

2025 के अंत तक सरकार और रेगुलेटर्स ने ऐसे कई बदलाव लागू कर दिए हैं, जिनका असर 2026 में आम नागरिक की आर्थिक प्लानिंग पर सीधे पड़ेगा। आधार-पैन लिंकिंग से लेकर टैक्स नियमों, निवेश के तरीकों और गाड़ी से जुड़े कानूनों तक-अब लापरवाही की गुंजाइश कम है। 2026 वह साल होगा जब 'बाद में देखेंगे' की आदत महंगी पड़ सकती है।

यह यूटीलिटी स्टोरी बताती है कि क्या बदल चुका है, क्यों जरूरी है और अब आपको क्या रणनीति अपनानी चाहिए। 2026 में आर्थिक सुरक्षा का मंत्र साफ है- पहचान साफ, टैक्स स्पष्ट, निवेश संतुलित और नियमों की समझ। अब सिस्टम तेज है, डिजिटल है और गलती पकड़ने में सक्षम है। इसलिए प्लानिंग भी उतनी ही सजग, समयबद्ध और व्यावहारिक होनी चाहिए। जो लोग 2026 को 'रीसेट ईयर' मानकर अपने डॉक्यूमेंट्स, निवेश और खर्च को व्यवस्थित कर लेंगे-वे न सिर्फ टैक्स और जुर्माने से बचेंगे, बल्कि आने वाले वर्षों में आर्थिक रूप से ज्यादा आत्मनिर्भर और निश्चिंत रहेंगे।

2026 की प्लानिंग क्या हो?

- सबसे पहले पैन-आधार स्टेटस चेक करें
- अगर जुर्माना देकर लिंक करना बाकी है, तो टालें नहीं
- परिवार के वरिष्ठ नागरिकों और छात्रों के डॉक्यूमेंट्स भी चेक करें
- अब पहचान कागज नहीं, बल्कि डिजिटल ट्रैक रिकॉर्ड बन चुकी है।

क्या करें 2026 में?

- साल की शुरुआत में ही तय करें: नया या पुराना टैक्स रिजीम
- सिर्फ टैक्स बचाने के लिए निवेश न करें
- हेल्थ इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस को प्राथमिकता दें

ध्यान रखें

2026 में टैक्स विभाग डेटा एनालिटिक्स और एआई के जरिए खर्च और आय का मिलान और सख्ती से करेगा। गलत जानकारी अब आसानी से पकड़ में आ सकती है।

आधार-पैन: औपचारिकता नहीं, पहचान की रीढ़

- आधार और पैन का लिंक होना केवल सलाह नहीं, बल्कि व्यवहारिक जरूरत बन चुका है।
- जिन पैन कार्ड्स को आधार से लिंक नहीं किया गया, वे निष्क्रिय हो चुके हैं।
- निष्क्रिय पैन का मतलब: बैंक अकाउंट, निवेश, टैक्स रिटर्न- सब पर असर।

टैक्स सिस्टम: सावधानी जरूरी

- नया टैक्स रिजीम अब डिफॉल्ट बन चुका है। इसमें टैक्स स्लैब आसान हैं, लेकिन छूट कम।
- स्टैंडर्ड डिडक्शन मौजूद है
- लेकिन 80सी, एचआरए जैसी पारंपरिक छूटें सीमित हैं

निवेश: स्मार्ट की ओर बदलाव

- पिछले कुछ सालों में निवेश का व्यवहार बदला है। 2026 में ट्रेंड और साफ होगा।
- सिर्फ एफडी पर निर्भर रहना नुकसानदेह हो सकता है
- म्यूचुअल फंड, इंडेक्स फंड और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट (एसआईपी) ज्यादा लोकप्रिय होंगे।

बैंकिंग और डिजिटल लेन-देन

ट्रेस करना आसान, बचना मुश्किल

- 2026 में कैश कम और डिजिटल ट्रांजैक्शन ज्यादा होंगे।
- यूपीआई, नेट बैंकिंग और कार्ड ट्रांजैक्शन पूरी तरह ट्रैक होंगे
- बड़ी नकद जमा या निकासी पर सवाल उठ सकते हैं
- डिजिटल सुविधा के साथ डिजिटल जवाबदेही भी बढ़ी है

रिटायरमेंट, लॉन्ग टर्म प्लानिंग: अब देर नहीं

- 2026 में नौकरी और पेंशन की पारंपरिक परिभाषा बदल चुकी है।
- निजी सेक्टर में स्थिर पेंशन दुर्लभ है
- एनपीएस, पीएफ और लॉन्ग टर्म एसआईपी अब जरूरी हैं।

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

भोपाल, गुरुवार 01 जनवरी 2026 » पौष शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082 » वर्ष 69 » अंक 94 » पृष्ठ 12 » महानगर » मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

उम्मीदों का राजमार्ग

सड़कों से तेज होगी आर्थिक और सामाजिक विकास की रफ्तार ■ खुलेंगे देश की समृद्धि के द्वार

भारत की प्रगति को अगर किसी एक प्रतीक में समझा जाए, तो वह सड़क है, जो गांव को शहर से, खेत को बाजार से और आम नागरिक को अवसर से जोड़ती है। 2025 के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क वाला देश बन चुका है। अमेरिका के बाद भारत में करीब 66 लाख किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क है। यह चीन से भी बड़ा है। यही नेटवर्क देश के 70 फीसदी से अधिक माल परिवहन और 85 फीसदी यात्री यातायात को संभालता है। 2026 में यही सड़कें भारत को एक नए मोड़ पर ले जाती दिख रही हैं। जहां विकास की तेज रफ्तार, लोकतंत्र की मजबूती और वैश्विक मंच पर कूटनीतिक भूमिका एक साथ नजर आएगी।

रफ्तार है, दिशा भी बन रही है

कुल मिलाकर, 2026 भारत के लिए उम्मीदों का राजमार्ग है। सड़कें तैयार हैं, अर्थव्यवस्था गति में है, लोकतंत्र सक्रिय है और दुनिया की निगाहें भारत पर हैं। अब चुनौती यह नहीं कि भारत आगे बढ़ेगा या नहीं- चुनौती यह है कि यह रफ्तार समावेशी, संतुलित और भरोसेमंद बनी रहे। अगर इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और लोकतंत्र साथ-साथ चले, तो 2026 केवल एक साल नहीं- भारत की अगली छलांग का पड़ाव बन सकता है।

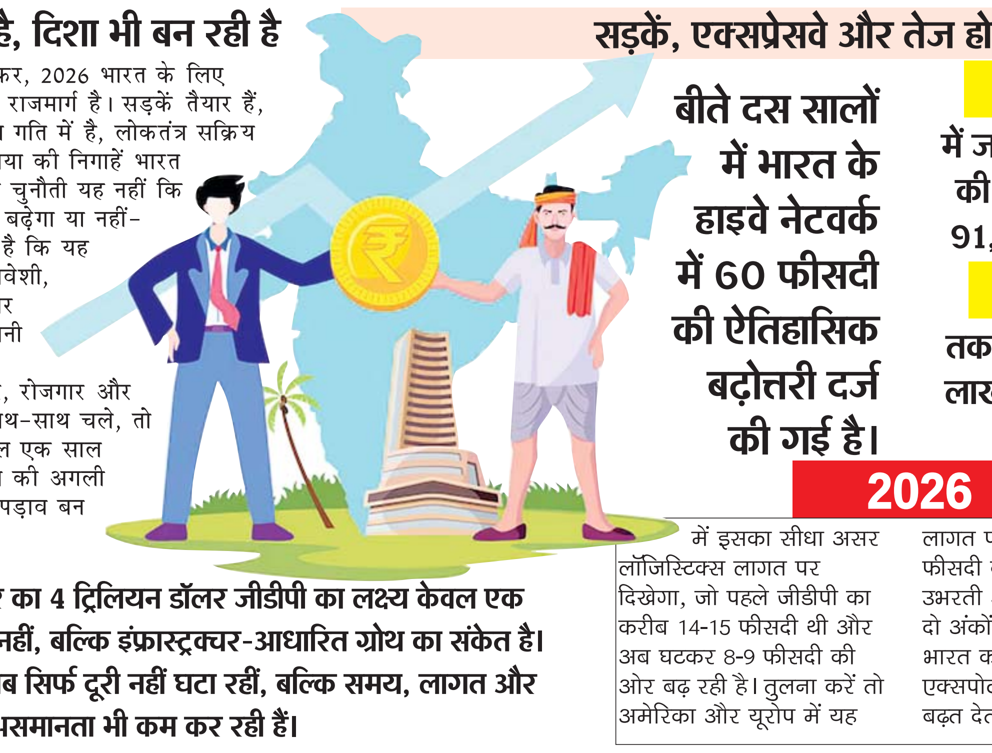

» सरकार का 4 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का लक्ष्य केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित ग्रोथ का संकेत है। सड़कें अब सिर्फ दूरी नहीं घटा रहीं, बल्कि समय, लागत और क्षेत्रीय असमानता भी कम कर रही हैं।

सड़कें, एक्सप्रेसवे और तेज होती अर्थव्यवस्था

बीते दस सालों में भारत के हाइवे नेटवर्क में 60 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

2014 में जहां नेशनल हाईवे की लंबाई लगभग 91,000 किमी थी

2025 तक यह बढ़कर 1.45 लाख किमी से अधिक हो चुकी है

2026 में इसका सीधा असर लॉजिस्टिक्स लागत पर दिखेगा, जो पहले जीडीपी का करीब 14-15 फीसदी थी और अब घटकर 8-9 फीसदी की ओर बढ़ रही है। तुलना करें तो अमेरिका और यूरोप में यह लागत पहले से ही 8-10 फीसदी के बीच है, जबकि कई उभरती अर्थव्यवस्थाएं अब भी दो अंकों में फंसी हैं। यह अंतर भारत को मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देता है।

रोजगार : निर्माण से 'स्किल कैपिटल' तक

इंफ्रास्ट्रक्चर बूम का सबसे सीधा लाभ रोजगार में दिखता है

» सड़क और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 2025 तक लगभग 5 करोड़ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां जुड़ी हैं।

» 2026 में लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और ट्रांसपोर्ट से जुड़े सेक्टर्स में 15-20 फीसदी जॉब ग्रोथ की उम्मीद है।

» अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में इंफ्रास्ट्रक्चर रोजगार अक्सर स्थिर या घटता दिख रहा है, जबकि भारत में यह 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' के साथ जुड़कर आगे बढ़ रहा है। स्किल इंडिया और तकनीकी प्रशिक्षण का फोकस लो-स्किल से 'मिड और हाई-स्किल जॉब्स' की ओर शिफ्ट हो रहा है। 2026 में भारत महज 'लेबर मार्केट' नहीं, 'स्किल कैपिटल' के रूप में पहचाना जाएगा

महंगाई : नियंत्रण में, लेकिन सतर्कता जरूरी

2025 के अंत तक खुदरा महंगाई दर 4-5 फीसदी के दायरे में बनी रही, जो एक सकारात्मक संकेत है। जबकि कई देशों में यह अभी भी उच्च स्तर पर है। खाद्य महंगाई में उतार-चढ़ाव के बावजूद ईंधन और कोर इंफ्लेशन में स्थिरता आई है। यह संतुलन इसलिए अहम है क्योंकि भारत जैसी बड़ी आबादी वाली अर्थव्यवस्था में महंगाई सीधे राजनीतिक और सामाजिक असर डालती है। 2026 में 'खपत बढ़ाते हुए कीमतों पर नियंत्रण' की चुनौती होगी। अगर यह संतुलन बना रहा, तो विकास का लाभ आम आदमी तक पहुंचेगा, जो भारत को कई देशों से आगे रखता है।

चुनाव: 25% आबादी चुनेगी अपने प्रतिनिधि

» 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुदुचेरी के चुनाव होने हैं। इन राज्यों में देश की कुल आबादी का लगभग 25 फीसदी हिस्सा रहता है।

» ये विधानसभा चुनाव न केवल राज्य सरकारों की शक्ल तय करेंगे, बल्कि 2029 के आम चुनाव की राजनीतिक दिशा भी तय कर देंगे। विकास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पहचान, इन सबका संतुलन 2026 की राजनीति के केंद्र में रहेगा।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2026 तक तीसरे स्थान की ओर बढ़ने की ठोस संभावना में है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ेगा भारत का दबदबा

» औसत वार्षिक ग्रोथ 6-6.5 फीसदी के आसपास बनी हुई है, जबकि कई विकसित देशों की ग्रोथ 2-3 फीसदी पर अटकी है।

» रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी पूंजीगत खर्च में पिछले पांच सालों में करीब 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

» वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की हिस्सेदारी बढ़ रही है। 'चीन के साथ एक और साझेदार' की रणनीति के बीच भारत को भरोसेमंद विकल्प माना जा रहा है। अमेरिका, यूरोप और एशिया के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत होना भारत की 'सॉफ्ट पावर' (बाजार, संस्कृति) और 'हार्ड पावर' (रणनीति, सुरक्षा)- दोनों को मजबूती देता है।

सोशल मीडिया का साल

एआई, भरोसा और पहचान की नई लड़ाई

2025 में सोशल मीडिया की दुनिया ने वह मोड़ लिया, जिसका अंदाजा पहले केवल टेक कॉन्फ्रेंसों और रिसर्च पेपर्स में लगाया जाता था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब बैकएंड की तकनीक नहीं रही- वह कंटेंट के निर्माण, वितरण और असर तीनों को तय करने लगी। डीपफेक, एआई-जेनरेटेड पोस्ट, ऑटोमेटेड इन्फ्लुएंसर और एल्गोरिदमिक बूस्ट जिन पर 2025 में विवाद हुए, वे असल में ट्रेलर थे। 2026 वह साल होगा जब सोशल मीडिया की असली पटकथा सामने आएगी।

एआई कंटेंट: अर्थपूर्ण सामग्री

2026 में सोशल मीडिया पर कंटेंट की बाढ़ और तेज होगी। अनुमान है कि साल के अंत तक प्लेटफॉर्म्स पर दिखने वाले 60-70 फीसदी विजुअल और टेक्स्ट कंटेंट में किसी न किसी स्तर पर एआई की भूमिका होगी। इसका मतलब सिर्फ ज्यादा पोस्ट नहीं, बल्कि तेजी से बदलते ट्रेंड्स और माइक्रो-नैरेटिव्स भी हैं। लेकिन इसके साथ ही यूजर्स में थकान बढ़ेगी। नतीजा, कम लेकिन भरोसेमंद कंटेंट की मांग। प्लेटफॉर्म्स 'एआई-लेबलिंग' और 'ऑरिजिन ट्रैकिंग' जैसे टूल्स को आगे बढ़ाएंगे ताकि यूजर समझ सकें कि वे क्या देख रहे हैं, मानव रचना या मशीन का उत्पाद।

एल्गोरिदम बनाम भरोसा

2025 तक एल्गोरिदम का मकसद एंगेजमेंट बढ़ाना था; लेकिन 2026 में चुनौती भरोसा बनाए रखना होगी। फेक न्यूज, सिंथेटिक वीडियो और एआई-रीराइटेड पोस्ट्स के कारण प्लेटफॉर्म्स पर विश्वसनीयता का संकट गहराएगा। आंकड़े बताते हैं कि 2025 में वायरल होने वाले विवादास्पद कंटेंट का लगभग 35 फीसदी बाद में भ्रामक या अधूरा पाया गया। 2026 में प्लेटफॉर्म्स फैक्ट-चेकिंग पार्टनरशिप, स्लो-डाउन शेयरिंग और 'कॉन्टेक्स्ट काड्र्स' जैसे उपाय अपनाएंगे ताकि रफ्तार और सच्चाई के बीच संतुलन बन सके।

क्रिएटर इकॉनमी : पेशेवर लेकिन दबाव में

क्रिएटर इकॉनमी 2026 में और बड़ी होगी। अनुमान है कि भारत में क्रिएटर-आधारित कमाई 25-30 फीसदी तक बढ़ सकती है। ब्रांड्स माइक्रो और नैनो-इन्फ्लुएंसर्स की ओर शिफ्ट करेंगे क्योंकि उनका ऑडियंस ट्रस्ट ज्यादा होता है। लेकिन दबाव भी बढ़ेगा- रोज पोस्ट, ट्रेंड पकड़ने की होड़ और एआई से प्रतिस्पर्धा। नतीजतन, 'ह्यूमन टच' एक वैल्यू बनकर उभरेगा- लाइव, अनकट, कम एडिटेड कंटेंट। 2026 में क्रिएटर वही टिकेंगे जो विश्वसनीयता के साथ निरंतरता बनाए रखेंगे।

प्रदेश को मिलेंगी छह बड़ी सौगातें

नए साल की शुरुआत मध्य प्रदेश के लिए कई अहम नीतिगत और प्रशासनिक बदलावों के साथ होने जा रही है। राज्य सरकार आम जनता के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। करीब 21 साल बाद प्रदेश की सड़कों पर सरकारी बसें फिर से दौड़ेंगी, 15 लाख कर्मचारियों और पेंशनर्स को आयुष्मान जैसी स्वास्थ्य बीमा सुविधा मिलेगी, पेंशन और छुट्टी के नियमों में व्यापक बदलाव होंगे और सरकारी नौकरी में दो बच्चों की अनिवार्यता की शर्त भी समाप्त होने जा रही है। इन बदलावों को सरकार 'सुविधा, सुरक्षा और समावेशन' की दिशा में बड़ा कदम मान रही है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना: कर्मचारियों को कैशलेस इलाज

नए साल की सबसे बड़ी सौगात प्रदेश के करीब 15 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा के रूप में सामने आ रही है।

» आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना में सामान्य बीमारियों के लिए 5 लाख और गंभीर बीमारियों के लिए 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज का प्रावधान किया गया है।

» कर्मचारियों से सालाना 3,000 रुपए से 12,000 रुपए तक का अंशदान लिया जाएगा। शेष राशि राज्य सरकार वहन करेगी।

21 साल बाद लौटेंगी सरकारी बसें अप्रैल 2026 से होगी शुरुआत

मध्य प्रदेश की सड़कों पर अप्रैल 2026 से एक बार फिर सरकारी बसें दिखाई देंगी। 21 साल पहले बंद हुई राज्य परिवहन सेवा को अब 'जनबस' नाम से नए सिरे से शुरू किया जा रहा है। इसके लिए राज्य परिवहन निगम की जगह 'यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' नामक कंपनी बनाई गई है।

» पहले चरण में 25 जिलों के 6,000 से अधिक रूट पर 10,879 बसें चलाई जाएंगी।

» अप्रैल 2027 तक सभी संभागों और जिलों में सरकारी बस सेवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकारी नौकरी में दो बच्चों की शर्त खत्म

सरकार लगभग 24 साल पुराने उस नियम को खत्म करने जा रही है, जिसके तहत दो से अधिक संतान वाले उम्मीदवार सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माने जाते थे। इस संशोधन के बाद तीन संतान वाले उम्मीदवार भी नियुक्ति के पात्र होंगे। इस फैसले से मेडिकल एजुकेशन, हेल्थ, स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों को विशेष राहत मिलेगी।

इस साल संभव है ई-बसों से सस्ता और पर्यावरण अनुकूल सफर

सरकारी बस योजना के साथ ई-बसों का संचालन भी अहम हिस्सा है। केंद्र सरकार की नेशनल ई-बस स्कीम के तहत मध्य प्रदेश को 582 ई-बसें मिली हैं। इनमें 472 मिडी ई-बस और 110 मिनी ई-बस शामिल हैं, जो इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन,सागर जैसे शहरों में चलाई जाएंगी।

केंद्र के समान पेंशन नियम, बेटियों को मिलेगा अधिक अधिकार

राज्य सरकार पेंशन नियमों को केंद्र सरकार के अनुरूप बनाने की तैयारी कर रही है। नए नियमों के तहत 25 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित, विधवा या परित्यक्ता बेटी भी परिवार पेंशन की पात्र होगी। मौजूदा नियमों के मुताबिक अभी यह सुविधा केवल 25 साल तक की अविवाहित बेटी को ही मिलती थी।

पारदर्शिता: 48 साल बाद बदलेंगे छुट्टी के नियम

मध्य प्रदेश के 6.5 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों के लिए 1 जनवरी 2026 से नया अवकाश नियम लागू हो जाएगा। 1977 से चले आ रहे पुराने नियमों की जगह अब 'मध्यप्रदेश सिविल सेवा (अवकाश) नियम 2025' प्रभावी हो जाएंगे। नए नियम केंद्र सरकार के अनुरूप और अधिक जेंडर न्यूट्रल बनाए गए हैं, ताकि महिला-पुरुष का भेद कम हो सके।

युवा यूजर: दिखावे से दूरी

जेन जेड और जेन अल्फा 2026 में सोशल मीडिया को नए ढंग से इस्तेमाल करेंगी, यह तय है। 'पोस्ट कम, स्क्रॉल ज्यादा' और 'क्लोज्ड सर्कल्स' का चलन बढ़ने की भी संभावना है। अनुमान है कि 40 फीसदी से अधिक युवा यूजर सार्वजनिक पोस्टिंग घटाकर प्राइवेट या लिमिटेड-ऑडियंस शेयरिंग को तरजीह देंगे। यह बदलाव बताता है कि सोशल मीडिया अब महज मंच नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और पहचान से जुड़ा स्पेस बन चुका है।

पब्लिक ओपिनियन और रेगुलेशन

सोशल मीडिया अब राजनीति से अलग नहीं। 2026 में राज्य चुनावों और नीतिगत बहसों में प्लेटफॉर्म्स की भूमिका और निर्णायक होगी। 2025 में कंटेंट मॉडरेशन पर हुए विवादों के बाद 2026 में रेगुलेटरी सख्ती बढ़ने की संभावना है। खासकर एआई-जनित राजनीतिक विज्ञापनों और डीपफेक्स पर। चुनावी समय में वायरल वीडियो में हर चौथा वीडियो संदिग्ध एडिट या सिंथेटिक एलिमेंट्स से जुड़ा पाया गया। इसलिए 2026 में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

और अंत में.... शोर से चयन तक

2026 सोशल मीडिया का साल इसलिए नहीं होगा कि यहां सबसे ज्यादा कंटेंट बनेगा, बल्कि इसलिए कि यहां चयन होगा। कौन सा कंटेंट भरोसेमंद है, कौन सा मानव-निर्मित है, कौन सा जिम्मेदार है—यही सवाल केंद्र में होंगे। एआई ने इस खेल को बदल दिया है, लेकिन आखिरी फैसला अब भी इंसान के हाथ में ही रहेगा। 2026 में सोशल मीडिया का भविष्य उसी प्लेटफॉर्म और उसी आवाज का होगा जो रफ्तार के साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा पाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय इंस्पायर अवार्ड में मयंक करेंगे मप्र का प्रतिनिधित्व

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं राष्ट्र के नव प्रवर्तन संस्थान के द्वारा बच्चों में इनोवेशन और वैज्ञानिक सोच का बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष इंस्पायर अवार्ड मानक का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक प्रदर्शनी का आयोजन गुजराती इंग्लिश मीडियम स्कूल इंदौर में किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे राज्य के विभिन्न हिस्सों से चयनित होकर आए 270 विद्यार्थियों ने अपने विचारों को विज्ञान मॉडल के द्वारा प्रस्तुत किया जिसमें से प्रदेश के श्रेष्ठ 27 विज्ञान मॉडल का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया। इसमें भोपाल जिले के शासकीय नवीन हायर सेकेंडरी विद्यालय चुना भट्टी के मयंक कुशवाहा के बस कंडक्टर को बस यात्रा के दौरान आने वाली समस्याओं को हल करने वाले इन्नोवेटिव जैकेट ने राज्य से चयनित सर्वश्रेष्ठ विज्ञान नवाचार मॉडलों में स्थान प्राप्त किया। छात्र मंयक ने विद्यालय की शिक्षिका रश्मि नायक के मार्गदर्शन एवं इनोवेशन वर्कशॉप के शैलेंद्र कसेरा के प्रोत्साहन में तैयार किया। इस उपलब्धि के बाद छात्र मयंक को प्रगति मैदान (भारत मंडपम) दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में मप्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संभावना समारोह के दूसरे दिन नृत्य-गायन की होड़

जागरण, भोपाल। मप्र जनजातीय संग्रहालय में आयोजित तीन दिवसीय संभावना गतिविधि के दूसरे दिन बुधवार को प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने नृत्य, गायन की प्रस्तुतियां दी। दूसरे दिन की प्रस्तुतियों में रायबरेली की अंजली सिंह एवं साथी ने आल्हा गायन के जरिए महोबा के इतिहास को पेश किया। कल्याणी मिश्रा एवं साथी, रीवा द्वारा बघेली लोक गायन किया गया। उन्होंने गणेश-शिव भजन, बनरा, सुहाग, गारी का गायन किया। वहीं जयदीप गढ़वी एवं साथी, जूनागढ़ ने गढ़वी गायन की प्रस्तुति दी। अनूपपुर के पंचम सिंह एवं साथी द्वारा गोंड जनजातीय करमा, सैला नृत्य द्वारा की गई। करमा नृत्य कर्म की प्रेरणा देने वाला है। इसमें युवक-युवती दोनों ने भाग लिया। इसे देख ऐसा लगा मानों दोनों के बीच गीत रचना की होड़ लग गई हो। मध्यप्रदेश में करमा नृत्य-गीत का क्षेत्र बहुत विस्तृत है। सुदूर छत्तीसगढ़ सेलगाकर मंडला के गोंड और बैगा जनजातियों तक इसका विस्तार मिलता है। नासिक, महाराष्ट्र के विष्णु आनंद एवं साथी ने नरसिंह अवतार की पौराणिक कथा पर आधारित सौंगी मुखौटा नृत्य पेश किया।

विज्ञान केन्द्र में नाइट स्काई शो का सफल आयोजन

जागरण, भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र में नववर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष खगोल विज्ञान कार्यक्रम तारों की कहानी -हमारी जुबानी (एन इवनिंग विद स्टार) का सफल आयोजन किया गया। शाम 6:30 से 8:00 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, परिवारों और विज्ञान-रुचि रखने वाले नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में खगोल विशेषज्ञों ने तारों और रात्रि आकाश पर संवादात्मक चर्चा की। लेजर आधारित रीयल-टाइम नाइट स्काई शो के माध्यम से प्रतिभागियों को आकाश में तारामंडलों, ग्रहों और प्रमुख खगोलीय पिंडों की पहचान कराई गई। दूरबीन से कैपेला, एल्डिबरन, बीटलगीज, रिगेल, तथा चंद्रमा, शनि और बृहस्पति का अवलोकन प्रतिभागियों के लिए विशेष आकर्षण रहा।

आज से सांईधाम नेहरू नगर में प्रारंभ होगा संत मंगलम अन्नक्षेत्र

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। साईंकृपा सेवा समिति एवं न्यास नेहरू नगर द्वारा साईंधाम के संस्थापक संत मंगलम की स्मृति में आज से अन्नक्षेत्र प्रारंभ किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष प्रभात सोनी एवं सचिव प्रमोद नेमा ने बताया गुरुवार को सुबह साईं बाबा का अभिषेक कर कांकड़ आरती होगी। इसके बाद संत मंगलम अन्नक्षेत्र का प्रारंभ होगा। व्यवस्थापक विश्वबंधु सोनी ने बताया प्रतिदिन 200 भक्तों को भोजन प्रसादी का वितरण होगा। आम भक्तगण अपने जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, अपने परिचित की पुण्यतिथि आदि पर मात्र रुपए 2,100 जमा कर भोजन वितरण में भागीदार बन सकते हैं। बाकी खर्च न्यास द्वारा उठाया जाएगा। अभी तक लगभग 120 दिन की बुकिंग हो चुकी है।

सौवें जन्मदिन पर यतीन्द्रनाथ राही का सार्वजनिक अभिनंदन

जागरण, भोपाल। यतीन्द्रनाथ राही अभिनंदन समिति, भोपाल के तत्वावधान में प्रख्यात गीतकार यतीन्द्रनाथ राही के सौवें जन्मदिन के अवसर पर दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में सार्वजनिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता रघुनन्दन शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि यतीन्द्रनाथ राही का लेखन सुदीर्घ जीवनानुभवों का नवनीत है और उनकी रचनात्मक ऊर्जा आज भी सक्रिय है। मुख्य अतिथि मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि राही जी की जिजीविषा आज भी प्रेरणादायी है और उनके गीत समग्र सृष्टि की संवेदना को अभिव्यक्त करते हैं। सारस्वत अतिथि ऋषि कुमार मिश्र ने कहा कि साहित्य असंभव को भी संभव बनाता है और उनकी लेखनी ज्ञान व शब्द के बीच सेतु का कार्य करती है। सम्मान स्वीकार करते हुए यतीन्द्र नाथ राही ने साहित्यकारों के स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया और अपनी 23वीं कृति से चयनित गीतों का पाठ किया। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, गीत, दोहा और बाल साहित्य पर विस्तार से विचार रखे।

ईरानी डेरा के राजू ईरानी समेत 65 फीसदी बदमाश वांटेड, तोड़े जा सकते हैं मकान

कमाई का जरिया और पैसों की आमद जानने पुलिस खंगाल रही आरोपियों के बैंक अकाउंट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। निशातपुरा स्थित अमन कालोनी यानी ईरानी डेरा के अभी सिर्फ 35 फीसदी बदमाश ही गिरफ्तार हुए हैं। अभी राजू ईरानी समेत 65 फीसदी शातिर बदमाश वांटेड हैं। इनके मकान तोड़े जा सकते हैं। पुलिस इसके लिए नफ्ती करवाने जा रही है। इधर, पकड़े गए आरोपियों के पुलिस बैंक अकाउंट खंगाल रही है। उनकी कमाई का जरिया और पैसों की आमद और खर्चों का आंकलन किया जा रहा है। जब्त 21 बाइक में से 4 चोरी की निकली हैं। एक बाइक कहीं पर रजिस्टर्ड नहीं मिली। आरोपियों के पकड़े जाने के बाद महाराष्ट्र और राजस्थान की पुलिस भोपाल पहुंची है। महाराष्ट्र पुलिस एक आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर ले गई है। यह आरोपी उनके यहां वांटेड था।

शातिर बदमाश हैं नौटंकीबाज किए ड्रामे

कॉम्बिंग गश्त के दौरान शनिवार देर रात ढाई बजे डीसीपी जोन-फोर मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में 150 से अधिक पुलिसकर्मी ने ईरानी डेरा पर रेड कर 32 बदमाशों को गिरफ्तार किया। इनमें 10 महिलाएं भी शामिल थीं। सभी के खिलाफ शासकीय कर्मचारी से मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा, बलवा समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ। मंगलवार को आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धारा 111 का इजाफा किया गया। ईरानी डेरा के शातिर बदमाश नौटंकी बाज हैं। जैसे ही वे पुलिस की गिरफ्त में आए बहाने करने लगे। थाना परिसर में एक लेट गया और हार्ट अटैक का बहाना बनाने लगा। कोर्ट परिसर में महिलाओं ने छाती पीटकर पुलिस पर मारपीट, घसीटने, जबरदस्ती घरों में घुसने के आरोप लगाए। एक ने बोला मेरा पैर टूट गया। फ्रैक्चर आया है। इधर, वह एक-दूसरे पर शक जाहिर कर रहे थे कि किसने पकड़वाया है। किसने मुखबिरी की है।

पैरवी में खड़े थे वकील

पुलिस को राजू ईरानी समेत काला ईरानी, अली, मुस्तफा, अब्बासी, हैदर उर्फ मामू, महारानी और मस्तान जैसे शातिर अपराधियों की तलाश है। यह सभी गंभीर अपराधों में फरार हैं। पुलिस ने जैसे ही ईरानी डेरा से आरोपियों को गिरफ्तार किया वैसे ही उनके वकील खड़े हो गए। पुलिस और आरोपियों के कोर्ट पहुंचने से पहले उनकी पैरवी में वकील खड़े थे। यह देख पुलिस भी हैरान हो गई।

भोपाल पुलिस का नाम बदनाम हो रहा था

ईरानी डेरा पर पुलिस की यह कार्रवाई अचानक नहीं हुई। काफी लंबे समय से इसकी प्लानिंग की जा रही थी। ईरानियों की करतूतों की वजह से भोपाल पुलिस की साख खराब हो रही थी। बाहर की पुलिस ईरानियों की तलाश में भोपाल आती थी। खाली हाथ निराश होकर लौट जाती थी। कई बार पुलिस को पीटा भी गया, उन पर हमला हुआ। ऐसे में भोपाल पुलिस का नाम बदनाम हो रहा था। दूसरे राज्यों के अफसर, यहां के आला अधिकारियों से बातचीत कर समाधान की बात करते, लेकिन अफसोस के अलावा कुछ नहीं जता पा रहे थे। ऐसे में आरोपियों से मिलीभगत के आरोप भी लग रहे थे, जिन पर विराम लगाना जरूरी हो गया था।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई

भोपाल। नगर निगम में अपनी सेवा अवधि पूर्ण कर निगम सेवा से सेवानिवृत्त हुए 12 कर्मियों को निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने शॉल, फल, मिष्ठान आदि भेंटकर ससम्मान विदाई दी और उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना की। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने बुधवार को माता मंदिर, हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित निगम कार्यालय में आयोजित बिदाई समारोह में निगम की सेवा से सेवानिवृत्त हुए निगम में प्रतिनियुक्ति में पदस्थ अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन के सेवा निवृत्त होने पर भावपूर्ण बिदाई दी। साथ ही निम्न श्रेणी लिपिक नुसरत हबीब, श्रमिकगण इरफान खान, खालिद, अशोक त्रिपाठी, महेन्द्र सिंह ठाकुर, राकेश बसु, सरस्वती यादव, चौकीदार तुलसीदास, चालक हसन मसूद, हेल्पर ओमप्रकाश मालवीय, विनियमित अकुशल श्रमिक शाकिर अली को विदाई दी। इस मौके पर सेवा निवृत्त अधिकारी/कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष एस. नजीर अहमद के अलावा हसन तैयब सहित निगम के अन्य कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे।

बरकतउल्ला विवि ने जारी की आठ जिलों के 20 लॉ कालेजों की संबद्धता

कार्यपरिषद की आपात बैठक बुलाकर लगाई गई मुहर, काउंसिलिंग में होंगे शामिल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि द्वारा आठ जिलों में आने वाले बीस लॉ कालेजों को संबद्धता जारी करने कार्यपरिषद की आपात बैठक बुधवार को हुई। बीयू बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआई) को संबद्धता जारी करने की सूचना से अवगत कराएगा। बीयू ने आगामी सत्र 2026-27 की संबद्धता जारी की है। कुलगुरु सुरेश कुमार जैन ने सत्र प्रक्रिया शुरू होने के छह माह पहले करा दी है, ताकि कालेजों को उच्च शिक्षा विभाग की काउंसलिंग में भागीदारी करने में कोई समस्या नहीं आ सके। इंदर सिंह परमार ने कहा था कि आगामी सत्र की प्रवेश प्रक्रिया मई में शुरु कर दी जाएगी। इसके पहले कालेजों की संबद्धता और मान्यता समय रहते जारी की जाएगी। इसी क्रम में बीयू ने बुधवार को बीस कालेजों की आगामी सत्र 2026-27 संबद्धता और निरंतरता जारी करने के लिए आपात बैठक बुलाई थी। सिंगल एजेंडे पर ईसी सदस्यों को बुलाया गया। एजेंडे में आठ जिलों में संचालित होने वाले बीस कालेजों को सत्र 2026-27 की संबद्धता और निरंतरता जारी करने के बिंदु को ईसी के पटल पर रखा गया। नवनियुक्त रजिस्ट्रार समर बहादुर सिंह ने कहाकि छात्रहितों को देखते हुए संबद्धता जारी करने के लिए ईसी सदस्यों की सहमति ली गई है। इसमें आधा दर्जन लॉ कालेजों को द्वितीय से तीसरे वर्ष के प्रवेश होने पर संबद्धता जारी की गई है। वहीं एक दर्जन कालेजों में निरंतरता जारी की गई है। इसके आलवा एसएसएल जैन ला कालेज विदिशा और भोपाल के सत्य सांई लॉ कालेज को नये कालेज की संबद्धता जारी की गई है। जानकारी के मुताबिक बीयू ने संबद्धता जारी करने के पहले कालेजों का निरीक्षण कराने के लिए कमेटियां गठित की थीं। कमेटियों की रिपोर्ट आने के बाद ही संबद्धता और निरंतरता जारी करने के लिए आपात ईसी बुलाई गई थी।

पारंपरिक कोर्स की संबद्धता भी होगी जारी

कुलगुरु सुरेश कुमार जैन का कहना है पारंपरिक कोर्स का संचालन करने वाले निजी कालेजों की संबद्धता जारी करने के लिए ईसी बैठक बुलाई जाएगी। कालेजों की निरीक्षण रिपोर्ट को तलब किया जा रहा है। रिपोर्ट का परीक्षण होने के बाद संबद्धता और निरंतरता जारी करने की कार्रवाई शुरु की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ उच्च शिक्षा विभाग कालेजों का भौतिक सत्यापन कराने में लगा हुआ है। जहां कालेजों के भवन, खेल मैदान, पार्किंग और लाईब्रेरी का परीक्षण किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद विभाग उनकी मान्यता जारी करेगा।

वार्षिक कैलेंडर ग्रीन इम्प्रेशंस का लोकार्पण

जागरण, भोपाल। कला और पर्यावरण चेतना के संगम को समर्पित कला शिक्षकों के वार्षिक कैलेंडर ग्रीन इम्प्रेशंस का लोकार्पण आज सम्पन्न हुआ। मध्यप्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कैलेंडर का विमोचन किया और कहा कि कला शिक्षकों की रचनात्मक अभिव्यक्ति समाज को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। आर्ट-डिजाइन टीचर्स' फोरम द्वारा प्रकाशित यह कैलेंडर पर्यावरणीय और नागरिक सरोकारों की कलात्मक अभिव्यक्ति पर केंद्रित है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईडी मध्यप्रदेश की निदेशक डॉ. विद्या राकेश और निफ्ट भोपाल के निदेशक अखिल सहाय मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करियर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन मनीष राजोरिया ने की। देवीलाल पाटीदार ने आर्ट टीचर्स के लिए कला की नई दिशाएं विषय पर अपने विचार रखे, जबकि सुनील शुक्ल ने कैलेंडर व कार्यशाला की संकल्पना का परिचय देते हुए बताया कि यह रजा-प्रेरित कलाकृतियां अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी आयोजित तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला में तैयार हुई।

सेवानिवृत्त चार पुलिस कर्मचारियों को दी विदाई

जागरण, भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से दिसंबर महीने में सेवानिवृत्त हुए चार पुलिस कर्मचारियों को बुधवार को विदाई दी गई। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह और पौधे भेंट कर शुभकामनाएं दी। डीजीपी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके लंबी सेवा अवधि के दौरान किए गए योगदान के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि पुलिस विभाग उनके अनुभव और समर्पण को सदैव याद रखेगा। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के विभिन्न सेवा संबंधी दावों (क्लेम) के भुगतान आदेश भी प्रदान किए गए। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वालों में मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक (विशेष शाखा) भगवानदास विधानी, कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक (सीआईडी) कल्पना शर्मा मिश्रा, सूबेदार (एम) विशेष शाखा ओम नारायण द्विवेदी और प्रधान आरक्षक (एम) विशेष शाखा स्वराजवती वर्मा शामिल हैं। पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अंशुमान सिंह समेत सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन मौजूद रहे।

सीनियर एडवोकेट के घर में डकैती डालने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

18 लाख नकदी समेत लाखों के जेवर समेट ले गए नकाबपोश

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोहेफिजा इलाके की पॉश कालोनी में सीनियर एडवोकेट के सूने मकान में 8 बदमाशों ने डकैती डाल दी थी। नकाबपोश बदमाश लोडिंग वाहन से यहां पहुंचे थे। उनके घर में दो खूंखार कुत्ते थे, इसलिए बदमाशों ने उन्हें मांस का टुकड़ा खिलाकर बेहोश कर दिया था। इसके बाद चोर उनके घर के अंदर दाखिल हुए और 18 लाख रुपए नकदी समेत लाखों रुपए के जेवर समेट ले गए थे। हथियारों से लैस बदमाशों की यह करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी सादिक निवासी भानपुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस की टीम उसके अन्य साथियों की धरपकड़ में लगी है। इधर, सादिक से पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक, सीनियर एडवोकेट अखिलेश श्रीवास्तव सूरज नगर, एयरपोर्ट रोड पर रहते हैं। एडवोकेट अपने इलाज के लिए परिवार के साथ बीते दिनों इंदौर गए थे। घर पर

ताला लगा था। इसका फायदा उठाकर बदमाश उनके घर में 25-26 दिसंबर की रात दाखिल हुए। वे यहां लोडिंग आटो से आए थे। उनके हाथ में हथियार और चोरी के औजार थे। नकाबपोश बदमाशों ने ताला तोड़ा। इसके बाद एक-एक कमरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान अलमारियों के ताले और लॉकर तोड़े। इसके बाद निकल गए। अगले दिन 26 दिसंबर को उनकी काम वाली घर पहुंची। उसने देखा कि घर का ताला टूटा है। भोपाल आने पर सीनियर एडवोकेट ने कोहेफिजा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

कॉलेज चलो अभियान टीम का हुआ गठन

भोपाल। शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (एसपीएम) महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना द्वारा कॉलेज चलो अभियान की टीम का गठन किया गया। यह टीम आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय आदेश के तारतम्य में गठित की गई है। टीम द्वारा राजधानी के करीब एक दर्जन सरकारी और प्राइवेट स्कूलों का भ्रमण किया गया। इसके अंतर्गत प्रज्ञा हायर सेकेण्डरी स्कूल, शा सुभाष उत्कृष्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल, शा. नवीन हायर सेकेण्डरी स्कूल, शा. सरोजनी नायडू हायर सेकेण्डरी स्कूल, शा.उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोटरा, सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और प्राइवेट स्कूलों में रोज मेरी हायर सेकंडरी स्कूल, ब्राइट पेरागौन, नालंदा कोएड हायर सेकंडरी स्कूल, शा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्यालय शामिल हैं। टीम ने नई शिक्षा नीति 2020 सहित मप्र उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियां और अन्य योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कॉलेज चलो अभियान में संयोजक डॉ. मधुसूदन प्रकाश, डॉ अनादि मिश्रा ने कार्यक्रम को संपन्न किया।

10 दिन से गिर रहा था नवजात का वजन, झाड़ फूंक करवा रहे परिजन

आशा कार्यकर्ता के समझाने पर कराया अस्पताल में भती

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल जिले की बैरसिया तहसील के ग्राम आकिया में बीमार नवजात का परिजनों द्वारा झाड़ फूंक करवाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 17 दिसंबर को जन्मी बच्ची का वजन पैदा होने के बाद से लगातार कम होता जा रहा था और 10 दिन बाद बच्ची का वजन असामान्य रूप से 800 ग्राम कम हो गया, लेकिन परिजन इलाज के बजाय झाड़ फूंक करवा रहे थे। मामले की जानकारी आशा कार्यकर्ता सुमन लोवंशी को लगने के बाद नवजात के परिजनों को समझाइश देकर बीमार नवजात को एंबुलेंस से ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद से बच्ची की सेहत में सुधार देखने को मिल रहा है। बैरसिया के ग्राम आकिया में 17 दिसंबर को जन्मी नवजात का वजन 2.5 किलोग्राम था। वहीं गृह आधारित शिशु स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत नवजात की देखभाल में लगी गांव की आशा कार्यकर्ता सुमन लोवंशी द्वारा रोजाना घर जाकर जच्चा बच्चा की सेहत की जानकारी ली जा रही थी,

लेकिन सातवें दिन बच्ची का वजन 400 किग्रा कम होकर 2.10 किग्रा पर पहुंच गया। आशा कार्यकर्ता ने बच्ची की मां को स्तनपान कराने की सलाह दी। स्थिति को देख सुमन जब तीन दिन बाद फिर से नवजात को देखने पहुंची तो बच्ची का वजन गिरकर 1.7 किलोग्राम पर पहुंच गया था। आशा कार्यकर्ता सुमन ने इसे गंभीरता से लिया और परिजनों से कहा कि वे नवजात को अस्पताल लेकर चले। लेकिन परिजन झाड़ फूंक से इलाज करवाने की बात करते रहे। आशा कार्यकर्ता ने इसकी सूचना सुपरवाइजर को दी। जब दोनों के प्रयास करने के बावजूद परिवारजन अस्पताल जाने के लिए राजी नहीं हुई तब सीएमएचओ कार्यालय के निर्देश पर ब्लॉक स्तरीय टीम एक्टिव हुई।

आयोजन रवींद्र भवन में नाटक 'दफन करो' का नए अंदाज में मंचन

राष्ट्रवाद के नारों में दब जाती है युद्ध की सच्चाई

जागरण, भोपाल। रवींद्र भवन के अंजनी सभागार का मंच बुधवार शाम एक असामान्य दृश्य का साक्षी बना, जब मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने युद्ध-विरोधी नाटक 'दफन करो' को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया। प्रस्तुति की खासियत यह रही कि कहानी युद्ध में मारे जा चुके सैनिकों से आगे बढ़कर उनके मन की अनकही आवाज तक पहुंचती है। इस नाट्य प्रस्तुति के निदेशक रहे सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ। यह नाटक अमेरिकी नाटककार इरविंग शॉ के चर्चित नाटक (बरी द डेड) का रूपांतरण है। इर्विन शॉ द्वारा युद्ध की त्रासदी पर 1936 में लिखे इस नाटक की प्रस्तुति आज के समय में भी उतनी ही तीखी और जरूरी लगती है। 'दफन करो' का अनुवाद वेदा राकेश ने और नाट्य रूपांतरण और परिकल्पना सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ ने किया। नाटक की कहानी युद्धभूमि से शुरू होती है जहां छह

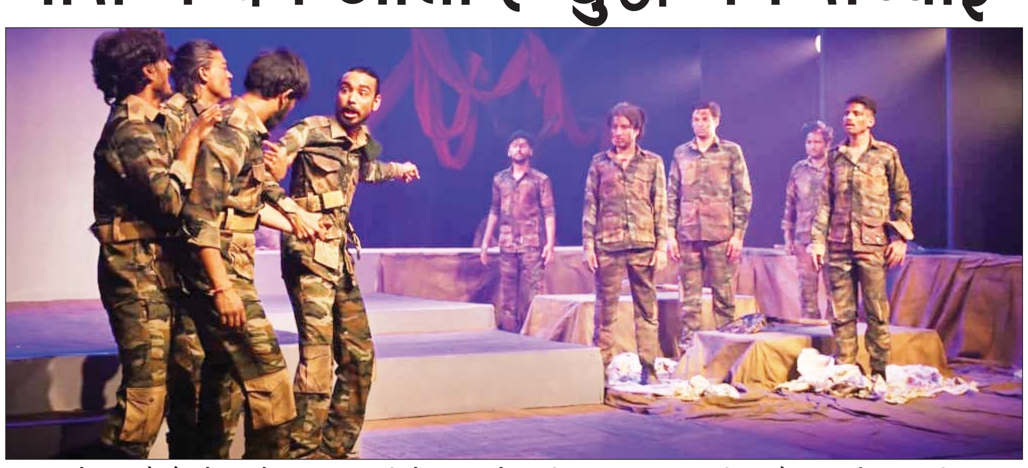

जवान मारे जा चुके हैं। सेना उन्हें दफनाना चाहती है, पर मृत सैनिक अपनी कब्रों से उठ खड़े होते हैं और दफन होने से इनकार कर देते हैं। उनका सवाल सीधा और चुभता हुआ है अगर युद्ध महान है, तो मरने वाले हमेशा हम ही क्यों? मंच पर सैनिकों का विद्रोह, माताओं का विलाप, सैनिकों की पत्नियों का दर्द और सत्ता की हठ सब मिलकर युद्ध की उस सच्चाई को सामने लाते हैं जिसे अक्सर राष्ट्रवाद के नारों में दबा दिया जाता है। विद्यार्थी कलाकारों ने युद्ध के दंश, भय और मानवीय संकट को प्रभावशाली अभिनय के साथ जीवंत कर दिया। 'दफन करो' आज भी वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर तीखी टिप्पणी करता है। यह नाटक दर्शकों को ये सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर युद्ध किसकी जीत है और किसकी हार और इसमें मरता कौन है।

कमाल का भोपाल: नागरिक पहल से एआई सिटी तक

भोपाल। 'कमाल का भोपाल' नागरिक अभियान के लिए 2025 एक निर्णायक वर्ष रहा। इस वर्ष अभियान की रिपोर्ट से जुड़े विचार और सुझाव केवल उच्चस्तरीय चर्चा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि राच्य स्तर पर ठोस नीतिगत फैसलों का आधार बने। वर्ष की शुरुआत में 'कमाल का भोपाल' अभियान के अंतर्गत भोपाल को नॉलेज और एआई आधारित भविष्य शहर के रूप में विकसित करने का एक विस्तृत प्रस्ताव राच्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया गया। यह रिपोर्ट मुख्य सचिव और माननीय मुख्यमंत्री को सौंपी गई, जिसमें भोपाल की भौगोलिक स्थिति, शैक्षणिक आधार, प्रशासनिक भूमिका और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नॉलेज एंड एआई सिटी का रोडमैप रखा गया। इसी पहल का परिणाम रहा कि राच्य शासन द्वारा भौंरी में लगभग 3700 एकड़ भूमि पर 'नॉलेज एवं एआई सिटी' की घोषणा की गई और इसके लिए ईओआई जारी किया गया। यह निर्णय इस बात का संकेत है कि नागरिक स्तर पर तैयार किए गए विचार और रिपोर्ट अब नीति और क्रियान्वयन में बदल रहे हैं। 2025 में एआई के उपयोग को लेकर भी एक नया संकेत सामने आया। ओपनएआई के योर इयर विद चैटजीपीटी 2025 जैसे प्लेटफ़ॉर्म-जनरेटेड रीकैप से यह स्पष्ट हुआ कि भोपाल जैसे राजधानी शहरों में एआई का उपयोग गवर्नेंस, शहरी नियोजन और नीति संवाद जैसे विषयों तक पहुँच रहा है। 'कमाल का भोपाल' अभियान के फाउंडर मनोज मीक के एआई उपयोग का पैटर्न लॉन्ग-टेल जैसा है।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 27.5°c | न्यूनतम 9.0°c

राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

संक्षिप्त खबरें

बाबा बटेश्वर का हरित श्रृंगार कर बांटे पौधे

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट द्वारा कल अंग्रेजी नव वर्ष एवं गुरु प्रदोष पर भारत को विश्व गुरु बनाने की एवं पर्यावरण को संरक्षित करने की कामना को लेकर बाबा बटेश्वर का हरित सिंगार किया जाएगा। समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया प्रातः नियमित अभिषेक प्रदोष काल में दूध, दही, घी, शकर, शहद, भस्मी एवं विजया से अभिषेक कर बाबा बटेश्वर का हरित श्रृंगार किया जाएगा। रात्रि 10 बजे महाआरती कर उपस्थित श्रद्धालुओं को पौधे वितरण करने के साथ पर्यावरण बचाने का संदेश एवं ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की अपील की जाएगी। भजन संध्या के बाद प्रसादी वितरण होगा।

जिला बदर का उल्लंघन कर रहे दो बदमाश गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। जहांगीराबाद पुलिस ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान प्रदीप बामने पिता श्यामलाल निवासी रविदास कॉलोनी और फिरोज खान निवासी कल्लाशाह का आहाता के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को भोपाल शहर की सीमा में पाए जाने पर गिरफ्तार किया। नगरीय पुलिस जिला भोपाल द्वारा गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए आरोपी को भोपाल शहर और आसपास के सीमावर्ती जिलों से जिला बदर किया गया था। आरोपियों के खिलाफ आदेश उल्लंघन पर धारा 14, 15 मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है। प्रदीप बामने के खिलाफ मारपीट, धमकी, चोरी, जुआ, आबकारी अधिनियम और आर्म्स एक्ट समेत 42 से ज्यादा मामले दर्ज है।

शिक्षक भर्ती के दस्तावेज परीक्षण कर करें अपलोड

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया से जुड़े मामले में निर्देशित किया है कि याचिकाकर्ता उम्मीदवारों के दस्तावेज परीक्षण करवा कर अपलोड कराएं। जस्टिस बीपी शर्मा की अवकाशकालीन एकलपीठ ने मामले पर अगली सुनवाई 9 जनवरी को तय की है। रीवा निवासी गरिमा तिवारी सहित अलग-अलग जिलों के डेढ़ दर्जन से अधिक उम्मीदवारों की ओर से अधिवक्ता आशीष ठाकुर ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने एक दिसंबर 2025 को अंतरिम आदेश दिए थे कि जिन उम्मीदवारों ने अनारक्षित वर्ग के अंतिम चयनित अभ्यर्थी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उनके दस्तावेज अपलोड करवा कर वेरिफिकेशन कराएं। आदेश के बावजूद संबंधित विभागों ने पात्र याचिका कर्ताओं को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशनशन प्रक्रिया से बाहर कर दिया।

नए साल में सर्दी से राहत, अगले 3 दिन बढ़ेगा तापमान

कोल्डवेव का भी अलर्ट नहीं, कोहरे से भी मिलेगी निजात, प्रदेश का कल्याणपुर रहा सबसे ठंडा, शहडोल में चली शीतलहर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नए साल का पहले दिन जोरदार सर्दी के दौर से राहत लेकर आएगा। साल के पहले दिन से तापमान में इजाफे का दौर शुरू होगा जो अगले तीन दिनों तक जारी रहेगा। मौसम विभाग के आकलन के अनुसार इस दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री तक बढ़ जाएंगे, जिससे कड़ाके की सर्दी से राहत मिलने की संभावना है। इसके अलावा प्रदेश के 55 में से 40 जिलों में सुबह के समय कोहरा से भी निजात मिलेगी जिससे विजिबिलिटी भी प्रभावित नहीं होगी। इसके साथ ही नए साल पर किसी भी स्थान पर शीतलहर या शीतल दिन का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि प्रदेश के ग्वालियर, मुरैना, भिंड, टीकमगढ़. पन्ना, ओरछा, दतिया, छतरपुर, पन्ना, रीवा, सतना और सिंगरौली में हल्का कोहरा छाया रह सकता है। इसके अलावा अन्य स्थानों पर दिन में धूप खिली रहेगी।

भोपाल में भी सर्दी से राहत, बढ़ा तापमान

एक बार फिर शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम तचापमान रिकार्ड किया गया। यहां न्यूनतम तापमान बुधवार को केवल 3.2 डिग्री दर्ज हुआ। इसके बाद छतरपुर जिले क खजुराहो में 4.2 नौगांव में 4.4, अमरकंटक में 5.0 और उमरिया में 5.2 डिग्री मिनिमम टेंपरेचर दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में बुधवार को केवल शहडोल में ही शीतलहर चली। बुधवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 27.5 और न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री रहा। इसके अलावा जिन जिलों में पारा 10 डिग्री से कम रहा उनमें बैतूल 9.5, दतिया 7.4, ग्वालियर 8.4, इंदौर 7.2, खरगोन 9.6, पचमढ़ी 5.6, रायसेन 7.5, राजगढ़ 6.5, शिवपुरी 7.0, उज्जैन 9.8, छिंदवाड़ा 8.4, दमोह 6.8, जबलपुर 8.2, मंडला 6.3, नरसिंहपुर 9.0, रीवा 5.4, सतना 7.6, सीधी 9.6, टीकमगढ़ 7.9, मलाजखंड 6.4 शामिल हैं।

ट्रेनों पर भी असर, घंटों लेट हो रहीं रेलगाड़ियां

देश के उत्तरी जिलों में छाए घने कोहरे और धुंध का असर ट्रेनों के संचालन पर भी हो रहा है। खासतौर से उत्तर भारत से भोपाल की तरफ आने वाली ट्रेनें जहां घंटों लेट हो रही हैं, वहीं कोहरे के कारण ट्रेनों की रफ्तार भी सुस्त हो गई है। इसके कारण रेलवे कई ट्रेनों को रीशेड्यूल कर रहा है। बुधवार को नई दिल्ली रानी कमलापति ट्रेन को दिल्ली में चार घंटे रीशेड्यूल किया गया। हालांकि इसके बाद ट्रेन दिल्ली से ही 4 घंटे 40 मिनट की देरी से रवाना हुई। रास्ते में मुरैना तक घने कोहरे से ट्रेन रफ्तार नहीं पकड़ सकी और ट्रेन आखिरकार लगभग सात घंटे विलंब से रानी कमलापति पहुंची। बुधवार को मालवा एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, एलटीट अमृतसर एक्सप्रेस, दक्षिण एक्सप्रेस आदि ट्रेनें भी घंटों के विलंब से भोपाल पहुंचीं।

नई दिल्ली में घने कोहरे की वजह से भोपाल आने वालीं 3 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली में घने कोहरे का असर भोपाल के हवाई यातायात पर भी हुआ। साल के अंतिम दिन देश की राजधानी में छाए घने कोहरे की वजह से तीन उड़ाने रद्द कर दी गईं। इनमें एयर इंडिया की दो एवं इंडिगो की एक फ्लाइट शामिल है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार इंडिगो की सुबह 7.45 बजे भोपाल आकर 8.15 बजे दिल्ली जाने वाली फ्लाइट ने दिल्ली से ही टेकआफ नहीं किया। इसी तरह एयर इंडिया की 7.55 बजे दिल्ली से आकर 8.25 वापस दिल्ली उड़ान भरने वाली फ्लाइट ने भी दिल्ली से ही उड़ान नहीं भरी। इसके अलावा एयर इंडिया की दोपहर 12.05 बजे भोपाल आकर 12.35 बजे वापस जाने वाली फ्लाइट भी दिल्ली से ही घने कोहरे के कारण कैंसिल हो गई। इन तीनों उड़ानों से आवागमन करने वाले लगभग 1200 यात्रियों को निराशा का सामना करना पड़ा। फ्लाइट कैंसिल होने के कारण अनेक यात्रियों की दिल्ली से अन्य शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट भी छूट गई और उन्हें हजारों का नुकसान झेलना पड़ा। एयरपोर्ट अर्थारिटी ने एडवाइडरी जारी कर दिल्ली से आने व जाने वाले यात्रियों को फ्लाइट की पोजीशन पूछकर ही होटल या घर से एयरपोर्ट रवाना होने को कहा है, ताकि वे कड़ाके की ठंड में उन्हें एयरपोर्ट पर आकर परेशान न हों।

इंदौर घटना के बाद जागी नगर सरकार, पेयजल लाइनों और ओवर हैड टैंकों की होगी जांच

भोपाल में कहीं नालों में पेयजल लाइनें तो कहीं बिल्डर खुले में छोड़ रहे सीवेज

जागरण संवाददाता, भोपाल। इंदौर में दूषित पेयजल पीने से हुई 9 लोगों की मौत के बाद भोपाल में भी नगर निगम प्रशासन अलर्ट पर है। बुधवार को महापौर मालती राय ने नगर निगम के सभी इंजीनियरों को पेयजल पाइप लाइन सहित ओवर हेड टैंक और पेयजल सप्लाई से जुड़े अन्य हिस्सों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए हैं, लेकिन असल में पुराने भोपाल के शाहजहांनाबाद, जहांगीराबाद, ऐशबाग सहित कई अन्य स्थानों पर पेयजल पाइप लाइन लंबे समय से सीवेज नेटवर्क से होकर गुजर रही हैं। दुरुस्त न होने के कारण पाइप लाइन कई जगह से जर्जर हो चुकी हैं, जिसके चलते अक्सर सीवेज का पानी इन पाइप लाइनों के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच जाता है, जिससे लोग बीमार हो जाते हैं। दूषित पेयजल की सप्लाई ज्यादातर उन क्षेत्रों में है, जहां बड़े तालाब का पानी सप्लाई किया जाता है। बता दें कि 2013 से 2018 के बीच कंपट्रोलर ऑफ ऑडिट जनरल ऑफ इंडिया (कैग) की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि राजधानी भोपाल की एक तिहाई आबादी फीकल कॉलिफॉर्म बैक्टीरिया युक्त पानी पी रही है। यह बैक्टीरिया मानव मल में पाया जाता है। यानि पाइप लाइनें नालों, सीवेज नेटवर्क के पास से होकर गुजरती हैं, जिससे गंदा पानी लोगों के घरों तक पहुंचता है। जिससे लोगों को अक्सर डायरिया सहित पेट की तकलीफ होती है और लगातार इस पानी का सेवन करने से पेट की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, जो मौत का कारण बनती हैं।

नए भोपाल में भी नहीं हो रहा नियमों का पालन

नए भोपाल में विकसित कई अपार्टमेंट और कालोनियों द्वारा अपनी सीवेज लाइनें खुले में या नालों में छोड़ दी गई हैं। इन अपार्टमेंट और कालोनियों के डेवलपर ने नियमों को ठेंगा दिखाते हुए न तो एसटीपी लगाए और न ही सीवेज को सुरक्षित बाहर छोड़ने के लिए सीवेज लाइनें डाली हैं। अक्सर नर्मदापुरम रोड, अयोध्या बायपास, जेके रोड, कोलार, चूना भट्टी, बावड़िया कलां और अन्य पॉश इलाकों के रहवासी घर के सामने सीवेज भरे होने की शिकायत करते रहते हैं। ऐसे में यदि लंबे समय तक इस दूषित पानी का सेवन किया जाए, तो आंतों की गंभीर बीमारियां भी व्यक्ति को अपनी चपेट में ले सकती हैं।

> लोगों को साफ व स्वच्छ पेयजल मिले इसके लिए निगम प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। जहां भी कमियां मिलती हैं, उन्हें दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाता है।
>
> ■ **मालती राय**, महापौर भोपाल

पाइप लाइनों के अलावा भूजल को भी प्रदूषित होने से बचाएं

इंदौर घटना के बाद भले ही निगम प्रशासन जाग गया हो और शहर के सभी इंजीनियरों को पेयजल पाइप लाइनों की निगरानी के आदेश जारी किए गए हों, लेकिन शहर के भूजल को साफ बनाए रखने की जिम्मेदारी भी निगम की है। नर्मदापुरम रोड स्थित रामेश्वरम और अरविंद विहार के पास कई जगहों पर डेवलपर ने सीवेज खुले में छोड़ा हुआ है। यही स्थिति जाटखेड़ी की भी है। डेवलपर निगम के अधिकारियों से सांठगांठ कर नियमों को तोड़ते हैं। जिसका खामियाजा शहर वासी भुगतते हैं। साथ ही शहर में नालों में सीधे छोड़ा जा रहा सीवेज भी भूजल को प्रदूषित करता है, क्योंकि ज्यादातर जगहों पर नाले चैनलाइस नहीं हैं, जिससे सीवेज रिसकर भूजल में मिलता है और भूजल प्रदूषित होता है।

पेयजल लाइनों के निरीक्षण के आदेश जारी

इंदौर घटना के बाद महापौर मालती राय ने शहर की जलप्रदाय व्यवस्था में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को महापौर ने कहा है कि नगर निगम भोपाल के वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट के सभी सहायक यंत्री, उपयंत्री, सुपरवाइजर अपने अपने क्षेत्रों में विद्यमान वाटर सप्लाई पाइप लाइन का नियमित निरीक्षण करें। यदि पानी में गंदगी या बदबू की कोई भी शिकायत मिले तो उसे गंभीरता से लेते हुए जांच के साथ तत्काल निराकरण कराया जाए। शहर की सभी पाइप लाइनों का निरीक्षण और सुपरविजन अधीक्षण यंत्री व कार्यपालन यंत्रियों के द्वारा किया जाए।

कर्मचारी सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुसा, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में एक ई-रिक्शा शोरूम के कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से जा घुसा, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के वक्त वह ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर जा रहा था। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, 45 वर्षीय अनिल राठौर पिता देवीलाल राठौर वाफना कालोनी में रहता था। वह करोंद स्थित एक ई-रिक्शा शोरूम में नौकरी करता था। सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे अनिल ड्यूटी खत्म होने के बाद भानपुरा होते हुए अपनी बाइक से घर लौट रहा था। वह अभी रेलवे गोदाम के पास से गुजर रहा था, तभी सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े एक ट्रक में पीछे से घुस गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। घटना के बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में परिजनों ने उसे बंसल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मंगलवार-बुधवार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक की पहचान कर ली है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बैरसिया इलाके में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार सुंदर शाक्या (21) निवासी ग्राम ललरिया की मौत हो गई। वह प्रायवेट काम करता था। मंगलवार को वह अपनी बाइक से किसी काम के सिलसिले में बैरसिया जा रहा था। शाम करीब साढ़े पांच वह कुलोर गांव जोड़ के पास पहुंचा था, तभी उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। घटना के बाद उसे बैरसिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से उसे हमीदिया रेफर कर दिया। जहां कुछ देर इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया।

डिवाइडर से टकराने पर डिलीवरी बॉय की मौत

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने पर घायल हुए ललिता नगर निवासी अभिषेक अहिरवार (20) की मंगलवार को मौत हो गई। वह एक फूड कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करता था। बीती 25 दिसंबर की रात करीब आठ बजे बाइक से घर लौट रहा था। सर्वधर्म पुलिया के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नए साल के जश्न में डूबी राजधानी

रात के 12 बजते ही राजधानी भोपाल में नए साल का जमकर जश्न मनाया गया। जगह-जगह पार्टी का आयोजन कर युवा जमकर थिरके। बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर आकर्षक आतिशबाजी का आयोजन किया गया। यहां हुए आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। छाया: एचसी वर्मा

आज से बदल जाएगी 26 ट्रेनों की टाइमिंग

रेलवे ने शेड्यूल किया जारी, भोपाल-इंदौर इंटरसिटी अब 10 मिनट लेट रवाना होगी

जागरण, भोपाल। नए साल के पहले दिन यानी, 1 जनवरी से भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) से आने-जाने वाली 26 ट्रेनों की टाइमिंग बदलेगी। रेलवे ने नया शेड्यूल जारी कर दिया है। भोपाल-इंदौर इंटरसिटी अब 10 मिनट लेट रवाना होगी। जयपुर, जोधपुर, रीवा, अगरतला, ग्वालियर, बिलासपुर, बीना, कोटा, मैसूर, दरभंगा, दिल्ली, कन्याकुमारी, पटना, प्रयागराज समेत कई जगहों पर जाने वाली ट्रेनों की टाइमिंग भी बदली गई है। रेलवे ने नई समय सारणी भी जारी कर दी है। हालांकि, भोपाल के तीनों स्टेशन से आने-जाने वाली ट्रेनों में 5 से 15 मिनट का बदलाव किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया, 1 जनवरी से लागू नई समय-सारणी अनुसार विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ियों के आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन एवं मंडल में अधिकांश गाड़ियों की औसत गति बढ़ने से

समय की बचत होगी। कई ट्रेनें स्पीडिंग अप भी की प्रबंधक कटारिया ने बताया, टाइमिंग के बदलाव के अलावा पश्चिम मध्य रेलवे एवं भोपाल मंडल पर अधिकांश ट्रेनों स्पीडिंग अप भी किया गया है। इस संबंध में संबंधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों को भी सुझाव है कि असुविधा से बचने के लिए प्रभावी समय-सारणी की जानकारी स्टेशन, अधिकृत बेवसाइट अथवा रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

अब ये रहेगी ट्रेनों की टाइमिंग

- भोपाल-रीवा एक्सप्रेस रात 11.05 बजे की बजाय रात 11 बजे प्रस्थान करेगी।
- भोपाल-डॉ अंबेडकर नगर एक्सप्रेस शाम 5 बजे की बजाय शाम 5:10 बजे प्रस्थान करेगी।
- भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस शाम 4:55 बजे की बजाय 4:40 बजे प्रस्थान करेगी।
- रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस रात 10 बजे की बजाय रात 9:55 बजे प्रस्थान करेगी।
- भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस दोपहर 1:15 बजे की बजाय दोपहर 1:10 बजे प्रस्थान करेगी।
- भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस शाम 4:35 बजे की बजाय शाम 4:30 बजे प्रस्थान करेगी।
- रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस दोपहर 3:50 बजे की बजाय 3:40 बजे प्रस्थान करेगी।
- रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल दोपहर 3:40 बजे की बजाय 3:20 बजे प्रस्थान करेगी।

अनदेखी

एक साल में 55 बाघों की मौत की गई रिकॉर्ड, बाघों की सुरक्षा के नहीं माकूल इंतजाम

प्रोजेक्ट टाइगर शुरू होने के बाद मप्र में सबसे ज्यादा बाघ मरे

जागरण संवाददाता, भोपाल। बाघों का अस्तित्व सुरक्षित करने के लिए भारत में सन 1973 से शुरू हुए प्रोजेक्ट टाइगर के बाद मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा बाघ की मौतें 2025 में दर्ज की गई हैं। 28 दिसंबर को दक्षिण सागर वन मंडल के धाना रेंज में सागर धाना रोड पर हिलगन गांव के पास मृत मिली बाघिन के बाद मध्य प्रदेश में बाघों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक ओर केंद्र सरकार मध्य प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टाइगर स्टेट के रूप में प्रोजेक्ट कर रही है, ताकि दुनिया भर के वन्य प्रेमियों और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर को मध्य प्रदेश बुलाया जा सके। दूसरी ओर बाघों की लगातार होती मौत का यह सिलसिला मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा बाघों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रयासों पर सवालिया निशान लगाता है। दरअसल

मध्य प्रदेश में पिछले कुछ समय से वन्य प्राणियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शिकारी और किसान वन्य प्राणियों को मारने के लिए जीआई तार जमीन पर बिछाकर उसमें हाई वोल्टेज करंट दौड़ा देते हैं। जिससे वन्य प्राणी इलेक्ट्रोक्यूशन (करंट से मौत) का शिकार हो जाते हैं। अक्सर ऐसा ब्लैक बग, जंगली सुअर और नीलगाय जैसे वन्य प्राणियों के लिए किया जाता है, लेकिन पिछले कुछ समय से मध्य प्रदेश के बाघ भी इलेक्ट्रोक्यूशन का शिकार हो रहे हैं।

वन्य प्राणियों के विचरण के लिए सुरक्षित कॉरिडोर नहीं

प्रदेश सरकार द्वारा बाघों के आवास के लिए भले ही 9 टाइगर रिजर्व बना दिए गए हो, लेकिन इसके बाद भी बाघों की सुरक्षा के माकूल इंतजाम नहीं हैं। मध्य प्रदेश में 2025 में बाघों की हुई असामान्य मौतों की मामलों में इलेक्ट्रोक्यूशन, रेल लाइन की चपेट में आना, सड़क दुर्घटना और अन्य ऐसे कारण जिनमें वन विभाग गश्त बढ़ाकर और जागरूकता अभियान चलाकर बाघों की मौत को टाल सकता था, लेकिन अमले की लापरवाही के चलते बाघों की मौतें हुए हैं। बता दें कि 2025 में 8 बाघों की मौतें करंट लगने से और 11 रोड रेल एक्सिडेंट या अन्य अप्राकृतिक कारणों से मारे गए हैं। इन 19 बाघों की मौतों से भविष्य में पैदा होने वाले नए बाघ शावकों की उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं।

किस माह में कितने बाघ मारे

जनवरी	04
फरवरी	07
मार्च	02
अप्रैल	06
मई	06
जून	04
जुलाई	04
अगस्त	06
सितंबर	01
अक्टूबर	07
नवंबर	02
दिसंबर	06
कुल	55

प्रदेश में टाइगर कॉरिडोर तो बनाया जा रहा पर सुरक्षा के लिए भी करना होगा काम

प्रदेश के पांच टाइगर रिजर्व को जोड़कर बाघों की सुरक्षा के लिए टाइगर कॉरिडोर तो बनाया जा रहा है, लेकिन टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र के अलावा बफर व टाइगर कॉरिडोर में भी बाघों की मॉनिटरिंग सख्ती से करनी होगी। बता दें कि लगभग 4700 करोड़ रुपए की लागत से वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पहला वाइल्ड लाइफ-सुरक्षित रोड कॉरिडोर (टाइगर कॉरिडोर) बन रहा है। भविष्य में कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना और पेंच जैसे पांच प्रमुख टाइगर रिजर्व को जोड़ा जाएगा, ताकि बाघ सहित अन्य वन्य प्राणियों को सुरक्षित आवागमन के लिए रास्ता मिले और प्रदेश में पर्यटन का भी विकास हो।

टाइगर कॉरिडोर के लिए यह काम होंगे

टाइगर कॉरिडोर के लिए वन्य प्राणियों के आवागमन के लिए एनिमल अंडरपास, फेंसिग (बाड़), स्पीड कंट्रोल जोन और इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग सिस्टम का विकास होगा। टाइगर कॉरिडोर के बनने से 4 टाइगर रिजर्व आपस में जुड़ेंगे, जिससे पर्यटक भविष्य में मल्टी रिजर्व सफारी का भी लाभ ले सकेंगे। वर्तमान में जबलपुर से पेंच तक काम शुरू है और अन्य हिस्सों में भी इसका निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी कर पहनता था चोर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार इलाके में महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी कर पहनने वाला चोर सामने आया है। उसने एक डेरी संचालक के घर में घुसकर बालकनी से महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी किए थे। परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसका इलाज चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने कोई कायमी नहीं कर उसे जाने दिया। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि युवक मानसिक रोगी है इसलिए कोई केस दर्ज नहीं किया। पुलिस के मुताबिक, अमरनाथ कालोनी में रहने वाले डेरी संचालक के घर में मंगलवार देर रात साढ़े 12 बजे एक युवक दाखिल हुआ। बालकनी में उसकी परछाई दिखी। डेरी संचालक ने गेट खोलकर उसे ललकारा तो वह बालकनी से अंडरगारमेंट्स लेकर भाग निकला। भागते समय उसका श्रमिक कार्ड गिर गया। इस पर दीपेश लिखा था। कार्ड की मदद से पुलिस बुधवार दोपहर को उसके घर पहुंच गई। तब वह सो रहा था। पुलिस ने उसके पकड़ा तो देखा कि चोरी किए अंडरगारमेंट्स वह पहने हुए थे। इसका वीडियो भी सामने आया है। जांच में साने आया कि इससे पहले मंदाकिनी के एक अन्य घर में भी चोरी की थी। भागते समय वहां से चुराए गए अंडरगारमेंट्स उनके घर में छूट गए थे। डाक्टरों की माने तो युवक को फेटिशिज्म और वैंडलिज्म जैसी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां हो सकती हैं।

आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

जन-जीवन में मुस्कान बनकर उतरेगा विकास

2026 वैश्विक इतिहास के फलक पर एक ऐसे वर्ष के रूप में अंकित होने जा रहा है, जहां मानवता अपनी सामूहिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और आर्थिक लचीलेपन के माध्यम से एक नए युग की आधारशिला रखेगी। भारत के लिए, यह वर्ष उसकी बढ़ती वैश्विक शक्ति का एक ज्वलंत प्रमाण होगा, क्योंकि देश अब जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए तीव्र गति से अग्रसर है । इस सकारात्मक परिदृश्य के केंद्र में भारत की घरेलू मांग, सुदृढ़ निजी खपत और बुनियादी ढांचे पर किया गया अभूतपूर्व निवेश है। इसे देखते हुए वैश्विक एजेंसियां 2026 में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी से 7.3 फीसदी के बीच रहने का अनुमान लगा रही हैं ।

ऊर्जा के क्षेत्र में 2026 'अक्षय क्रांति' का साक्षी बनेगा, जहां हाइब्रिड 'टैंडम पेरोव्स्काइट' सौर कोशिकाओं का वाणिज्यिक बाजार में प्रवेश होगा, जिनकी दक्षता पारंपरिक पैनलों की तुलना में काफी अधिक होगी, जिससे सौर ऊर्जा का उपयोग घरों और वाहनों के लिए और भी सुलभ हो जाएगा। भारत इस दिशा में गुजरात के कच्छ जिले में 30 गीगावाट क्षमता वाले दुनिया के सबसे बड़े हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। साथ ही, रिलायंस इंडस्ट्रीज का जामनगर स्थित गीगा कॉम्प्लेक्स अपनी पूर्ण क्षमता की ओर बढ़ते हुए बैटरी विनिर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा,जो भारत को वैश्विक हरित ऊर्जा का केंद्र बनाने के लक्ष्य को गति देगा । बुनियादी ढांचे के विकास में 'प्रधानमंत्री गति शक्ति अभियान' के तहत रेल और सड़क नेटवर्क का अभूतपूर्व एकीकरण देखने को मिलेगा, जहां सड़क नेटवर्क 66 लाख किलोमीटर के पार पहुंच जाएगा, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 10 फीसदी से नीचे लाने का सपना सच होने के करीब होगा। रेलवे भी इस वर्ष अपनी पूर्ण विद्युतीकरण क्षमता और 'कवच 'जैसी उन्नत सुरक्षा प्रणालियों के साथ एक आधुनिक परिवहन तंत्र के रूप में उभरेगी,जो कश्मीर जैसे दुर्गम क्षेत्रों को भी बारहमासी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी ।

क्षेत्रीय स्तर पर, मध्य प्रदेश राज्य विकास के एक प्रेरक मॉडल के रूप में सामने आएगा, जहां भोपाल में 2,000 एकड़ में विकसित की जा रही 'नॉलेज और एआई सिटी' अनुसंधान और स्टार्टअप्स का एक वैश्विक हब बनेगी । मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य ने न केवल मेट्रो रेल सेवा का शुभारंभ किया है, बल्कि सामाजिक कल्याण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जैसे कि लाड़ली बहना योजना के तहत मासिक सहायता को बढ़ाकर 1,500 करना। राज्य का रोलिंग बजट नवाचार भविष्य की वित्तीय योजना को पारदर्शी व परिणामोन्मुखी बनाएगा। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश दुनिया का पहला राज्य-स्तरीय बहु-पार्क टाइगर कॉरिडोर संचालित करेगा, जो बाघों के अबाध आवागमन तथा आनुवंशिक विविधता को सुनिश्चित करते हुए ईको-टूरिज्म और स्थानीय रोजगार को नई दिशा देगा । इसके अलावा, सागर जिले में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए तीसरा आवास विकसित करना पारिस्थितिकी संतुलन की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

दरअसल, 2026 एक ऐसा वर्ष होगा जहां आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्रांति और मानवीय संवेदनाएं मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करेंगी जो अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और उज्जवल होगा। यह वर्ष हमें सिखाएगा कि तकनीकी श्रेष्ठता के साथ-साथ जब हम स्वयंसेवा, महिला सशक्तिकरण और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हैं, तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं बल्कि जन-जन के जीवन में मुस्कान बनकर उतरता है। भारत इस वैश्विक यात्रा में एक 'विश्व बंधु'की भूमिका निभाते हुए अपने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर एक और महत्वपूर्ण तथा सफल कदम बढ़ाएगा।

अर्थव्यवस्था

वैश्विक आर्थिक मंदी का भारतीय उपभोक्ता पर असर नहीं

दुनिया का सबसे आशावादी बाजार भारत

डा. जयंतीलाल भंडारी

उम्मीद करें कि भारत में वर्ष 2026 में महंगाई में कमी और ब्याज दरों में कटौती भारतीय उपभोक्ताओं को नई आशावादी शक्ति देगी और भारत में उपभोक्ताओं की बढ़ी हुई क्रय शक्ति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू खपत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगी। नया साल नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। भारतीय आर्थिकी के लिए शुभ समय है...

हाल ही में वैश्विक परामर्श कंपनी बीसीजी की 'ग्लोबल कंज्यूमर रडार' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता मौजूदा आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक संघर्षों से अप्रभावित हैं। भारत दुनिया का सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार है। जहां वर्ष 2025 में जीडीपी की मजबूत वृद्धि से भारत में उपभोक्ताओं की धारणा में पूरे वर्ष स्थिर गति देखी गई, वहीं अब 2026 में देश लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखने वाले 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं के साथ सबसे आशावादी बाजारों में बना हुआ है।

गौरतलब है कि नए वर्ष 2026 में भारतीयों को महंगाई घटने और ब्याज दरों में कमी से खरीददारी में नई शक्ति मिलती हुई दिखाई देगी पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में की गई कटौती के बाद रेपो रेट अब 5.25 प्रतिशत हो गई है। इस समीक्षा बैठक में कहा गया है कि देश में इस समय महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर 2.2 फीसदी पर है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान 7.3 फीसदी है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार पकड़ रही है और आगे भी यही रुझान बना रहने की पूरी उम्मीद है। साथ ही रिजर्व बैंक ने जनवरी 2026 में बैंकिंग सिस्टम में पैसों की कमी को दूर करने, नकदी लंबे समय तक बनाए रखने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए डालना सुनिश्चित किया है। रिजर्व बैंक के द्वारा 5 दिसंबर को ब्याज दरों में कटौती के मद्देनजर रेपो रेट में 25 आधार अंक की जो कटौती की गई है, उसका लाभ बैंकों के द्वारा विभिन्न वर्ग के ग्राहकों तक पहुंचाया जाना शुरू हो गया है। ऐसे में तेजी से आगे बढ़ रहे सुकूनदेह आर्थिक परिदृश्य के मद्देनजर आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मार्च 2026 में रेपो रेट में कमी की संभावना भी उभरकर दिखाई दे रही है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वर्ष 2026 में महंगाई में कमी रहने की संभावना से देश का उपभोक्ता बाजार मजबूत होगा। निःसंदेह रिजर्व बैंक के द्वारा ब्याज दर और घटाए जाने की संभावना का एक खास कारण महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण भी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से 12 दिसंबर को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा महंगाई नवंबर, 2025 में 0.71 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। अक्टूबर में यह 0.25 फीसदी रही थी। इस वृद्धि के बावजूद खुदरा महंगाई लगातार 10वें महीने आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य के नीचे रही। साथ ही, यह लगातार दूसरा महीना है, जब यह एक फीसदी से भी कम रही। इससे पहले खुदरा महंगाई सितंबर में एक फीसदी से अधिक यानी 1.44 फीसदी रही थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। वर्ष 2024-25 में देश में 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है।

भारत के आर्थिक परिदृश्य से संबंधित विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रामीण भारत से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। इन रिपोर्टों में यह बताया जा रहा है कि गांवों में खपत तेजी से बढ़ रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय जब अमेरिका और यूरोप सहित पूरी दुनिया के कई देशों में महंगाई आर्थिक-सामाजिक चिंता का कारण बन गई है, तब भारत पूरी दुनिया के लिए एक ऐसी नजीर बन गया है, जहां खुदरा महंगाई लगातार एक फीसदी से नीचे स्तर पर है और विकास लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इस समय भारत में महंगाई में तेज गिरावट से सस्ते कर्ज की राह आसान हुई है और इससे उपभोक्ता बाजार तेजी से आगे बढ़ेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इन दिनों भारत के विकास पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि चूंकि टैक्स व महंगाई घटने से अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और भारत की क्रेडिट रेटिंग सुधर रही है, ऐसे में क्रेडिट रेटिंग व विकास दर बढने से उपभोक्ता बाजार आशावादी बना रहेगा। हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार के बड़े फैसले जैसे कि पहला टैक्स में कटौती और दूसरा मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित बढ़ोतरी को बढ़ावा मिलेगा। यह इकोनमी को तेजी से बढ़ाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा, 'जीएसटी की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती से वित्त वर्ष 2026-27 में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक नया परिदृश्य दिखाई देगा। निश्चित रूप से ब्याज दर घटाए जाने के कारण सस्ते कर्ज से वर्ष 2026 में आर्थिक गतिविधियों में तेजी की संभावना विकास दर को बढ़ाने के लिए सकारात्मक संदेश होगी और उपभोक्ता बाजार में चमक बढ़ेगी। इस समय जब देश ट्रंप टैरिफ व वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के दौर में चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है, तब सस्ता कर्ज उद्योग-कारोबार और सर्विस सेक्टर को नई शक्ति देगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति को मजबूत बनाने, निवेशकों का विश्वास बढ़ाने, अर्थव्यवस्था को व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित करने, उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराने के मद्देनजर सस्ता कर्ज लाभप्रद होगा। सस्ते कर्ज के कारण विदेशी निवेश भी बढ़ेंगे। ग्रामीण मांग के साथ-साथ शहरी मांग में सुधार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और सर्विस सेक्टर के विकास को बल मिलेगा। सस्ते कर्ज के आधार पर स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। बैंक व वित्तीय संस्थाओं की स्थिरता भी बनी रहेगी। आम आदमी को भी सस्ते कर्ज से कई लाभ मिलेंगे। ईएमआई के घटने से ऋण लेने वाले सभी लोगों को लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। घरों और वाहनों की मांग बढ़ेगी। मकानों की बिक्री में तेज गिरावट के कारण रियल इस्टेट उद्योग की बढ़ी हुई मुश्किलें ब्याज दरों में कटौती से कम होते हुए दिखाई देंगी। इन सबसे उपभोक्ता बाजार पर अनुकूल असर होगा। उम्मीद करें कि भारत में वर्ष 2026 में महंगाई में कमी और ब्याज दरों में कटौती भारतीय उपभोक्ताओं को नई आशावादी शक्ति देगी और भारत में उपभोक्ताओं की बढ़ी हुई क्रय शक्ति अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू खपत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगी। उम्मीद करें कि वर्ष 2026 में ईएमआई घटने से आम आदमी की खर्च योग्य आय बढ़ेगी, बाजार मांग में मजबूती और निवेश के नए माहौल को बल मिलेगा और इससे भारत दुनिया में सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा और देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ेगी। इस तरह आने वाला समय आशाओं से भरा दिखाई दे रहा है। नया साल नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। भारत की आर्थिकी को उड़ान मिलने जा रही है।

खुला मंच

नए साल के संकल्पों की भूल भुलैया

मनीष कुमार चौधरी

मेरा एक मित्र, जो खुद को 'फिटनेस उत्साही' कहता है, का संकल्प वही था, जो वह पिछले पांच साल से समझा रहा था। यानी जिम जाने का संकल्प। जिम जाना तो दूर, उसने इन पांच सालों में सुबह का सूरज भी नहीं देखा। नए साल के संकल्पों के साथ सबसे अच्छी बात है कि सिर्फ संकल्प लेने का दिखावा करना ही काफी है, उसे पूरा करना जरूरी नहीं है। आप ऐसा संकल्प चुनें जहां केवल आप ही यह तय कर सकें कि यह सफल रहा या असफल। इससे आप यह दिखावा कर पाएंगे कि आप अपना संकल्प पूरा कर पाए, भले ही आप बुरी तरह फेल हो गए हों। इस कैटेगरी में आने वाले संकल्प का एक उदाहरण है– दिन में कोई बीस-पच्चीस पॉजिटिव विचार सोचना। वैसे अभी तक किसी ने माइंड रीडर का आविष्कार नहीं किया है, इसलिए कोई और यह नहीं बता सकता कि आप सच में अपना लक्ष्य पूरा कर पाए या नहीं। क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि जब कैलेंडर दिसंबर से जनवरी में बदलता है, उस जादुई तारीख पर आप जो भी महान काम करना चाहते हैं, उनके बारे में थोड़ा ज्यादा उत्साहित होना कितना आसान हो सकता है? थोड़े समय के लिए, कुछ भी संभव लगता है। आसमान ही सीमा है और फिर या तो आप अपने सभी ऊंचे लक्ष्यों के बारे में भूल जाते हैं या आप धड़ाम से नीचे गिरते हैं, असलियत से सामना होता है। मुझे तो दिसंबर से जनवरी का बदलाव बहुत पसंद है। बीते साल पर सोचने का समय। आने वाले साल में मौजूद संभावनाओं के बारे में उत्साहित होने का समय। वे ही क्लासिक घिसे-पिटे संकल्प। सुबह 5 बजे उठें; कसरत की दिनचर्या अपनाएं; माइंड फुलनेस और टाइम मैनेजमेंट का अभ्यास करें; अपने शरीर को पौष्टिक खाने से पोषण दें; प्रोफेशनल कपड़े पहनें; ऊंचे लक्ष्य तय करें; प्रियजनों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं; फालतू चीजें हटाएं इत्यादि। अगर आप मेरी तरह हैं तो इस तरह के संकल्प सिर्फ अच्छे इरादों से शुरू होते हैं, जब तक कि बहुत जल्दी यह साफ नहीं हो जाता कि इसमें भविष्य के खुद के बारे में कुछ भ्रम शामिल है। यह भी तो सोचें कि अगर आप वजन कम करते हैं या व्यायाम करते हैं, या ज्यादा मेहनत करते हैं, या शराब-सिगरेट छोड़ देते हैं तो इस बड़ी दुनिया में किसी को क्या फर्क पड़ता है? संकल्प नियमों की तरह होते हैं। वे तोड़ने के लिए बनाए जाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जनवरी के पहले हफ्ते में 20 प्रतिशत तक संकल्प टूट जाते हैं और पहले माह में 80 प्रतिशत। तो दोस्तो, तोड़े और कभी पूरे न किए जाने वाले संकल्पों के नाम पर 'हैप्पी न्यू ईयर!'

प्रसंगवश

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है अरावली का वजूद

देवेंद्र शर्मा

वर्ष 2021 की हॉलीवुड व्यंग्य फिल्म 'डोंट लुक अप' में, दो अमेरिकी खगोलशास्त्री दुनिया को एक धूमकेतु के बारे में चेतावनी देते हैं, जो पृथ्वी की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति एक अरबपति के झांसे में आ जाते हैं, जो यह दावा करता है कि उस आकाशीय पिंड में खरबों डॉलर के दुर्लभ तत्व हैं। आखिरकार, धूमकेतु पृथ्वी से टकराता है, जिससे एक वैश्विक आपदा बनती है।

काश! फिल्म ने प्राकृतिक संसाधनों की लूट के भयानक परिणामों के बारे में संज्ञान लिया होता, जैसा कि उत्तर भारत के 'हरे फेफड़े' पुकारी जाने वाली और पर्यावरण सुरक्षा के लिए अति संवेदनशील किंतु क्षतिग्रस्त की जा चुकी अरावली पर्वत श्रृंखला की प्रस्तावित 100 मीटर की परिभाषा से साफ था तो फिल्म का शीर्षक 'डोंट लुक अप, लुक डाउन' होता। यह वही है, जिसकी चेतावनी महात्मा गांधी ने यह कहकर दी थी, 'दुनिया में हर किसी की ज़रूरत के लिए काफी है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं।'

कई साल पहले, मैं हिमाचल के बिलासपुर जिले में गोविंद सागर जलाशय के ऊपर हिमालय की नाज़ुक पहाड़ियों में चूना पत्थर की खुदाई पर रिपोर्टिंग करने गया था। एक सीमेंट कंपनी धीरे-धीरे, परत-दर-परत, चूना पत्थर वाली पहाड़ी को खुरच रही थी। जब मैंने कंपनी के महाप्रबंधक से पूछा कि क्या उन्हें अहसास है कि पहाड़ी को समतल करने से गंभीर पारिस्थितिक नुकसान होगा, तो उनके जवाब में आमतौर पर हावी मानसिकता झलक रही थी, 'जब पहाड़ी ही नहीं रहेगी तो आप किस पारिस्थितिक नुकसान की बात कर रहे हैं?' हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर आधारित सभी विकास गतिविधियां बंद कर देनी चाहिए। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि मुख्य आवश्यक तत्वों के अत्यधिक खनन के गंभीर पर्यावरणीय परिणाम होते हैं और इसके लिए सख्त नियमों के अलावा प्रकृति द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के आर्थिक मूल्यांकन की भी जरूरत है। इसके सामाजिक प्रभाव भी होते हैं, जिनके लिए कोई माप-सूत्र मौजूद नहीं है। ऐसे में, अगर नीति निर्माताओं को गलती करनी भी पड़े, तो उन्हें लोगों और पर्यावरण के हित में गलती करनी चाहिए। इसी तरह, जब हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे, तब एक ऐसा कथानक गढ़ने की कोशिश की गई जो उन दावों को चुनौती दे रहा था, जिसमें इस घटनाक्रम को जलवायु आपदा बताया गया था। शुक्र है कि अब दुनिया पिघलते ग्लेशियरों के विनाशकारी परिणामों के प्रति जाग गई है। दुनिया पहले ही ग्लोबल बॉइलिंग स्टेज में प्रवेश कर चुकी है। इसका मतलब है पहाड़ियों और जंगलों का अंधाधुंध दोहन, जो दुनिया को सिर्फ जलवायु आपदा की ओर धकेलेगा।

चार राज्यों—गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 37 जिलों में 1.44 लाख वर्ग किमी में फैली अरावली पहाड़ियों में सीसा, जस्ता, चांदी, तांबा और बेशक, संगमरमर जैसे मुख्य खनिजों का भरपूर भंडार है। इसके अलावा, ये पहाड़ियां लिथियम, निकेल, मोलिब्डेनम, नाइओबियम और टिन जैसे जरूरी खनिजों से भी भरपूर हैं। जैसे 'डोंट लुक अप' में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह विश्वास दिलाया गया था कि धूमकेतु की आर्थिक संपत्ति बहुत ज्यादा दौलत लाएगी, वैसे ही यह माना जा रहा है कि अरावली में मौजूद खनिज देश के आर्थिक विकास के लिए ज़रूरी हैं। अगर ऐसा है, तो मुझे नहीं पता कि इतने बड़े पैमाने पर 'सेव अरावली' विरोध प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं। क्या लोग खनिज संपदा की आर्थिक कीमत नहीं समझते, जिसे किसी भी कीमत पर निकालना जरूरी है?

एक अरब साल से भी ज्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं; ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है। निःसंदेह, अरावली की पहाड़ियां महज रणनीतिक खनिजों के लिए एक प्राकृतिक भंडार नहीं हैं; वे बड़े पैमाने पर पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं भी प्रदान करती हैं। प्रकृति प्रदत्त इन पारिस्थितिक और पर्यावरणीय सेवाओं की वास्तविक आर्थिक लागत का पता नहीं लगाया गया है। एक बार जब यह मोल पता चल जाएगा, तो राष्ट्र को पहाड़ियों को बरकरार रखने की आर्थिक आवश्यकता का अहसास होगा, भले ही खनिजों को निकालने की आर्थिक लागत पर ज्यादा जोर दिया जाता है।

-लेखक कृषि एवं खाद्य संबंधी विषयों के विशेषज्ञ हैं।

नया साल विशेष

हमें अपने भीतर झांकने और संबंधों को पुनर्समीक्षित करने का अवसर प्रदान करता है नववर्ष

2026 : उम्मीद, परंपरा और वैश्विक एकता का उत्सव

कमलाकर सिंह

नया वर्ष मानव जीवन में केवल तारीख़ बदलने की घटना भर नहीं, बल्कि भावनाओं, आकांक्षाओं और आत्मचिंतन का एक अद्भुत अवसर है। जैसे ही 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँचता है और 2026 की सुबह दस्तक देती है, पूरा विश्व एक अदृश्य से धागे से जुड़ जाता है—उम्मीद, नवीनीकरण और नई शुरुआत की उस साझा अनुभूति से, जो मानव सभ्यता के साथ सदियों से चली आ रही है। प्राचीन मेसोपोटामिया, मिस्र और बेबीलोन की सभ्यताओं से लेकर आधुनिक विश्व तक, नववर्ष की भावना हमेशा परिवर्तन, पुनर्जन्म और आत्ममंथन का प्रतीक रही है। आज का वैश्विक समाज चाहे जितना आधुनिक और तकनीक-संचालित क्यों न हो गया हो, नया वर्ष अब भी पहले की तरह आत्मीय और भावनात्मक अवसर बना हुआ है, जहाँ व्यक्ति अपने जीवन, संबंधों और सपनों को नए सिरे से देखने की कोशिश करता है।

साल 2026 कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। यह वर्ष अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा के 250 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और मानव स्वतंत्रता की यात्रा को याद करने का अवसर देता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किया है, ताकि कृषि प्रणाली में महिलाओं की भूमिका, चुनौतियों और योगदान को वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनाया जा सके। वहीं, चंद्र कैलेंडर के अनुसार 2026 'घोड़े का वर्ष' है—जो ऊर्जा, प्रगति और उत्साह का प्रतीक माना जाता है। इन संदर्भों के कारण यह वर्ष केवल उत्सव का नहीं, बल्कि विचार और सरोकार का भी वर्ष बन जाता है।

दुनिया भर में नए साल का जश्न अनेक रूपों में दिखता है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पाँच दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जगमगाती रहती है। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में '2026' के प्रकाशित अंकों के साथ लोग उत्साहपूर्वक तस्वीरें खिंचवाते हैं। दुबई, मियामी और अन्य शहरों में संगीत, प्रकाश, आतिशबाज़ी और आधुनिक तकनीक से सजे भव्य समारोह यह दिखाते हैं कि उत्सव भी समय के साथ बदलते और आधुनिक होते जाते हैं। कुछ शहरों में सुरक्षा कारणों से बड़े आयोजनों को सीमित करने के निर्णय भी लिए जा रहे हैं, जो बदलते वैश्विक यथार्थ व जिम्मेदारी-बोध की ओर संकेत करते हैं।

सांस्कृतिक विविधता इस अवसर का सबसे सुंदर पक्ष है। जापान में लोग मंदिरों में जाकर शांति और सौभाग्य की कामना करते हैं। चीन और कोरिया में चंद्र नववर्ष पारिवारिक मिलन, पारंपरिक नृत्य और शुभ सजावट के साथ मनाया जाता है। स्पेन में आधी रात को बारह अंगूर खाना आगामी महीनों के सौभाग्य का प्रतीक है। ब्राज़ील में समुद्र तटों पर सामूहिक जश्न, फ्रांस में शैंपेन दावत, फिलीपींस में गोल फलों की थाली, डेनमार्क में पुराने बर्तन तोड़ना और इटली में लाल रंग पहनना—ये सब अपने-अपने समाज की मान्यताओं और परंपराओं को व्यक्त करते हैं।

भारत इस दृष्टि से अद्भुत देश है, जहाँ नववर्ष केवल 1 जनवरी ही नहीं, बल्कि विभिन्न तिथियों पर भी मनाया जाता है। उगादी, गुड़ी पड़वा, बैसाखी, बिहू, नवरेह, पोहेला बोइशाख, पुथंडू और विशु जैसे पर्व ऋतु-परिवर्तन, कृषि-चक्र और सामाजिक जीवन की निरंतरता का प्रतीक हैं। यह विविधता भारतीय संस्कृति की समृद्धि और सामाजिक बहुलता का सजीव प्रमाण है, जहाँ अलग-अलग परंपराएँ होते हुए भी उत्सव की भावना एक-सी बनी रहती है।

नए साल का एक महत्वपूर्ण पक्ष 'नवसंकल्प' भी है। सांस्कृतिक विश्लेषकों के अनुसार 2026 को 'संयमित आशावाद' का वर्ष माना जा रहा है—अर्थात आशा के साथ-साथ यथार्थ-बोध और ज़िम्मेदारी का संतुलन भी। यह प्रवृत्ति हमारे समय की आवश्यकता भी है, जहाँ चुनौतियाँ मौजूद हैं, फिर भी उनके बीच आगे बढ़ने का साहस मानव जीवन को अर्थ देता है। इसीलिए कई देशों में यह विश्वास भी है कि वर्ष का आरंभ जैसा होगा, आगे की यात्रा भी उसी दिशा में आगे बढ़ेगी। शुभ भोजन बनाना, पूजा-अर्चना करना, परिवार के साथ समय बिताना, समुद्र तटों और सार्वजनिक स्थलों पर एक साथ जुटना—ये सब उसी सकारात्मक शुरुआत का प्रतीक हैं।

2026 में देश-दुनिया में कई विशेष आयोजन भी होने जा रहे हैं—नई तकनीक से प्रेरित थीम पार्टियाँ, बड़े संगीत समारोह, खेल आयोजनों में बदलाव और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मृतियाँ। यह दर्शाता है कि आधुनिक समाज परंपरा और नवाचार दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। फिर भी सबसे महत्तवपूर्ण प्रश्न मनुष्य के भीतर ही जन्म लेता है—यह नया साल मेरे लिए क्या अर्थ रखता है? शायद इसका उत्तर बहुत सरल है—नया साल हमें अपने भीतर झाँकने, संबंधों को पुनर्समीक्षित करने, अपने सपनों को दिशा देने व समाज के प्रति अपनी भूमिका समझने का अवसर देता है। यह केवल जश्न नहीं, बल्कि आत्मजागरण का भी क्षण है।

इस प्रकार नया साल केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव-आत्मा के भीतर जलती उस दीपशिखा का प्रतीक है, जो हमें आगे बढ़ने, बेहतर बनने और दुनिया को थोड़ा-सा और मानवीय बनाने की प्रेरणा देती है। इसलिए जब आप 2026 का स्वागत करें, तो केवल तारीख़ न बदलें— अपने भीतर की आशा, संवेदना और सकारात्मकता को भी फिर से जगाएँ। यही नए वर्ष का वास्तविक अर्थ है—परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम, वैश्विक एकता का उत्सव, और भविष्य की ओर बढ़ता एक आशावादी कदम।

-लेखक पूर्व कुलपति भोपाल

जीवन दर्शन

हर सूर्योदय नया अध्याय लिखने का निमंत्रण

हर सूर्योदय आपके लिए नया अध्याय लिखने का निमंत्रण है। इस जोश के साथ शुरुआत करें कि गलतियां, अफसोस और बाधाएं नए अवसरों को रोक न पाएं। जीवन कई बार हमें ऊंच-नीच, विफलता, कठिनाइयां और मानो अंत-सा अनुभव कराता है। ऐसे में अक्सर हमारे मन में यह सवाल उठता है कि क्या असफलताओं के बाद जीवन फिर से शुरू हो सकता है? दरअसल, जिसे हम शुरुआत कहते हैं, वह अक्सर अंत होता है, और अंत करना ही एक नई शुरुआत करना है। यही अंत वह स्थान है, जहां से हम फिर शुरुआत करते हैं। इसका अर्थ यह है कि कोई भी अनुभव-चाहे वह कठिनाई, विफलता या दिल टूटने का क्षण हो-आखिरकार एक अंत की तरह प्रतीत होता है, लेकिन असल में वह नई सीख और आगे बढ़ने का अवसर भी है। अंत तब तक पूरा नहीं होता, जब तक हम सीखना और उसे अपनाना नहीं सीख लेते। इसलिए डरने के बजाय अंत को ही शुरुआत बनाएं।

हर सूर्योदय आपके लिए नया अध्याय लिखने का निमंत्रण है। इस जोश से शुरुआत करें कि पुरानी गलतियां, अफसोस और बाधाएं नए अवसरों को रोक न पाएं। नई शुरुआत पुरानी जड़ों से जुड़कर ही सार्थक होती है। हर चुनौती के बाद आने वाला अगला क्षण आपके हाथ में एक नई शुरुआत की चाबी देता है। जब आप स्पष्ट रूप से यह महसूस करते हैं कि हर पल आपको नए सिरे से शुरुआत करने का मौका देता है, तो जीवन की निराशा कम होती है और उत्साह बढ़ता है।

आप हर सुबह अपने भीतर के डर को हराकर आगे बढ़ सकते हैं। पिछले साल के शब्द पिछले साल की भाषा का हिस्सा हैं, और अगले साल के शब्द किसी नई आवाज का इंतजार कर रहे हैं। इसका मतलब है कि भूतकाल को उसी में रहने दें, और भविष्य के लिए अपनी आवाज खुद बनाएं। नई आवाज, नई सोच और नई आशा ही आपको आगे बढ़ने की शक्ति देती है। नई शुरुआत आपको आत्मविश्वास देती है। यह याद दिलाती है कि गलतियां स्थायी नहीं हैं। यह आगे बढ़ने की ऊर्जा देती है, चाहे जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थिति क्यों न आए, यह समझाती है कि अंत भी एक शुरुआत है, बस उसे पहचानने का नजरिया चाहिए।

टी एस एलियट

॥गीता ज्ञान॥

श्लोक

अज्ञश्चाश्रद्दधानश्च संशयात्मा विनश्यति।
नायं लोकोऽस्ति न परो न सुखं संशयात्मनः॥

भावार्थ

विवेकहीन और श्रद्धारहित संशययुक्त मनुष्य परमार्थ से अवश्य भ्रष्ट हो जाता है । ऐसे संशययुक्त मनुष्य के लिए न यह लोक है, न परलोक है और न सुख ही है।

अब मोहन सरकार से संत नगर के लोगों को आस, मालिकाना हक की कर रहे हैं उम्मीद

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। भाजपा डा. मोहन यादव के नतृत्व का दो साल का कार्यकाल हर क्षेत्र में काफी सफल माना जा रहा है, खासतौर पर औद्योगिक क्षेत्र के अलावा निवेश के मामले में मध्यप्रदेश नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे में प्रदेश के सिंधी विस्थापितों में उम्मीद जगना भी स्वाभाविक है। 2003 में कांग्रेस को सत्ता से उखाड़कर भाजपा ने प्रदेश की बागडोर संभाली इस दौरान सर्वाधिक समय तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चैहान के कार्यकाल के अलावा पिछली कांग्रेस सरकार में भी भारत विभाजन के दौरान पश्चिमी पाकिस्तान से आए सिंधी विस्थापित परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक देने संबंधी आदेश निर्देश तो ढेर सारे जारी हुए तथा घोषणाएं भी की गई, लेकिन मालिकाना हक से फिर भी प्रदेश का सिंधी समाज वंचित है। इसी बीच दो साल पूर्ण करने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से तीसरे साल के अलावा नए वर्ष 2026 में सिंधियों को अपनी प्रापर्टी के मालिकाना हक एवं लीज नवीनीकरण की अपेक्षा है।

ये हैं सरकारी आदेश

अगर सिंधियों को उनकी प्रापर्टी के मालिकाना हक पर एक नजर डाली जाए तो पता लतचा है कि राजस्व विभाग के 9 जुलाई 1986 को समस्त कलेक्टरों को जारी परिपत्र क्रमांक एफ 6-115/आठ(9)77 में स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि भारत पाकिस्तान विभाजन के फलस्वरूप पश्चिमी पाकिस्तान से आए विस्थापित परिवारों के व्यवस्थापन के संबंध में राजस्व पुस्तक परिपत्र 4-1 की कंडिका 27 के अनुरूप भूमिक व्यवस्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है इसके अन्तर्गत अतिक्रमण विस्थापित हो, उसकी अन्यत्र कहीं भी दुकान या मकान के लिए प्रश्नाधीन कब्जे केदिन भूमि न हो। विस्थापितों को 4800 वर्गफुट तक की भूमि के लिए प्रब्याजि रूपये 500 तथा वार्षिक भू-भाटक 31.25 रूपये वसूल किया जाए। वार्षिक भू-भाटक 31 दिसम्बर 1970 के बाद वसूल किया जाए और 4800 वर्गफुट से अधिक अतिक्रमिक भूमि के लिए नियमानुसार प्रचलित दर पर प्रब्याजि एवं भू- भाटक का निर्धारण किया जाए। परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह लाभ केवल उन्हीं विस्थापितों को दिया जाए जिनका अतिक्रमण 31 दिसम्बर 1976 या उसके पूर्व का हो।

उल्लेखनीय है कि पश्चिमी पाकिस्तान से आने वाले प्रदेश में जहां कहीं भी सिंधी विस्थापित निवास कर रहे हैं, उनका कब्जा 1976 के पूर्व का ही है। परिपत्र में राजस्व विभाग ने समस्त कलेक्टरों को यह भी निर्देशित किया है कि जो मामले पूर्व में निपट चुके हैं, उनमें भी इन आदेशों के आधार पर कोई परिवर्तन नहीं होगा। राजस्व विभाग ने 18 एवं 24 फरवरी 1994 के निर्देशों में यह भी स्पष्ट करते हुए निर्देशित किया है कि विस्थापितों के लिए सुरक्षित/नियम बसाहटों/कालोनियों में स्थाई पट्टा मूल आवंटिती अथवा उस वर्तमान कब्जेदार के नाम दिया जाए जो उसका कोई वैद्य अंतरण प्रस्तुत कर सके चाहे वह विरासत से हो अथवा वैद्य अंतरण से। इतना ही नहीं राजस्व विभाग ने यह भी निर्देशित किया है कि जहां प्लाट के मूल प्रयोजन में परिवर्तन कर लिया गया है, उस स्थिति में स्थाई पट्टा वर्तमान प्रयोजन के लिए दिया जाए और उसके लिए प्रब्याजि एवं भू-भाटक तदनुसार वर्तमान प्रयोजन के लिए ही नियत किया जाए। समय समय पर राजस्व एवं पुर्नवास विभाग के आदेषों व निर्देशों पर अमल करने के बजाय बाद के आदेषों में पुराने निर्देषों को अधिक्रमित करने से समस्या का आज तक समाधान नहीं हो सका है और सिंधी विस्थापित आजादी के 78 साल बाद भी अपनी प्रापर्टी के मालिकाना हक एवं नामांतरण के लिए नई पीढ़ी कलेक्टर कार्यालय के चक्कर काट रही है। सिंधी बाहुल्य संत हिरदाराम नगर एवं गांधीनगर के लगभग 3000 प्रकरण कलेक्टर कार्यालय में दशकों से लंबित हैं। हालांकि सिंधी बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर में सिंधियों के मकान तो पक्के हैं, और कई ऊंची इमारतें भी दिखती हैं लेकिन उनका के मालिकाना हक के कागज सरकार नहीं दे पाई है। इसी तरह वन ट्री हिल्स के 500 सिंधी विस्थापित भूखण्डधारियों की लीज 2018 में खत्म हो गई है, जिसका नवीनीकरण नहीं होने से विस्थापित परिवार परेशान हैं।

सिंधियों के मकान तो आलीशान पर पट्टे नहीं, आदेशों पर अमल की जरूरत

"वन ट्री हिल्स के भूखण्डों की लीज 2018 में खत्म हो चुकी है, वहां निवास करने वाले प्रत्येक सिंधी विस्थापित परिवार को पृथक पृथक लीज नवीनीकरण करके देना चाहिए।

- कन्हैयालाल इसरानी, संयोजक सिंधी सेन्ट्रल पंचायत

"हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव अत्यंत ही सवंदेनशील हैं, और वे हर समाज के उत्थान के लिए प्रतिबध हैं, निश्चित रूप से सिंधी विस्थापितों को प्रापर्टी के मालिकाना हक के लिए उचित कदम उठाएंगे।

- प्रकाश मीरचंदानी, संयोजक, अखिला भारत सिंधी समाज

रायसेन पुलिस का नवाचार

भारी वाहन चालकों का दृष्टि दोष सुधार रही मंडीदीप की पुलिस

मंडीदीप। बुधवार शाम औद्योगिक नगर मंडीदीप में हाईवे पर एक अजब नजारा दिखाई दिया। अक्सर वाहन चेकिंग के लिए सड़क पर उतरने वाली पुलिस वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही थी । पुलिस विभाग ने भारी वाहन चालकों के लिए निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया था जहां वाहनों को रोककर ड्राइवर और क्लीनर का नेत्र परीक्षण किया जा रहा था वहीं दूसरी तरफ निशुल्क चश्मा भी प्रदान किया जा रहा था। यह सब हो रहा था रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के एक नवाचार के चलते जो इन दिनों काफी वायरल हो रहा है। वाहन चालकों के लिए लगाए गए इस निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में मंडीदीप और सतलापुर के थाना प्रभारी मुख्य रूप से वाहन को रोक कर ड्राइवर और क्लीनर के आंखों की जांच के निर्देश देते दिखाई दे रहे थे । जिले में ये पहला ऐसा शिविर था जिसमें पुलिस द्वारा वाहन चालकों के नेत्र परीक्षण की व्यवस्था की गई। उल्लेखनीय है कि ठंड में कोहरा होने की वजह से सड़क में एक्सीडेंट के आंकड़ों में आए दिन बढ़ोत्तरी हो रही है जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक रायसेन ने एक नवाचार प्रयोग कर ड्राइवरों को संदेश दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रकाश नेत्रालय भोपाल के जाने माने नेत्र जांच की टीम द्वारा परीक्षण किया जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों की आंखों का परीक्षण किया गया। वही पुलिस विभाग के एसडीओपी बाड़ी नीलम चौधरी सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी, मंडीदीप रंजीत सराठे , नूरगंज प्रभारी तेजपाल सिंह समेत दोनों थानों का स्टाफ मौजूद रहा।

"अगर भारी वाहन चालक की दृष्टि सही नहीं होगी तो दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ जाती हैं वहीं इन चालकों को नेत्रों का उपचार करने के लिए समय भी नहीं मिल पाता इसी को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देश में यह शिविर आयोजित किया गया ।

- विजय त्रिपाठी, थाना प्रभारी सतलापुर

किसान कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष सूरजमल गौर का गर्मजोशी से स्वागत

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। ग्रामीण परिवेश के जुझारू कांग्रेसी कार्यकर्ता सूरजमल गौर को किसान कांग्रेस का ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया गया उनकी नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ओर किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान की सहमति से की गई ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद नगर आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तूफान सिंह राजपूत महेश जैन पूर्व ब्लाक अध्यक्ष ईमरत दरबार विनोद इरपाचे संजय सिंह चौहान द्वारका पटेल साधु गौर जीतू नागर प्रमोद सेन महेंद्र सिंह धाकड़ कमलेश लोधी संतोष सेन तामोट सुभाष नेमा राजेश खटीक परेश नागर रेवाशंकर राय राजू मेहरा हरपाल राजपूत कमलेश यादव पामेश यादव बबल शर्मा मुकेश तिवारी तामोट हरजीत सिंह मंगू नंदकिशोर नागर दुर्गेश यादव,सुनील जाटव, सोरभ खरे ने बधाई दी।

दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में मप्र का सशक्त अभियान, 20 लाख ली. करने का संकल्प

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत खजुरिया रामदास में पहुंची पशुपालन की टीम

बैरसिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी संकल्प के अनुरूप प्रदेश में दैनिक दुग्ध उत्पादन क्षमता को वर्तमान 9.00 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर आगामी तीन वर्षों में 20 लाख लीटर प्रतिदिन तक ले जाने की दिशा में मध्यप्रदेश शासन का पशुपालन एवं डेयरी विभाग लगातार ठोस और अभिनव प्रयास कर रहा है। प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी उमाकांत उमराव के निर्देशन में विभाग द्वारा इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेशव्यापी दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ अभिजीत शुक्ला ने बताया है कि अभियान का प्रथम चरण 02 अक्टूबर से 09 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें 10 या उससे अधिक दुधारू पशु रखने वाले पशुपालकों से पशुपालन विभाग के प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं द्वारा गृह-भेंट कर प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया गया। अभियान का द्वितीय चरण 17 दिसम्बर 2025 से प्रारंभ हुआ है, जिसे विभिन्न जिलों में 10 से 15 दिवस की अवधि में पूर्ण किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों द्वारा अपनाए जा रहे पारंपरिक पशुपालन तरीकों में वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक आंशिक सुधार कर दुग्ध उत्पादन व्यवसाय की लाभप्रदता में गुणात्मक वृद्धि करना है। इसके अंतर्गत गृह-भेंट के माध्यम से पशुपालकों को नस्ल सुधार, संतुलित पशुपोषण तथा पशु स्वास्थ्य से जुड़ी आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही साथ बुधवार को उपसंचालक डॉ अभिजीत शुक्ला ने डॉ भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना अंतर्गत ग्राम कलारा के कपिल शर्मा ग्राम ,श्रीमती रितु भार्गव ग्राम इजगिरी, लक्ष्मी जाट ग्राम सागोनी जोरा, वीरेंद्र सिंह ग्राम कचनारिया के प्रकरणों में भूमि का भौतिक सत्यापन किया। इसी क्रम में दूध समृद्धि संपर्क अभियान के भौतिक सत्यापन पर ग्राम प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत खजुरिया रामदास में बैरसिया जनपद पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आशुतोष शर्मा बैरसिया उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग भोपाल डॉ अभिजीत शुक्ला तथा पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता धमिजा उपसंचालक कार्यालय से डॉ विक्रम सिंह राजपूत, पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी विकासखंड बैरसिया डॉ दिनेश कुमार साहू प्रभारी पशु चिकित्सालय बैरसिया शिल्पी मटोल, , मैथिली कार्यकर्ता ललित दांगी द्वारा तहसील बैरसिया, जिला भोपाल में पशुपालकों के घर जाकर 05 से 09 पशुधन का अवलोकन किया गया। इस दौरान पशुपालकों से पशुपालन में होने वाले व्यय एवं आय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा पशु प्रजनन, पशुपोषण एवं पशु स्वास्थ्य की तकनीकों में आवश्यक सुधार अपनाकर किस प्रकार लाभप्रदता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है, इस पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया। ग्राम के सभी पशुपालक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

15 दिन की बच्ची का वजन घटने पर अस्पताल पहुंचाया

बैरसिया। ग्राम आकिया में 17 दिसंबर को जन्मी बच्ची के लगातार कम होते वजन को देखते हुए आशा कार्यकर्ता ने बच्ची को समय पर अस्पताल पहुंचा कर इलाज करवाया गया । इलाज के बाद वजन और स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है। जन्म के समय बच्ची का वजन 2.5 किलो ग्राम था । जो कि अगले 10 दिनों में कम होकर 1.7 किलोग्राम रह गया था। बच्चे की इस स्थिति के बावजूद परिजन झाड़ फूंक से इलाज करवाने पर अड़े थे। गृह आधारित शिशु स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत गांव की आशा कार्यकर्ता सुमन लोवंशी द्वारा घर जाकर मां और बच्चे के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही थी। गृह भेंट के दौरान आशा कार्यकर्ता ने जन्म के सातवें दिन बच्चे का वजन 2.10 किलोग्राम पाया गया। इस पर आशा कार्यकर्ता द्वारा मां को स्तनपान परामर्श दिया गया। तीन दिन बाद आशा कार्यकर्ता फिर से हितग्राही के घर पहुंची तो उसका वजन निरंतर गिरता हुआ पाया गया और इस बार वजन 1.7 किलोग्राम था। जिसको आशा कार्यकर्ता ने गंभीरता से लिया और हितग्राही को अस्पताल चलने के लिए कहा। लगातार कम होते वजन के बावजूद परिवारजन झाड़ फूंक से इलाज करवाने की बात करते रहे। आशा कार्यकर्ता इस बात को समझ चुकी थी कि बच्चे का लगातार वजन कम होना किसी गंभीर स्थिति का कारण भी हो सकता है उसने तुरंत आशा सुपरवाइजर को इसकी सूचना दी। जब दोनों के प्रयास करने के बावजूद परिवारजन अस्पताल जाने के लिए राजी नहीं हुई तब सीएमएचओ कार्यालय के निर्देश पर ब्लॉक स्तरीय टीम एक्टिव हुई और 26 दिसम्बर को बच्ची को 108 एंबुलेंस से कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां पर चिकित्सकों द्वारा बच्ची के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है । बच्ची के वजन और स्वास्थ्य की स्थिति में निरंतर सुधार भी हो रहा है।

SUDOKU 105

5		2		7	1			
1			3	9			4	
	6							
		7	6	1				9
	8			5			2	
9				2	8	7		
							1	
	5			3	9			8
			1	8		9		7

SOLUTIONS 104

3	4	8	2	6	5	7	1	9
5	1	2	8	7	9	3	4	6
6	7	9	1	4	3	2	5	8
4	2	1	6	3	7	9	8	5
7	3	5	9	8	1	6	2	4
8	9	6	4	5	2	1	7	3
1	6	3	5	2	4	8	9	7
9	5	7	3	1	8	4	6	2
2	8	4	7	9	6	5	3	1

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज घर में खुशियों का माहौल रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने के अवसर मिलेंगे और रिश्तों में अपनापन बढ़ेगा। धन से जुड़े मामलों में मजबूती आएगी।

वृष : आज नए अंदाज से काम करेंगे। रचनात्मक सोच और नवाचार से करियर व व्यापार में पहचान बनेगी। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन : आज धैर्य से काम लेना होगा। रिश्तों में संतुलन बनाए रखें और लेनदेन में स्पष्टता रखें। जल्दबाजी और अहंकार नुकसान पहुंचा सकता है।

कर्क : आज आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। कामकाज में गति आएगी और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। नए कार्यों में रुचि बढ़ेगी और सकारात्मक परिणाम उत्साह बढ़ाएंगे।

सिंह : आज प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। नेतृत्व क्षमता उभरेगी और करियर में मजबूती आएगी। जोखिम लेने की सोच रहेगी, लेकिन निर्णय सोच-समझकर लें।

कन्या : आज भाग्य का साथ मिलेगा। करियर और व्यापार में वृद्धि के योग हैं। आज कर्ज से मुक्ति मिलेगी। कार्यों का स्ट्रेस बढ़ेगा।

तुला : पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। जोखिम से बचें और खान-पान में सात्विकता रखें। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक : आज टीमवर्क और साझेदारी से आगे बढ़ेंगे। करियर में तेजी आएगी और दांपत्य जीवन में शुभता रहेगी। आज जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव होंगे। व्यापार में उन्नति मिल सकती है।

धनु : आज नियमितता और मेहनत से सफलता मिलेगी। खर्च और निवेश पर नियंत्रण रखें। नौकरी और व्यापार दोनों में स्थिर प्रगति रहेगी।

मकर : आज दोस्तों और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कला, शिक्षा और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन होगा। आर्थिकपक्ष मजबूत होगा।

कुंभ : घर में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। संतान और परिवार से खुशी मिलेगी। करियर में अधिकारी सहयोग करेंगे और नए अवसर बनेंगे।

मीन : आज के दिन सामाजिक गतिविधियां और संवाद मजबूत रहेंगे। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज पुराने इनवेस्टमेंट से अच्छा रिटर्न मिलेगा।

आज का पंचांग: 01 जनवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** प्रदोष व्रत। **विशेष :** कैलेंडर वर्ष 2026 प्रारंभ। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु पौष मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी 22 घंटे 23 मिनट तक, तत्पश्चात चतुर्दशी रोहिणी नक्षत्र 22 घंटे 49 मिनट तक, तत्पश्चात मृगशिरा नक्षत्र शुभ योग 17 घंटे 13 तक, तत्पश्चात शुक्ल योग वृष में चंद्रमा।

एलवीएस ग्रुप ऑफ स्कूल का रंगारंग वार्षिक समारोह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ उमावि एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल, एलवीएस प्ले ग्रुप स्कूल एवं वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूल गांधीनगर में 30वां वार्षिक समारोह किया गया। मुख्य अतिथि रामेश्वर शर्मा विधायक हुजूर क्षेत्र थे। अध्यक्षता महापौर मालती राय ने की जबकि डीईओ एनके अहिरवार विशेष अतिथि थे। आंरभ में ग्रुप के सचिव रमेश हिंगोरानी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद मंच पर मौजूद अतिथियों का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस मौके पर सिद्ध भाऊ ने कहा कि यहां पढ़ाई के साथ-साथ सभी गुणों को सिखाया जाता है, इसीलिए यहां के बच्चे हर वर्ष अच्छा रिजल्ट लाकर सीएम से लैपटाप की राशि प्राप्त करते हैं चूंकि पढ़ाई ही हमें समाज में सम्मान दिलाती है इसीलिए टाईम टेबल बनाकर पढ़ाई करें ताकि अच्छा रिजल्ट लाकर अपने विद्यालय और माता-पिता का नाम रोशन करें। यहां विधायक रामेश्वर शर्मा कहा इस विद्यालय में जो भी उपलब्धियां हैं वह परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी की कृपा से ही हैं।

महापौर, विधायक सिद्ध भाऊ सहित जुटे गणमान्य नागरिक

त्रुटिपूर्ण आयु निर्धारण के आधार पर की कर्मचारी की सेवानिवृत्ति

बैरसिया। जल संसाधन विभाग, उप-संभाग बैरसिया में कार्यरत एक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को कथित रूप से त्रुटिपूर्ण आयु निर्धारण के आधार पर समय से पूर्व सेवानिवृत्त करने का मामला सामने आया है। कर्मचारी टीकाराम कुशवाह को दिनांक 31 दिसंबर 2016 को यह कहते हुए सेवा से पृथक कर दिया कि उनकी आयु 62 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, जबकि उपलब्ध वैध दस्तावेज इस तथ्य की पुष्टि नहीं करते। कर्मचारी टीकाराम के पास उपलब्ध आधार कार्ड, पैन कार्ड, जिला चिकित्सालय भोपाल द्वारा जारी आयु प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेखों के अनुसार उनकी आयु उस समय 62 वर्ष नहीं बनती थी। यहाँ तक कि अधिकतम स्थिति में भी उनकी आयु लगभग 50 वर्ष के आसपास ही आंकी जा सकती है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि स्वयं जल संसाधन विभाग ने वर्ष 2016 में कर्मचारी के आयु प्रमाण पत्र की पुष्टि हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जयप्रकाश चिकित्सालय भोपाल को पत्र लिखा था। विभागीय पत्राचार में यह स्वीकार किया था कि आयु प्रमाण पत्र में मेडिकल बोर्ड परीक्षण की तिथि अंकित न होने के कारण पुष्टि आवश्यक है। इसके बावजूद, उक्त पुष्टि प्राप्त नहीं होने पर भी,उससे पूर्व ही सेवानिवृत्ति आदेश जारी कर दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि पुष्टि की प्रक्रिया लंबित रहते हुए कर्मचारी को सेवा से पृथक करना विभागीय नियमों का उल्लंघन है।

विभागीय प्रक्रिया पर उठे रहे सवाल

आम सूचना

मकान क्रमांक-323 (नगर निगम अनुसार न.-1110) स्थित गली न.-03,फूटी बावड़ी,भोपाल

मेरी पक्षकारा,कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड,भोपाल के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीरा वर्मा पत्नी श्री मनोज वर्मा निवासी-1208, पुष्पा नगर, फूटी बावड़ी, भोपाल (म.प्र.) ने उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं अधिपत्य का एक किता आवासीय सह-व्यवसायिक मकान क्र.-323 (नगर निगम अनुसार न.-1110) जिसके भूखंड का क्षेत्रफल 1056 वर्गफीट (681 वर्गफीट + 375 वर्गफीट) है जो खसरा क्र.-757/2 का अंश भाग है, जो गली न.-03, फूटी बावड़ी, भोपाल, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित को मेरी पक्षकारा बैंक के पक्ष में ऋण सुविधा प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन किया है। उपरोक्त भवन स्वामिनी ने व्यक्त किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेज विक्रय पत्र दिनांक 13.09.1985 जो पुस्तक क्र.-अ-1, ग्रन्थ क्र.-4320, दस्तावेज क्र.-2515 एवं 2516 एवं दिनांक 06.03.1985 जो पुस्तक क्र.-अ-1, ग्रन्थ क्र.-311, दस्तावेज क्र.-4472 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये है, जिसे मूल स्वामिनी ने कही भी ऋण/भार स्वरूप जमा/बंधक नही किया है। यदि उक्त विक्रय पत्र दिनांक 13.09.1985 एवं दिनांक 06.03.1985 किसी भी संस्था/बैंक के पास ऋण/भार स्वरूप जमा/बंधक हो तो, वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि के अंदर मुझे मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरी पक्षकारा पर बंधनकारी नहीं होगी और मेरी पक्षकारा उपरोक्त भूखंड एवं उस निर्मित मकान बंधक रखने हेतु अग्रिम कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र होगी।

भवदीय
सुरेश चौधरी अधिवक्ता
सुनील चौधरी
कार्या.-एम.02,लिबर्टी चेम्बर,प्लाट नं.-18,जोन-1 ज्योति टाकीज चौराहा,एम.पी.नगर,भोपाल
9303130659,9977995922

जाहिर सूचना

भूखंड क्र. 138 बी जो कि ख.क्र. 508/2/1/1/1/1/1/1 जिसका रकबा 1673 वर्गफीट अर्थात 155.48 वर्गमीटर भूमि है ,जो सिध्दि विनायक परिसर,ग्राम-नीलबड़,प.ह.नं. 33, रा.नि.मं. 03विकस खंड फंदा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) को क्रय करने के संबंध में,

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता श्री प्रेमानंद आत्मज श्री राधेलाल, आयु-वयस्क, निवासी -2497 राजीव नगर,नया बसेरा, कोटरा सुल्तानाबाद, भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य का भूखंड क्र. 138 बी जो कि खसरा क्र. 508/2/1/1/1/1/1/1 जिसका रकबा 1673 वर्गफीट अर्थात 155.48 वर्गमीटर भूमि है, जो सिध्दि विनायक परिसर, ग्राम-नीलबड़,प.ह.न. 33, रा.नि.मं. 03 विकस खंड-फंदा, तहसील हुजूर, जिला -भोपाल (म.प्र.) में स्थित है,। को क्रय करने हेतु पेटे बयाना/टोकन राशि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता को अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य दान, हिबा, हस्ताक्षरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरे पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने के संबंध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकारगण पर बंधन कारी नहीं होगी ।

भवदीय
रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

-:आम सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री रोशन वर्गिस आत्मज श्री वी. आई. वर्गिस वयस्क, निवासी मकान नं. 182/5, बी.डी.ए. रोड़, नियर एम. जी. एम. विधालय, हनुमान मंदिर के सामने, अवधपुरी, बरखडी, बी.एच.ई. एल. तहसील-हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की दुकान नं.-19, स्मिता टावर्स जो की प्लाट नं. बी-3, के भू-तल पर स्थित, पदमनाभ नगर, तहसील-हुजूर, जिला -भोपाल (म.प्र.), जिसका क्षेत्रफल 80.00 वर्गफिट, को क्रय करने का सोदा कर अनुबन्ध निष्पादित कर लिया है। अतः यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय/अर्धशासकीय/अशासकीय कार्यालय, बैंक, सोसायटी या अन्य किसी को भी इस विक्रय के सम्बंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या उक्त सम्पत्ति कही अन्य विक्रय, अनुबन्ध, दान, हिबा, या अन्य किसी प्रकार से अन्तरित हो अथवा बन्धक, मोर्टगेंज, बैंक ऋण की गांरटी, न्यायालयीन जमानत इत्यादि में लिप्त हो या भारित हो तो सम्बधित व्यक्ति या सस्था इस सूचना प्रकाशन से 07 दिनों के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय मूल दस्तावेजी साक्ष्यों के मेरे कार्यालय में कार्यालीन समय में प्रस्तुत करे। नियत समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त ना होने पर मेरे पक्षकार सम्पूर्ण विक्रय राशि अदा कर विक्रय पत्र का निष्पादन व पंजीयन करा लेगा। समयावधि पश्चात प्राप्त कोई भी आपत्ति शून्य एवं प्रभावहीन होगी।

नागेन्द्र बी.मुद्गल अधिवक्ता
मुद्गल लॉ चैम्बर
कार्या.-चैम्बर नंबर 216 उत्तमचंद इशरानी लॉयरस चैम्बर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट भोपाल के पीछे, अरेरा हिल्स भोपाल
मो.9826542019,07554945019

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार मेहताब उल हसन (एम. हसन) आत्मज श्री नजमूल हसन, आयु-वयस्क निवासी-21, हसन विला, सनराईज कॉलोनी, ईदगाह हिल्स, तहसील-हुजूर जिला- भोपाल मध्यप्रदेश के स्वत्व व स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखण्ड क्रमांक-55- एच, स्थित (राजदेव गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या.) ग्राम-गेहूंखेड़ा पटवारी हल्का नं.-38, रा.नि.म. 4. मिसरोद तहसील-हुजूर जिला-भोपाल जो भोपाल नगर निगम की सीमाओ के अन्दर भूमि खसरा क्रमांक- 42/2/1/1, 42/2/1/3, 42/2/1/1, 42/2/2/3, 42/2/2/3/1, 43/1/1, 43/1/2, 43/1/8. 68/47/1/1, 68/47/1/3 के अंशभाग पर स्थित है विक्रय करने के लिये बयाना राशि ले ली है। उक्त प्लाट को श्रीमती सुनीता चौरसिया पत्नी श्री राजेश चौरसिया, आयु-वयस्क निवासी पूनम लॉज के पीछे, मकान नं. 9 गली नं.-1 घोड़ा नक्कास तहसील-हुजूर जिला भोपाल को किया जा रहा है तथा बतौर टोकन राशि रूपये 5,00,000/- (रुपये पांच लाख मात्र) चैक के माध्यम से क्रेता महोदय द्वारा मेरे पक्षकार को दे दिया गया है। उक्त प्लाट के संबंध में किसी भी पक्षकार अथवा शासकीय अशासकीय संस्था बैंक अथवा किसी व्यक्ति द्वारा कोई राशि लेन देन है तो वह मेरे कार्यालय में कार्यालयीन समय में 07 दिवस के अंदर मय दस्तावेज लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि पश्चात उक्त प्लाट के संबंध में किसी भी प्रकार का किया गया लेन देन मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा। सर्वसाधारण सूचित हो।

लोकेश भास्कर अधिवक्ता
निवास म. नं. 5. शिवलोक, फेस-1, खजूरी कलां रोड पिपलानी, भोपाल म.प्र.
मो. -9827232978, 7697421262

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
पार्किंग शाखा

द्वितीय तल, मुख्यालय, आईएसबीटी, हबीबगंज, भोपाल
Email-parkingcell2015@gmail.com

क्र. 1188/पा.शा./2025 भोपाल दिनांक 30/12/2025

:: ई-निविदा आमंत्रण सूचना ::

नगर पालिक निगम, भोपाल **"नगर निगम भोपाल द्वारा विकसित प्रीमियम पार्किंग स्थलों के क्रियान्वयन, संचालन, संधारण एवं प्रबंधन हेतु सेवा प्रदाता का चयन हेतु ई- निविदा"** (E-TENDER For Selection of Service Provider for Implementation, Operation, Maintenance and Management Of Premium Parking Location Developed by Municipal Corporation Bhopal) के अंतर्गत आनलाईन ई-निविदा आमंत्रित करता है:-

क्र.	पार्किंग पैकेज क्र.	निविदा क्रमांक	पार्किंग प्रकार	न्यूनतम वार्षिक ऑफसेट राशि रु.	5% निक्षेप निधि (EMD) राशि रु.
1	BMCMPP05	2025_UAD_471513_1	प्रीमियम पार्किंग	3,15,000/-	15,750/-

निविदा से संबंधित समस्त जानकारी ई-निविदा पोर्टल www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा से संबंधित समस्त संशोधन (Corrigendum) ऑनलाइन टेंडर पोर्टल WWW.MPTENDERS.GOV.IN पर प्रकाशित किए जाएंगे तथा इस संबंध में किसी समाचार-पत्र में संशोधित विज्ञप्ति (Corrigendum) प्रकाशित नहीं की जाएगी।

उपायुक्त
नगर निगम भोपाल

नि.क्र. 2896/025/026

संक्षिप्त खबरें

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल। महिला एवं बाल विकास द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों की बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई, मानदेय आधारित एवं मानसेवी रिक्त पदों की पूर्ति के लिए पात्र महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2025 (फेज-2) के अंतर्गत की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र आवेदिकाएं स्क्कह्ठ्ठद्यद्बठ्ठ द्वारा विकसित चयन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 1,573 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 3,194 आंगनवाड़ी सहायिका पद, इस प्रकार कुल 4,767 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें दिसंबर 2025 तक के रिक्त पदों के साथ-साथ जनवरी 2026 से जून 2026 तक संभावित रिक्तियाँ भी सम्मिलित हैं। आवेदन की प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 10 जनवरी 2026 तक चलेगी। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे, ऑफलाइन आवेदनों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

फर्जी फैकल्टी मिली तो प्रिंसिपल होंगे जिम्मेदार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश समेत देशभर के 700 से ज्यादा आयुर्वेद, सिद्धा व यूनानी एएसयू मेडिकल कॉलेजों में फर्जी फैकल्टी पायी गई तो भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग सख्त कदम उठायेगा। इस संबंध में आयुष मंत्रालय नई दिल्ली के मेडिकल असिसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन एनसीआईएसएम के प्रेसीडेंट डॉ मुकुल पटेल ने देशभर के एएसयू मेडिकल कॉलेजों के समस्त प्रिंसिपल, एचओडी को पत्रादेश जारी कर दिया है। आयोग के पत्रानुसार फर्जी फैकल्टी पायी जाती है, तो प्रिंसिपल भी जिम्मेदार रहेगा। लंबे समय से आयोग के संज्ञान में आता रहा है कि आयुष कॉलेजों में फिजिकली अबसेंट पर ऑनपेपर प्रजेंट टीचिंग फैकल्टी व मेडिकल ऑफीसर्स रहते हैं, जिससे विद्यार्थियों का अध्ययन-अध्यापन प्रभावित होता है। आयोग ने तो यहां तक कह दिया है कि जितना भी एकेडमिक स्टॉफ संस्थान में कार्यरत है उनको ऑफीसियल नोटिस बोर्ड में डिस्प्ले करना होगा। प्रदेश में भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, बुरहानपुर, इंदौर, देवास के साथ विभिन्न स्थानों में आयुर्वेद के 39, यूनानी के 4 कॉलेज समेत देशभर में 700 से ज्यादा एएसयू मेडिकल कॉलेजों मे लगभग दो लाख छात्र अध्ययनरत हैं।

एमपी ऑनलाइन से करें सफारी के लिए बुकिंग

जागरण, भोपाल। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के टाइगर रिजर्व में सफारी टिकटों की बुकिंग केवल एमपी ऑनलाइन के माध्यम से ही अधिकृत है। इसके अलावा किसी भी निजी वेबसाइट, मोबाइल ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म को सफारी बुकिंग की अनुमति नहीं दी गई है। ऐसे किसी भी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा रही बुकिंग अवैध है। विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि वे धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहें। विभाग की अपील है कि यदि किसी पर्यटक ने इन अनधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सफारी बुक कराई है और वह धोखाधड़ी का शिकार हुआ है, इससे किसी प्रकार का नुकसान हुआ है अथवा बुकिंग संबंधी कोई अन्य शिकायत है, तो वह तत्काल संबंधित कार्यालय को इसकी सूचना दे। शिकायतों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिये राज्य साइबर पुलिस सेल को भेजा जाएगा। विभाग इस प्रकार की अनियमित और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के लिए तत्पर है।

रामनिवास पर सीताराम की नाराजगी, उपचुनाव में हार का असर

खींचतान जारी: मंत्री पद भी नहीं दिला पा रहा सम्मान, हारे हुए रावत हर जगह हो रहे आगे

जागरण, भोपाल। कांग्रेस से आए नेताओं को भाजपा भले ही अंतर्मन से स्वीकार कर सत्ता से संगठन तक रचाने-बसाने में जुटी है, लेकिन मैदान में खींचतान रुकने का नाम नहीं ले पा रही है। सागर में पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह और कांग्रेस से आए गोविंद सिंह राजपूत के बीच पटरी बैठाने में संगठन अभी सफल भी नहीं हो सका था कि अब श्योपुर से खींचतान सामने आ गई है। पार्टी के पुराने नेता सीताराम आदिवासी अभी तक पूर्व मंत्री रामनिवास रावत से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। अब तो सीताराम को रामनिवास के कारण अपनी ही पार्टी की सरकार में खुद को बेगाना मानने लगे हैं। अब जिले में ही तवज्जो न मिलने से उनकी पीड़ा और बढ़ गई है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए रामनिवास रावत को भाजपा ने वन मंत्री बनाने के बाद विजयपुर से उपचुनाव लड़ाया था, लेकिन वे हार गए। इसके चलते उनका मंत्री पद भी चला गया। मगर उनका रुतबा और रौब अभी भी हर जगह कायम है। सत्ता और संगठन में उन्हें भरपूर महत्व मिल रहा है। भाजपा के पुराने नेता मध्यप्रदेश सहरिया विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सीताराम आदिवासी पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। उनका यह दर्द नए साल की पूर्व संध्या पर सामने भी आ गया। सीताराम का कहना है कि मैं वर्तमान में मंत्री हूं। इसके बावजूद न तो बैठकों में बुलाया जा रहा और न ही कोई सम्मान दिया जा रहा है। जबकि रावत को हर स्तर पर तवज्जो मिल रही है। अपना दर्द मीडिया को दिखाते हुए सीताराम ने कहाकि हाल ही में जिले में हुई बैठक में उन्हें आमंत्रित तक नहीं किया गया। पिछली बैठक में वे पहुंच गए थे तो वहां भी उनका कोई सम्मान नहीं हुआ। सीताराम की तकलीफ यह है कि रामनिवास वर्तमान में न तो विधायक हैं और न सांसद। पार्टी में भी कोई पद नहीं है, बावजूद इसके मुख्यमंत्री, मंत्री, कमिश्नर कलेक्टर सभी उन्हीं को महत्व देते हैं। उनके बताए काम भी तत्काल होते हैं। मगर मैं आदिवासियों से जुड़े काम लेकर जाता हूं तो कोई ध्यान नहीं देता।

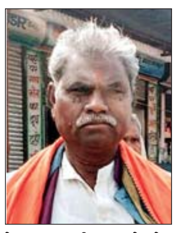

रामनिवास को बगल में बैठाते हैं कलेक्टर

सीताराम का दुख यह भी है कि बैठकों में कलेक्टर भी उनको सम्मान नहीं देते, लेकिन रामनिवास को बैठाया अपने बगल में बैठाते हैं। जबकि प्रोटोकॉल में मैं मंत्री होने नाते बड़ा हूं। जिला पंचायत अध्यक्ष और वर्तमान मंत्री को वह स्थान मिलना चाहिए था। हालत तो यह हो गई है कि प्रभारी मंत्री भी रावत को ही महत्व देते हैं। रामनिवास की हर बात सुनी जाती है। मुझ पर कोई ध्यान ही नहीं देता।

सांसद को रावत नहीं, मैंने जिताया

उपेक्षा से नाराज सीताराम यह कहने से नहीं चूके कि लोस चुनाव में पार्टी को रामनिवास ने नहीं, बल्कि उनके क्षेत्र के आदिवासियों ने जिताया है। रावत समाज के 10-15 हजार वोटों से चुनाव नहीं जीता जा सकता। जिले के आदिवासी मतदाताओं ने एकजुट होकर मतदान किया था। इसके बावजूद मुख्यमंत्री बार-बार रामनिवास को श्रेय दे रहे हैं।

आदिवासियों की भी उपेक्षा के आरोप

पूर्व विधायक सीताराम आदिवासी ने रघुनाथपुर और भमपुरा क्षेत्र का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि आदिवासी इलाकों में सोलर पंप और सोलर प्लांट के नाम पर आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है। सीताराम ने कहा कि जिन जमीनों पर सोलर प्लांट लगाने की कोशिश हो रही है, वहां आदिवासी वर्षों से खेती कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर आदिवासियों की जमीन पर ही क्यों परियोजनाएं थोपी जा रही हैं, क्या और कहीं जमीन नहीं है? सहरिया जनजाति के विकास की राशि भी कम होती जा रही है। इससे नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सत्ता-संगठन इसलिए नाराज

चंबल अंचल की विजयपुर, जौरा और बमोरी जैसी 10-15 विधानसभा सीटें आदिवासी वोटों से ही तय होती हैं। सीतारात क्षेत्र का बड़ा चेहरा रहे हैं, लेकिन जब सीताराम को टिकट नहीं दिया गया, तो आदिवासी नाराज हो गए और भाजपा यहां बुरी तरह हार गई। उपचुनाव में पार्टी ने रावत और सीताराम को बैठकार सामंजस्य बनाने की पुरजोर कोशिश की थी, लेकिन रावत की हार ठीकरा पूरी तरह से सीताराम के सिर फूटा। जबकि सीताराम का कहना है कि उन्होंने पूरी ताकत लगाई। मुख्यमंत्री ने भी लगातार दौरे किए। सीताराम इस हार को रावत के कर्म से जोड़ते हुए कहते हैं कि जिसके कर्म ही खराब हों, तो दूसरा क्या कर सकता है। उनके भाजपा में आने से जिले का माहौल ही बिगड़ गया है।

सागर में भी है खींचतान

इसी तरह की खींचतान सागर जिले में भी बनी हुई है। कांग्रेस से भाजपा में आए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और पूर्व मंत्री व खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह के बीच तनातनी कम नहीं हो पा रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने सागर दौरे के बीच दोनों को साथ बैठाया था। प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिश में जुटे हैं। वे भी मानते हैं इन दोनों के बीच की तनातनी पार्टी के लिए अच्छी नहीं है। यही स्थिति अब विजयपुर में बनने से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। मालवा और महाकौशल में भी पुराने भाजपा नेता व कार्यकर्ता अभी तक कांग्रेस से आए नेताओं को दिल से नहीं अपना सके हैं।

इंदौर में दूषित पानी से हुईं मौत के मामले में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भोपाल। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दो दिन पूर्व दूषित जल पीने से 8 नागरिकों की मृत्यु एवं 100 से अधिक लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की अत्यंत दुखद घटना के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी, भोपाल शहर द्वारा बरखेड़ा स्थित विजय मार्केट के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में प्रवीण सक्सेना, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, भोपाल शहर स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इंदौर में नगर निगम, महापौर, पार्षद एवं सांसद-सभी पदों पर भाजपा के जनप्रतिनिधि होने के बावजूद पेयजल एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह विफल रही है। प्रशासन द्वारा पीड़ितों के इलाज को निःशुल्क किए जाने की घोषणा के बावजूद दो दिन बीत जाने के बाद भी मरीजों और उनके परिजनों से इलाज के नाम पर पैसे वसूले जा रहे हैं, जो अत्यंत निंदनीय एवं अमानवीय है। सक्सेना ने कहा कि यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और जनस्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ का परिणाम है। कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई कराने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तक संघर्ष करती रहेगी। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व उप ब्लॉक अध्यक्ष दीपक गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रवीण सक्सेना, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, भोपाल शहर, पी.सी. शर्मा, जे.पी. धनोपिया, संतोष कंसाना, राजकुमार सिंह, टी.आर. गहलोत, सुशील प्रजापति, सतीश कनौजिया, ललित प्रजापति, जितेंद्र मिश्रा एवं मुजाहिद सिद्दीकी सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बीयू में आज से लगेगी सार्थक एप से हाजिरी, विरोध में उतरे कर्मचारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में गुरुवार से कुलसचिव से लेकर चपरासी तक सभी अधिकारी, कर्मचारी और प्रोफेसरों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज होगी। बुधवार को करीब पचास कर्मचारियों ने सार्थक एप से उपस्थिति लगाने का विरोध किया है। उनका कहना है कि वे एनरोएड मोबाइल नहीं चलाते हैं। वे सिर्फ कीपेड मोबाइल इस्तेमाल करते हैं। इससे वे उपस्थिति दर्ज नहीं करा पाएंगे। इस संबंध में कर्मचारियों ने कुलसचिव सिंह को आवेदन दिए हैं। बीयू के कुलगुरु कार्यालय स्थिति सभागार में कर्मचारियों को सार्थक एप से उपस्थिति लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। बायोटेक के इंर्फोमेशन आफिसर किशोर शेंडे, डॉ. दुर्गेश गुप्ता, ओम प्रकाश मिश्रा और राजू गोपे ने कर्मचारियों के मोबाइल नंबर से सार्थक एप पर लागिन कराया। उन्होंने प्रशिक्षण से उपस्थिति कैसे लगाई जाएगी और इसका उपयोग कैसे किया जाएगा संबंधि जानकारी दी। आनलाइन उपस्थिति लगाने के लिए नवनियुक्त कुलसचिव प्रो समर बहादुर सिंह आदेश जारी कर चुके हैं। आदेश के तहत विश्वविद्यालय के सभी विभागों को अपने 496 अधिकारियों और कर्मचारियों की विस्तृत जानकारी विवि प्रशासन को उपलब्ध करा दी गई। इसके तहत ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड कर दिया गया है। बुधवार से कर्मचारियों की जानकारी ऑनबोर्ड पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से दिखाई देने लरी है। इससे कार्यरत स्टाफ की उपस्थिति गुरुवार से दर्ज होगी।

वेतन के भुगतान में आएगी पारदर्शिता

सार्थक एप से उपस्थिति होने से वेतन भुगतान में पारदर्शिता आएगी और लंबे समय से चली आ रही लापरवाही पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। हालांकि उच्च शिक्षा विभाग की ओर से एक जुलाई से सार्थक एप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति को अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद कई उच्च शिक्षण संस्थान इस आदेश का पालन नहीं कर पा रहे हैं।

नई व्यवस्था में कार्यस्थल से गायब रहना मुश्किल

कई विभागों में कर्मचारियों की पूरी और अद्यतन जानकारी तक एकत्रित नहीं थी। अब डिजिटल और स्थान आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू होने से कार्यस्थल से गायब रहना संभव नहीं होगा। यही वजह है कि इस व्यवस्था को अब तक लागू होने से रोका जाता रहा। यह व्यवस्था मप्र शासन की नीति के तहत लागू की जा रही है, जिसका उद्देश्य शासकीय संस्थानों में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

100 मीटर का होगा उपस्थिति का दायरा

कुछ कर्मचारियों ने पहली बार लागिन कर कुलगुरु कार्यालय के बाहर से उपस्थिति लगा दी थी, लेकिन जब वह अपने विभाग में पहुंचे, तो उन्हें दोबारा से विभाग में पहुंचकर लागिन कराना पड़ा, ताकि उनकी उपस्थिति सही स्थान से लग सके। कर्मचारी अपने विभाग से 100 मीटर की दूसरी तक से उपस्थिति लगा सकता है। इससे बाहर होने पर उनकी उपस्थिति दर्ज नहीं की जाएगी।

अलर्टः नववर्ष की शुभकामनाओं के नाम पर हो सकती है ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नववर्ष की शुभकामनाओं के नाम पर आपके साथ ठगी हो सकती है। इसलिए सावधान रहें। इस संबंध में सायबर क्राइम ने एडवायजरी जारी की है। एडवायजरी के मुताबिक, जालसाज फर्जी शुभकामना लिंक हैप्पी न्यू ईयर कार्ड या वीडियो के नाम पर लिंक भेजकर मालवेयर इंस्टॉल करवा सकता है। फिशिंग ईमेल/मैसेज शुभकामना संदेशों में बैंक/यूपीआई लॉगिन पेज जैसी नकली साइटों के लिंक देकर ठगी कर सकता है। सोशल मीडिया स्कैम नववर्ष गिफ्ट या लकी ड्रॉ का लालच देकर व्यक्तिगत जानकारी लेकर धोखाधड़ी कर सकता है। व्हाट्सएप/एसएमएस धोखाधड़ी करने के लिए शुभकामना संदेशों के साथ नकली ऑफर या कूपन भेज सकता है।

सायबर क्राइम ने जारी की एडवायजरी

बचाव के उपाय

- किसी भी अज्ञात लिंक या अटैचमेंट पर क्लिक न करें।
- बैंक, यूपीआई या कार्ड की जानकारी कभी किसी के साथ साझा न करें।
- केवल आधिकारिक वेबसाइट/ऐप से ही ऑफर या गिफ्ट रिडीम करें।
- सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से बातचीत या जानकारी साझा करने से बचें।
- मोबाइल में एंटीवायरस और सुरक्षा अपडेट हमेशा चालू रखें।
- पब्लिक वाई-फाई पर लेन-देन न करें।
- फर्जी एपीपी या एपीके फाइल इंस्टॉल कर लिया है तो तत्काल ये करें-
- मोबाइल का इंटरनेट बंद करें।
- बैंक को सूचित करें और पासवर्ड बदलें।
- वाट्सएप पर लिंक डिवाइसेस की चेक कर अनजान डिवाइस को लॉग-आउट करें।
- नव वर्ष की खुशियों में सतर्कता भी शामिल करें।

शहर के साथ गांव-गांव में मिलेगी सुगम परिवहन सेवा

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नव वर्ष में शीघ्र ही प्रदेशवासियों को मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके तहत प्रदेश में सरकारी बसों का संचालन होगा, जिससे गांव-गांव तक सस्ती और सुविधाजनक बस सेवा नागरिकों को मिलेगी। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में लग्जरी बसे भी चलाई जायेंगी। प्रदेश में नगर वाहन सेवा सहित अंतर्शहरी बस सेवा को सुगम बनाने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा को प्रारंभ करने की स्वीकृति दी जा चुकी है। यात्री परिवहन सेवा प्रारंभ करने के लिये 101 करो? 20 लाख रूपये की अंशपूंजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिये कंपनी एक्ट के तहत स्क्क्ह्य गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कंपनियों के साथ संभागीय कंपनी के रूप में मर्ज किये जाने का भी निर्णय लिया गया है।

राज्य स्तर पर होल्डिंग कंपनी का गठन: प्रदेश में परिवहन व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिये 7 कंपनियों के एकीक्रत नियंत्रण के लिये राज्य स्तर पर कंपनीज एक्ट 2013 के तहत एक होल्डिंग कंपनी का गठन करने का भी निर्णय लिया गया है। कैबिनेट मीटिंग में जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति के गठन की भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

पीपीपी मोड पर होगा काम

बस परिवहन अधोसंरचना के तहत पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) प्रक्रिया से उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं मापदंडों का यात्री एवं बस ऑपरेटर के लिये सुविधाओं का निर्माण किया जायेगा। बस संचालन एवं संधारण के लिये पीपीपी मोड प्रक्रिया से, निजी बस ऑपरेटर्स को संगठित रूप से एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संचालित किया जायेगा। निगरानी के लिये टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन की स्थापना करते हुए बस ऑपरेशन्स पर प्रभावी निगरानी रखी जायेगी। होल्डिंग कंपनी द्वारा एक कुशल आईटी प्लेटफार्म स्थापित करते हुए उस पर नोटिफाइड रूट अनुसार निजी बस ऑपरेटर्स को अनुबंधित किया जायेगा।

9 आईएफएस अधिकारियों को मिला प्रमोशन, आज से लिखेंगे नए पदनाम

शासन ने 5 डीएफओ, दो सीएफ व दो सीसीएफ को किया पदोन्नत

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश वन विभाग ने साल के अंतिम दिन भारतीय वन सेवा के 9 अधिकारियों को उनके पद पर ही पदोन्नत किया है। यह अधिकारी अपने वर्तमान पद पर कार्य का निर्वहन करते हुए पदोन्नत हुए हैं। गुरुवार एक जनवरी से यह सभी 9 अधिकारी नए पदनाम के साथ अपना अपना कार्यभार संभालेंगे। वन विभाग द्वारा जिन अफसरों को पदोन्नत किया गया है। उनमें 5 वनमंडल अधिकारियों को वन संरक्षक, दो वन संरक्षकों को मुख्य वन संरक्षक और दो मुख्य वन संरक्षकों को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। जिसमें भारतीय वन सेवा के 2008 के अधिकारी इंदौर वृत्त के वन संरक्षक प्रेम नारायण मिश्रा को मुख्य वन संरक्षक इंदौर वृत्त और छतरपुर वृत्त के वन संरक्षक नरेश सिंह यादव को मुख्य वन संरक्षक छतरपुर वृत्त के पद पर पदोन्नत किया गया है।

दो अधिकारी बने सीसीएफ से एपीसीसीएफ : भारतीय वन सेवा की 2001 की अधिकारी पदमाप्रिया बालाकृष्णन को सीसीएफ, कार्य आयोजना (आंचलिक) इन्दौर से एपीसीसीएफ, कार्य आयोजना (आंचलिक) इन्दौर के पद पर और अमित कुमार दुबे को सीसीएफ /क्षेत्र संचालक, संजय टाइगर रिजर्व, सीधी से एपीसीसीएफ/क्षेत्र संचालक, संजय टाइगर रिजर्व, सीधी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

डीएफओ से सीएफ बने वन अधिकारी

भावसे 2012 के अधिकारी बृजेन्द्र श्रीवास्तव को वनमंडलाधिकारी, कार्य आयोजना इकाई, छतरपुर के पद से वन संरक्षक, कार्य आयोजना इकाई छतरपुर, क्षितिज कुमार, वनमंडलाधिकारी, कार्य आयोजना इकाई एवं ओएसडी, मप्र शासन, वन विभाग भोपाल को वन संरक्षक, कार्य आयोजना इकाई भोपाल एवं ओएसडी, मप्र शासन, वन विभाग, प्रियांशी सिंह, डीएफओ, कार्य आयोजना इकाई, इन्दौर को सीएफ कार्य आयोजना इकाई इन्दौर, लवित भारती, डीएफओ, कार्य आयोजना इकाई, ग्वालियर को सीएफ, कार्य आयोजना इकाई ग्वालियर और महेंद्र प्रताप सिंह डीएफओ कार्य आयोजना इकाई, शहडोल को सीएफ, कार्य आयोजना इकाई शहडोल के पद पर पदोन्नत किया गया है।

परेशानी

आंगनबाड़ियों की निगरानी करने के लिए विभाग कर रहा सिस्टम तैयार

किराये के भवनों में चल रहीं 25 फीसदी आंगनबाड़ी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सूबे की 25 फीसदी से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्र किराए के भवन में चल रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 25 हजार 239 नये आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक हर साल तीन हजार नये आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण किया जाएगा। हर आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण करने में करीब दस लाख रुपए वहन होंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण करने कैबिनेट में निर्णय लिया जाएगा। प्रदेश में 97 हजार 791 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। इनमें से करीब 85 हजार आंगनबाड़ी और 12 हजार 670 मिनी आंगनबाड़ी केंद्र शामिल हैं। 26 हजार 583 आगनवाड़ी केंद्र किराए के भवनों में चल रहे हैं। इसमें 14 हजार 649 ग्रामीण और 11 हजार 934 शहरी क्षेत्र में स्थित हैं। ग्रामीण और छोटे शहरों में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति काफी खराब बनी हुई। प्रदेश के बड़े बड़े शहरों की स्थिति भी ज्यादा अच्छी नहीं कही जा सकती है। भोपाल में एक हजार 872 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। इनमें से 900 से ज्यादा केंद्र किराये के भवनों में चल रहे हैं। इंदौर और ग्वालियर जिले में भी पचास फीसदी आंगनबाड़ी केंद्र किराये के भवनों में चल हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि किराये भवन में चलने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं हैं। यहां बच्चों को बैठने के लिए कोई उचित व्यवस्था तक नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतर किराये के भवनों की स्थिति ठीक नहीं है। इसे देखते हुए विभाग ने नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की योजना की तैयार की है। कई आंगनबाड़ी केंद्रों के भवनों की स्थिति ठीक नहीं है। उनके भवन मरम्मत की मांग कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि एक साथ सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण करना मुश्किल है। उन्हें एक-एक कर ही तैयार किया जा सकता है। वर्तमान में जो आंगनबाड़ी केंद्र चल रहे हैं। उनकी निगरानी करने विभाग ट्रैकिंग सिस्टम तैयार कर रहा है। इससे पता चल सकेगा कि आंगनबाड़ी केंद्र एक माह में कितने दिन खुली और कितने दिनों तक बंद रहीं।

बैठक में आए चौकाने वाले आंकड़े

महिला-बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने विभागीय समीक्षा बैठक ली थी। इसमें अधिकारियों ने नये आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की। आयुक्त महिला-बाल विकास निधि निवेदिता ने बैठक में बताया कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र के 14 हजार 649 आंगनबाड़ी केंद्र और शहरी क्षेत्र में 11 हजार 934 आंगनबाड़ी केंद्र किराये के भवनों में चल रही हैं। पीएम जनजातीय न्याय महाअभियान के तहत 605 आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन शुरू किया गया है और 217 भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि 11 हजार 786 आंगनबाड़ी केंद्रों को सरकारी भवनों में स्थानांतरित किया गया है और 21 हजार 954 एक कमरे वाले केंद्रों को सुविधायुक्त भवनों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चलन में बनी हुई है। पांच साल में हर साल सात हजार 500 केंद्रों को बिजली कनेक्शन देने की टारगेट रखा गया है। इससे उक्त केंद्रों को बिजली की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

सूबे में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति

आंगनबाड़ी केंद्र
97 हजार 791

किराये की आंगनबाडी
26 हजार 583

आंगनबाडी को मिलेगा बिजली कनेक्शन
37 हजार 500

मिलेंगे नये भवन
25 हजार 239

"प्रदेश के एक हजार 765 आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आंगनबाडियों को प्राथमिता देने की कार्रवाई शुरु की है।

■ **निर्मला भूरिया**, मंत्री, महिला बाल विकास विभाग

पंकज श्रीवास्तव को सीआईडी का अतिरिक्त प्रभार
राप्रसे के 29 अफसरों को प्रवर श्रेणी वेतनमान

मुख्य संवाददाता, भोपाल। स्पेशल डीजी पवन श्रीवास्तव के रिटायर होने के बाद इस पद का अतिरिक्त प्रभार स्पेशल डीजी एंटी नक्सल एवं एसटीएफ पंकज श्रीवास्तव को सौंपा गया है। पवन श्रीवास्तव बुधवार को सेवानिवृत्त हुए। इस अहम पद के लिए कई अधिकारियों का नाम रेस में शामिल था लेकिन राच्य सरकार ने प्रदेश से नक्सलियों के सफाए की उपलब्धि को तीन माह पहले ही हासिल करने वाले पंकज श्रीवास्तव को इस पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का निर्णय लिया। इससे पहले बुधवार को रिटायर हुए पवन श्रीवास्तव को पीएचक्यू में भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान पीएचक्यू को पहले और दूसरे तल को फूलों से सजाया गया और वहां रंगोली भी बनाई गई। उन्हें रात में पुलिस ऑफिसर्स मेस में विदाई पार्टी दी गई, जिसमें डीजीपी समेत सभी आला पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

एसएएस के 29 अफसरों का बढ़ेगा वेतन

राच्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार को ही राच्य प्रशासनिक सेवा के 29 अफसरों को वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान से प्रवर श्रेणी वेतनमान में प्रमोट किया है। इनमें संयुक्त कलेक्टर स्तर के अधिकारी शामिल हैं। जारी सूची के अनुसार मणिंद्र कुमार सिंह, राजन बी नाडिया, महेश कुमार बमन्हा, क्षितिज शर्मा, संजू कुमारी, बलवीर रमन, अखिलेश कुमार सिंह, राजेश कुमार शुक्ला, शैलेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह कुशवाह, गोपाल सिंह वर्मा, नीरज शर्मा, रविशंकर राय, बृजेंद्र कुमार रावत, लक्ष्मीकांत खरे, मकसूद अहमद, बृजेश सक्सेना, विनय द्विवेदी, हुनेंद्र घोरमारे, मायाराम कौल, हेमलता सोलंकी, च्योति भालवे, दिनेश सिंह तोमर, वीरेंद्र सिंह दांगी, अयोध्या प्रसाद द्विवेदी, राजेश कुमार यादव, जमील खान, ममता खेड़े, विनीत तिवारी को एक जनवरी से प्रवर श्रेणी वेतनमान में प्रमोट किया जाएगा।

पेंच के बफर जोन में बाघ के हमले से किसान की मौत

जागरण, छिंदवाड़ा। पेंच टाइगर रिजर्व के बफर जोन से लगे किशनपुर खमरा गांव में बुधवार सुबह खेत पर काम करने गए एक किसान को बाघ ने मौत के घाट उतार दिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत है और ग्रामीणों की नींद उड़ गई है। किशनपुर खमरा निवासी बलराम डेहरिया रोज की तरह बुधवार सुबह करीब 6 बजे अपने खेत में सिंचाई के लिए मोटर चालू करने गए थे। खेत से सटी झाड़ियों में एक बाघ पहले से घात लगाकर बैठा था, जैसे ही बलराम मोटर के पास पहुंचे, बाघ ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। हमला इतना अचानक और भयावह था कि बलराम को संभलने या भागने का मौका तक नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार बाघ ने किसान को बुरी तरह नोच डाला। शरीर पर पंजों और दांतों के गहरे निशान थे। कुछ ही पलों में बलराम की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने शोर सुना, लेकिन जब तक लोग वहां पहुंचते, तब तक बाघ झाड़ियों में वापस गायब हो चुका था, जब बलराम काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजन और ग्रामीण खेत की ओर पहुंचे, जहां खेत के पास खून से सना शव पड़ा मिला। यह दृश्य देखकर गांव में कोहराम मच गया। महिलाओं का रो–रोकर बुरा हाल हो गया।

दो लुटेरी दुल्हन और साथी धराए

देवास। पुलिस ने शादी के नाम पर अविवाहित पुरुषों को ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। साथ ही इनके कब्जे से माल भी जब्त किया है। फरियादी रवि जाटवा एवं सतीश डोरिया निवासी ग्राम बेड़ामऊ ने थाना कमलापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गत 16 दिसंबर को मनीष चौबे निवासी जिला छिंदवाड़ा के माध्यम से उनकी शादी जटाशंकर मंदिर बागली में आरती मरकाम एवं सरिता परतेती से कराई। शादी के नाम पर नगद 3 लाख रुपए लिए थे। 23 दिसम्बर को दोनों तथाकथित दुल्हन अपने पति को खाने में नींद की गोलियां देकर घर से फरार हो गई तथा नगद राशि, सोने का मंगलसूत्र लेकर चली गई। इस मामले में कमलापुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर जिला छिंदवाड़ा से संगठित लुटेरी दुल्हन गिरोह के 5 आरोपी मनीष उर्फ विक्की चौबे, अजय मरकाम, सरिता परतेती, आरती मरकाम और पार्वती उईके सभी निवासी जिला छिंदवाड़ा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से नगद 1 लाख 95 हजार रुपए, इंडिगो कार, मंगलसूत्र जब्त किए है। गिरोह अविवाहित पुरुषों को शादी का झांसा देकर मोटी रकम वसूलता था।

भीड़ नियंत्रित करने उज्जैन पुलिस का नवाचार, सीधे पार्किंग तक पहुंच रहे श्रद्धालु

गूगल मैप से क्राउड मैनेजमेंट, भीड़ भरे रास्ते ब्लॉक कर दिखाये वैकल्पिक रूट

जागरण, उज्जैन। साल के आखिरी दिन की विदाई और नववर्ष की शुरुआत पर बड़ी तादाद में देशभर से बाबा महाकाल के भक्त उनके दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में भीड़ को नियंत्रित करना पुलिस–प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित मध्य प्रदेश के अलग–अलग शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महाकाल के दरबार में आए हैं। प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा बढ़कर दो लाख से पार पहुंच चुका है। ऐसे में चार पहिया वाहनों की संख्या भी बढ़कर दोगुनी के करीब 12 हजार तक पहुंच गई है। ऐसे में जाम से बचने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहली बार उज्जैन पुलिस ने गूगल मैप में तकनीकी बदलाव कर हाईटेक क्राउड मैनेजमेंट शुरू किया है। पुलिस ने गूगल मैप के जरिए हैवी ट्रैफिक वाले रूट को ब्लॉक कर मंदिर की ओर आने वाली भीड़ को शहर के भीतर प्रवेश करने से रोका है। इसके लिए गुरुग्राम की इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी, साइबर टीम और पुलिस के 10 सदस्यों की संयुक्त टीम ने गूगल के एल्गोरिदम में बदलाव किया है। यह टीम किसी भी सड़क पर जाम की स्थिति बनते ही तत्काल उस मार्ग को गूगल मैप से ब्लॉक कर देती है और वैकल्पिक खाली मार्ग को सक्रिय कर देती है। इससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को शहर के भीतर जाने का मार्ग दिखाई नहीं देता और वे सीधे निर्धारित पार्किंग तक पहुंच जाते हैं। वरिष्ठ अफसरों का कहना है कि यदि यह योजना पूरी तरह सफल रहती है, तो सिंहस्थ 2028 में भी इसे लागू किया जा सकता है।

प्रयोग सफल रहा तो सिंहस्थ-2028 में योजना करेंगे लागू

मैप पर वही रूट दिखता है जो पुलिस तय करती है

सीएसपी राहुल देशमुख ने कहा– चार धाम स्मार्ट पार्किंग और हरसिद्धि मंदिर की पाल के पास बनी पार्किंग महाकाल मंदिर के सबसे नजदीक हैं। यहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु गूगल मैप के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों से शहर में प्रवेश कर जाते थे, जिससे जाम की स्थिति बनती थी। इससे बचने तकनीकी डेटा का उपयोग कर वाहनों को भीड़भाड़ वाले मार्गों पर जाने से रोक दिया जाता है। गूगल मैप पर श्रद्धालुओं को वही डेडिकेटेड रूट दिखाया जाता है, जो उन्हें संकरे रास्तों और शहर के अंदरूनी क्षेत्रों से बचाते हुए सीधे बाहरी मार्गों से पार्किंग तक पहुंचाता है। पुलिस की 10 सदस्यीय टीम सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक रियल टाइम ट्रैफिक की निगरानी करती है। इसके लिए गुरुग्राम की एक आईटी कंपनी को हायर किया है। यह कंपनी गूगल के एल्गोरिदम के जरिए केवल खाली रूट को ही दिखाती है। पुलिस के इस प्रयोग के बाद भी श्रद्धालु बेगमबाग होते हुए स्मार्ट पार्किंग में वाहन खड़े कर रहे हैं। इसके चलते बेगमबाग, महाकाल घाटी, गुदरी चौराहा, हरसिद्धि मंदिर, जंतर–मंतर, जयसिंहपुरा, रेलवे क्रॉसिंग और शक्तिपथ की पार्किंग के मार्गों पर सबसे अधिक जाम की स्थिति बन रही है।

कारोबारी दंपति की गोली मार हत्या, आरोपी ने की खुदकुशी

नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंदसौर में सनसनीखेज वारदात

जागरण, मंदसौर। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर में एक सनसनीखेज और दर्दनाक घटना सामने आई। गोल चौराहा क्षेत्र में स्थित सिंधु आराधना मंदिर वाली गली में दिलीप ऑटो एजेंसी के संचालक और उनकी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने भी खुद को गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बुधवार शाम शहर में साल के विदाई कार्यक्रमों की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान आरोपी ने रात करीब 8. 30 बजे 60 वर्षीय दिलीप पुत्र ज्ञानमल छिंगावत जैन और उनकी पत्नी रेखा जैन पर उनके ही घर में ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी बाहर निकलकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा होने लगे। खुद को घिरता देख आरोपी वापस घर के भीतर गया और वहां खुद को गोली मार ली।

आरोपी

प्रारंभिक जांच में लेन-देन बना हत्या की वजह

प्रारंभिक जांच में विवाद की वजह सोने–चांदी की खरीदी–बिक्री से जुड़ा लेन–देन बताया जा रहा है। हालांकि मृतक दंपति के परिजल फिलहाल शहर से बाहर होने के कारण पुलिस को विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी की पहचान विकास सोनी निवासी राजस्थान निम्बाहेड़ा के रूप में की जा रही है, हालांकि पुलिस आधिकारिक पुष्टि में जुटी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सरदार पटेल चौराहे पर चेकिंग में तैनात कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है।

अभिनेत्री नुसरत के महाकाल दर्शन पर विवाद मौलाना बोले-शरीयत की नजर में गुनहगार

जागरण, उज्जैन। बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा के महाकाल मंदिर दर्शन करने पर विवाद खड़ा हो गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि नुसरत ने उज्जैन मंदिर में धार्मिक परंपरा निभाई, जल चढ़ाया, यह तमाम चीजें इस्लाम के खिलाफ हैं। शरीयत की नजर में नुसरत गुनहगार हैं, उनको तौबा करनी चाहिए। मालूम हो कि सोनू के टीटू की स्वीटी, प्यार का पंचनामा, ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों में अभिनय करने वाली प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरुचा महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में शामिल हुई थीं। इस दौरान नुसरत ने जल अर्पित कर भगवान महाकाल का प्रसाद ग्रहण किया। इधर, मौलाना के नुसरत को इस्लाम धर्म का पाठ पढ़ाने से उज्जैन के कई संत नाराज हो गए हैं।

असामाजिक तत्व ने दिया झील में धक्का, पिलर के सहारे गुजारी रात

जागरण, सागर। किसी अज्ञात व्यक्ति की शरारत 62 वर्षीय एक वृद्ध की जान पर ही बन पाई थी। पीछे से दिए गए धक्का ने वृद्ध को लाखा बंजारा झील में गिरा दिया। फिर भी किस्मत के धनी इस वृद्ध को कॉरीडोर के पिलर का सहारा मिला। करीब 9 डिग्री तापमान में वे रात भर इसी के सहारे खड़े रहे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सदर निवासी हरप्रसाद रैकवार के साथ हुई है। वृद्ध ने सुरक्षित रेस्क्यू के बाद बताया कि मंगलवार की रात करीब 11 बजे वह कॉरिडोर पर खड़े होकर इस ऐतिहासिक झील के सुंदर नजारे को देख रहा था। इस दौरान अचानक किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें धक्का दे दिया। वे झील के पानी में जा गिरे। हालांकि इसके बावजूद भाग्य भरोसे वे जैसे–तैसे एक पिलर को हाथ में थामे खड़े रहे। उन्होंने बचाव की गुहार भी लगाई लेकिन तीखी सर्द और वाहनों के शोरगुल में उनकी आवाज किसी ने नहीं सुनी। ऐसे में स्थिति को देखकर किसी तरह वृद्ध ने पूरी रात इसी कड़कड़ाती ठंड में भगवान भरोसे गुजारी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे उन्हें तब सहारा मिला जब प्रतिदिन की तरह झील के मेंटनेंस से जुड़े कर्मी यह नजारा देखकर चौंक गए। गार्ड सुपरवाइजर विक्की रैकवार ने अपनी टीम के साथ एक नाव की व्यवस्था करके वृद्ध को इसमें बिठाया और सुरक्षित किनारे लेकर आए। करीब सात घंटे भीषण सर्दी में गुजारने के बाद हरप्रसाद की हालत बेहद खराब हो गई थी। बचाव कर रहे लोगों ने उन्हें आग जलाकर राहत दी। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर वृद्ध को अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार वृद्ध की हालत ठीक है।

पूरी रात लाखा बंजारा झील में रहे वृद्ध, मेंटेनेंस टीम ने की मदद

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये **मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी** निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।
ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी.-ई-2025-203
कार्य का नामः झाँसी - खैरार, खैरार-भीमसेन एंड महोबा-खुजराहो सेक्शन कंस्ट्रक्शन ऑफ़ ट्रैक मशीन साइडिंग
अनुमानित लागतः ₹ 9852878.38 | **अमानत राशिः** ₹ 197100.00
निविदा बन्द होने की तिथिः 27.01.2026 at **15.00** hrs., **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः** 12 माह।
• निविदा दिनांक **27.01.2026** को **15.00** बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे।
• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।
2526/25 FA
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग
क्रमांक-02, भोपाल, Mobile No. : 9425601534
ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/1694/प.यं/भोपाल-02/तशा/2025
भोपाल, दिनांक 29.12.2025
प्रेस विज्ञप्ति
बाह्य विद्युतीकरण कार्य सीएम राइज़ सांदीपनि उ.मा.वि. महात्मा गांधी बी.एच.ई.एल. भोपाल के कार्य हेतु निविदा क्रमांक-26/2025-26 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. - 2025_MPPHC_471665_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 16.01.2026 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/123723/2025 **परियोजना यंत्री**

बिजनेस प्लस

नए साल में बीमा कंपनियां और अधिक नवोन्मेषी उत्पाद पेश करेंगी

भोपाल। वर्ष 2025 भारतीय बीमा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक ग्राहक–केंद्रित सुधारों का साक्षी रहा। यह बात इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी–लाइफ) के चेयरपर्सन कमलेश राव ने कही। उन्होंने बताया कि वर्ष की शुरुआत सरेंडर वैल्यू नियमों में सकारात्मक बदलाव से हुई, जिससे पॉलिसीधारकों को अधिक लाभ मिला। इसके बाद जीएसटी में छूट और 'बीमा सुगम' पोर्टल की शुरुआत जैसे कदमों ने बीमा सेवाओं को अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाया। वर्तमान में जीवन बीमा की मांग सुरक्षा, एन्यूटी और बचत उत्पादों पर केंद्रित है, जो वित्तीय स्थिरता और रिटायरमेंट योजना में अहम भूमिका निभा रहे हैं। कमलेश राव के अनुसार, 2026 में बीमा कंपनियां और अधिक नवोन्मेषी उत्पाद पेश करेंगी। एफडीआई नियमों में ढील से अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रवेश की संभावना है, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और जीवन बीमा क्षेत्र में निरंतर एवं स्वस्थ विकास का नया दौर शुरू होगा।

Sabse Pehle Life Insurance

एलएंडटी ने शुरू की साइबर जागरुकता पहल

मुंबई। एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने सचेत विद सचेत नाम से एक नई साइबर सुरक्षा जागरुकता पहल की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य लोगों को डिजिटल वित्तीय दुनिया में सुरक्षित निर्णय लेने के लिए जरूरी जानकारी और टूल्स प्रदान करना है। इस पहल में एलटीएफ के फाइनेंशियल अवेयरनेस मैस्कॉट सचेत कुमार के एनिमेटेड अवतार के माध्यम से इंटरैक्टिव और गेमिफाइड लर्निंग को बढ़ावा दिया है, ताकि नए साल 2026 में सुरक्षित डिजिटल आदतें विकसित हो सकें। एलटीएफ ने इसके लिए एलटीएफ सचेत डॉट इन नामक एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जहां स्कैम से बचाव से जुड़ी जानकारी उपलब्ध है। प्लेटफॉर्म का प्रमुख फीचर लिंक वेरिफिकेशन टूल है, जो संदिग्ध यूआरएल का जोखिम स्तर रंगों के जरिए बताता है। इसके अलावा, यूपीआई सुरक्षा, फिशिंग, डीपफेक और एडवांस फीस स्कैम पर आधारित क्विज़, डिजिटल बैज और लर्निंग लाइब्रेरी भी शामिल है। सोशल मीडिया, इन्फ्लुएंसर और पॉडकास्ट के जरिए इस पहल को व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जा रहा है।

L&T Finance

आयुष ने पीबी पाटनर्स के साथ बड़ी उपलब्धियाँ की हासिल

भोपाल। मध्य प्रदेश के आयुष तिवारी ने अपने करियर की शुरुआत इंश्योरेंस को एक पार्ट–टाइम काम के रूप में की थी। समय के साथ उन्होंने इसे फुल–टाइम बिज़नेस में बदला और आज वे मोटर इंश्योरेंस के क्षेत्र में सफल उद्यमी हैं। पॉलिसी बाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स के ब्रांड पीबी पाटनर्स से जुड़ने के बाद आयुष को लगातार सफलता मिली। सिर्फ 3 सालों में उन्होंने अपना खुद का ऑफिस खोला, कार खरीदी और उनका बिज़नेस तेजी से बढ़ा। आयुष बताते हैं कि पीबी पाटनर्स का आसान ऐप और वेबसाइट उनके काम को सरल बनाते हैं। तुरंत कमीशन, तेज़ क्लेम सेटलमेंट और बेहतर ग्राहक सेवा से उनकी आय लगातार बढ़ी है। वे अपने रिलेशनशिप मैनेजर द्वारा मिले मार्गदर्शन और पीबी पाटनर्स के लॉयल्टी प्रोग्राम को अपनी सफलता का अहम कारण मानते हैं।

कॉर्पोरेट इंस्टिट्यूट में राष्ट्रीय गणित सप्ताह का आयोजन

भोपाल। कॉर्पोरेट इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल में मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, (एमपीसीएसटी), भोपाल द्वारा प्रदत्त अनुदान के सहयोग से 22 से 30 दिसंबर तक राष्ट्रीय गणित सप्ताह का आयोजन महान गणितज्ञ श्रीनिवास राजानुजन के जन्म दिवस पर किया गया। शुभारंभ, डॉ. भरत किशोर गुप्ता, निदेशक, कॉर्पोरेट इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता (विषय अभियांत्रिकी मे गणित के अनुप्रोग), गणित आधारित क्विज रंगोली प्रतियोगिता (ज्यामितीय आकार), पोस्टर प्रदर्शनी, गणितीय मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस सप्ताह के अंतर्गत गणित विषय के प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. आरएस चंदेल, प्राध्यापक, शासकीय गीतांजलि महाविद्यालय, भोपाल, डॉ. रमाकांत भारद्वाज, प्राध्यापक, एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता तथा डॉ. नेहा चौबे, प्राध्यापक, वीआईटी भोपाल द्वारा अपने उद्बोधनों के माध्यम से महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की विलक्षण प्रतिभा एवं प्राचीन भारतीय गणितज्ञों के अद्भुत कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र सं : JHS-Commercial/E-Auction/2025 दिनांक : 29.12.2025
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-
श्रेणी - पार्किंग | **केटलोग संख्या : झाँसी-पार्किंग-53**
एसेट्स डिटेल्स : झाँसी मण्डल के अलग-अलग श्रेणी के रेलवे स्टेशनों में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के पार्किंग ठेके हेतु :-

क्र.सं.	स्टेशन केटेगरी	स्टेशन
1	एनएसजी-2	मंडल रेल चिकित्सालय झाँसी परिसर
2	एनएसजी-3	बाँदा स्टेशन (BNDA), प्लेटफार्म नं. 02, सर्कुलेटिंग एरिया (पार्ट-II)
3	एनएसजी-6	ओरछा स्टेशन (ORC)

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय : दिनांक 13.01.2026 को समय - 11:00 से
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : दिनांक 13.01.2026 को समय - 11:50 तक
नोट - उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट - **www.ireps.gov.in** के **e-auction module** के माध्यम से की जाएगी।लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **2524/25 (C)**
@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
जेम टेण्डर नोटिस संख्या :- GEM/2025/B/7036624 दिनांक : 24/12/2025
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
कार्य का उसके स्थान सहित नाम : झांसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर उच्च-गुणवत्ता वाले डिज़ाइन और प्रिंट के यात्री मार्गदर्शन साइनेज बोर्ड, किराया तालिका बोर्ड, समय सारणी बोर्ड, रेलवे रियायत बोर्ड, यूटीएस/पीआरएस धनवापसी नियम बोर्ड, फ्लेक्स बोर्ड, कुली दर बोर्ड बैनर, स्टैंडी और अन्य सूचना बोर्ड के डिज़ाइनिंग, मुद्रण, परिवहन, स्थापना और रखरखाव के लिए तीन वर्षों (1095 दिनों) की अवधि के लिए दर अनुबंध आमंत्रित किए जाते हैं। इस अनुबंध में समय पर डिलीवरी और टिकाऊ प्रतिष्ठापन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
ठेके की अवधि : तीन वर्ष | **बयाना राशि :** रू0 98,230/-
कार्य का अनुमानित लागत (तीन वर्ष हेतु) : रू0 49,11,561.58/-
ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 14.01.2026 को 16:30 बजे
वेबसाइट एवं निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है। : ई-निविदा का पूर्ण विवरण (ई-निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर टेण्डर खुलने की तिथि **14.01.2026** को **18:00 बजे** तक उपलब्ध है एवं ई-निविदा सूचना उत्तर मध्य रेलवे की बेवसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर भी देखा जा सकता है। **2520/25 (AS)**
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

फ्लाइट में अभद्रता इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश

जागरण, इंदौर। इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में क्रू–मेंबर और अन्य यात्रियों से विवाद करने वाले यात्री के खिलाफ एरोड्रम थाना में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस संबंधित यात्री को विमान से उतारकर थाने लाई और कार्रवाई की। यात्री इंदौर से दिल्ली जा रहा था। एरोड्रम पुलिस ने शरीफ कुरैशी, निवासी एचडी आइडिया कॉलोनी, तीन इमली की शिकायत पर सुनील कुमार निवासी बरवाला, जिला हिसार (हरियाणा) के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री शराब के नशे में था। इंडिगो के सीनियर सिक्योरिटी एक्जीक्यूटिव ने इस मामले की जानकारी अन्य अधिकारियों को दी। क्रू मेंबर की शिकायत पर पुलिस ने यात्री को नोटिस देकर छोड़ दिया है।

कार्यालय जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल भोपाल (म.प्र.)
(Office - 0755-2742263, Fax-0755-2742250, Email-Jscjbpl@mp.gov.in)
पत्र क्र. 838/निर्वाह/2025 भोपाल, दिनांक 26/12/2025
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
वित्तीय वर्ष 2026-27
म.प्र. जेल पूर्ति नियम, 1968 एवं मध्य प्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम-2015 (यथा संशोधित 2022) के अधीन केन्द्रीय जेल भोपाल एवं भोपाल सर्किल की जेलों (जिला जेल - राजगढ़, रायसेन, सीहोर, विदिशा, उप जेल - गंजबासौदा, लटेरी, नरसिंहगढ़, सारंगपुर) में परिरुद्ध बंदियों के लिये वित्तीय वर्ष 2026-27 में खाद्यान्न, सब्जी, दवाईयां, स्वच्छता, विद्युत सामग्री एवं अन्य सामग्रियों की आपूर्ति हेतु वार्षिक ई-निविदा विज्ञप्ति निम्नानुसार जारी की जाती है:-
ई-निविदा कार्यक्रम का विवरण

क्र.	विवरण	दिनांक व समय	स्थान
1.	प्री-बिड मीटिंग	22.01.2026 दोपहर 12:00 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की जाना है।
2	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	31.01.2026 शाम 06 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर फार्म ऑनलाईन क्रय किये जा सकेंगे।
3	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	31.01.2026 शाम 06 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत की जावेगी।
4	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि	31.01.2026 शाम 06 बजे तक	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
5	नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण	02.02.2026 दोपहर 12 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
6	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	03.02.2026 दोपहर 12 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
7	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	07.02.2026 दोपहर 12 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में, जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।

ई-निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। ई-निविदा में किया गया कोई भी संशोधन वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जावेगा, इसकी सूचना पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जाएगी। ई-निविदा संबंधी शेष समस्त कार्यवाही संबंधित जेलों द्वारा की जावेगी।
जी-23608/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार
जेल अधीक्षक
केंद्रीय जेल भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद मुलताई जिला बैतूल (म.प्र.)
क्र./1122/ ई टेण्डरिंग/जल.शा./2025 मुलताई, दिनांक 30.12.2025
ऑनलाईन निविदा सूचना (प्रथम)
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद मुलताई द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में जलप्रदाय सामग्री क्रय करने हेतू निर्माता/पंजीकृत सप्लायर/डीलर/फर्म से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आनलाईन निविदाए वेबसाईट www.mptenders.gov.in Department Name Administration and Development Departmen से क्रय की जा सकती है ।

निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य की अवधि
No. 1122 Date 30-12-2025 2025_UAD_471969_1	जल प्रदाय सामग्री प्रदाय वित्तीय वर्ष 2025-26	30.00 लाख	22500.00	5000.00	जल प्रदाय सामग्री आदेश दिनांक से 07 दिवस की अवधि में वर्ष 2026-27

1. Interested bidders can view the NIT on website http://www.mptenders.gov.in
2. The Bid Document can be purchased only online from 31-12-2025 (Date) 10.30 Hour (time) to 29-01-2026 (Date) 17.30 Hour (time)
3. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन या शुद्धि पत्र जारी होने की स्थिति में सिर्फ आनलाईन website http://www.mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जावेगे न की किसी समाचार पत्र में।
4. किसी भी निविदा को कारण या बिना किसी कारण के स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार नगरपालिका परिषद मुलताई के पास सुरक्षित रहेगा एवं देयकों का भुगतान निकाय की वित्तीय स्थिति के अनुसार किया जावेगा।

(श्रीमती वर्षा दिनेश गढेकर) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुलताई
(श्री शिवकुमार माहोरे) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुलताई
(श्रीमति शिल्पा शर्मा) सभापति जलकार्य एवं सीवरेज विभाग नगर पालिका परिषद मुलताई
(श्री वीरेन्द्र तिवारी) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद मुलताई

ब्लॉकबस्टर ईयरः दिखेगा टी-20 वर्ल्ड, आईपीएल और फीफा का रोमांच

जेएनएन, नई दिल्ली

2026 भारतीय खेल प्रेमियों के लिए एक स्वर्णिम वर्ष साबित होगा, जहां विश्व स्तरीय इवेंट्स की बहार आएगी। पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी से फरवरी व्यस्त रहेगा, जबकि अगस्त में दिल्ली बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप का जलवा बिखेरेगी। जनवरी में डब्ल्यूपीएल, इंडिया ओपन बैडमिंटन, मुंबई मैराथन और हॉकी इंडिया लीग की धूम होगी। मार्च से मई तक आईपीएल का रोमांच, अप्रैल में एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और अक्टूबर-दिसंबर में एथलेटिक्स और बैडमिंटन के बड़े मुकाबले। शीतकालीन ओलंपिक से लेकर क्रिकेट और फुटबॉल वर्ल्ड कप, राष्ट्रमंडल खेल और एशियन गेम्स, हर स्तर पर वैश्विक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

जनवरी

टेनिसः ऑस्ट्रेलियन ओपन
तारीखः 12 जनवरी-1 फरवरी
स्थानः मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
क्रिकेटः महिला प्रीमियर लीग
तारीखः 9 जनवरी-5 फरवरी
स्थानः भारत

फरवरी

ओलंपिकः शीतकालीन ओलंपिक
तारीखः 6 फरवरी-22 फरवरी
स्थानः मिलान-कोर्टिना, इटली
क्रिकेटः पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप
तारीखः 7 फरवरी- 8 मार्च
मेजबानः भारत और श्रीलंका

मार्च

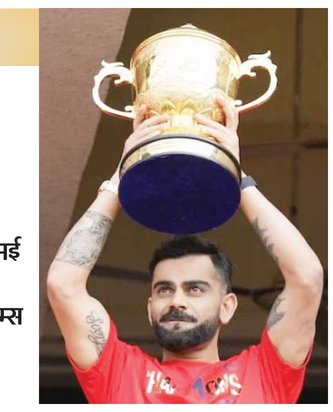

एथलेटिक्सः वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप
तारीखः 20 मार्च-22 मार्च
स्थानः टोरुन, पोलैंड
क्रिकेटः आईपीएल
तारीखः 15 मार्च (संभावित)- मई अंत तक स्थानः भारत
पैरालंपिकः विंटर पैरालंपिक गेम्स
तारीखः 6 मार्च से 15 मार्च
स्थानः मिलान इटली

जून

फुटबॉलः फीफा वर्ल्ड कप 2026 तारीखः 11 जून-19 जुलाई मेजबानः अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको
क्रिकेटः महिला टी-20 वर्ल्ड कप
तारीखः 12 जून-5 जुलाई
स्थानः इंग्लैंड
टेनिसः विंबलडन
तारीखः 29 जून-12 जुलाई
स्थानः लंदन

जुलाई

मल्टी-स्पोर्टः
कॉमनवेल्थ गेम्स (Commonwealth Games)
तारीखः 23 जुलाई - 2 अगस्त
स्थानः ग्लासगो, स्कॉटलैंड

मई

टेनिसः फ्रेंच ओपन : तारीखः 24 मई से 7 जून स्थानः पेरिस, फ्रांस
फुटबॉलः यूएईएफए चैंपियंस लीग फाइनल तारीखः 30 मई (संभावित)
स्थानः बुडापेस्ट, हंगरी

अगस्त

हॉकीः पुरुष और महिला वर्ल्ड कप
तारीखः 15 अगस्त-30 अगस्त
स्थानः बेल्जियम और नीदरलैंड्स
बैडमिंटनः बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप
तारीखः 17 अगस्त-23 अगस्त
स्थानः नई दिल्ली, भारत
टेनिसः यूएस ओपन तारीखः 23 अगस्त-13 सितंबर, स्थानः न्यूयॉर्क, अमेरिका

सितंबर

शतरंजः चेस ओलंपियाड
तारीखः 15 सितंबर-28 सितंबर
स्थानः समरकंद, उज्बेकिस्तान
मल्टी-स्पोर्टः एशियन गेम्स
तारीखः 19 सितंबर-4 अक्टूबर
स्थानः आइची-नागोया, जापान

अक्टूबर

ओलंपिकः यूथ ओलंपिक गेम्स
तारीखः 31 अक्टूबर-13 नवंबर
स्थानः डकार, सेनेगल

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भारतीय क्रिकेट की शुरुआत

भारतीय क्रिकेट टीम का 2026 का शेड्यूल मुकाबलों और बड़े टूर्नामेंट्स से भरा है। भारतीय टीम 2026 की शुरुआत जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज से करेगी। सीरीज में पांच टी-20 और तीन वनडे खेले जाएंगे। फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर टी-20 विश्व कप होगा। आईपीएल का दबदबा मार्च से मई तक रहेगा। जून में अफगानिस्तान का भारत दौरा होना है। इस दौरे पर 3 वनडे और 1 टेस्ट होगा। जुलाई में भारत का इंग्लैंड दौरा होगा। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगी। अगस्त में भारत को दो टेस्ट के लिए श्रीलंका का दौरा करना है। इस दौरे के शेड्यूल का ऐलान नहीं हुआ है। सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज प्रस्तावित है। अफगानिस्तान और भारत के बीच तीन टी-20 मुकाबले खेले जाने हैं। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स 2026 में अपने गोल्ड मेडल को डिफेंड करने की कोशिश करेगी। सितंबर में ही टीम इंडिया वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। अक्टूबर-नवंबर में भारत का न्यूजीलैंड दौरा रहेगा, जिसमें 2 टेस्ट मैच, 3 वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। दिसंबर में श्रीलंका का भारत दौरा होगा। इसमें 3 वनडे मुकाबले, 3 टी20 मैच होंगे।

मैदान से हटकर

सूर्यकुमार पर आरोप लगाने के बाद बदली खुशी मुखर्जी

बॉलीवुड एक्टर खुशी मुखर्जी ने हाल ही भारत की टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर सनसनीखेज आरोप लगाए थे, और अब उन्हीं पर सफाई दी है। खुशी ने दावा किया था कि सूर्यकुमार यादव उन्हें खूब मैसेज किया करते थे। यह तक दावा किया था कि कई क्रिकेटर्स उनके पीछे पड़े हुए हैं। मुखर्जी अपने बयान के कारण लोगों के निशाने

पर आ गई थीं। उन्हें यूजर्स सोशल मीडिया पर खरी-खोटी सुना रहे थे। इसके बाद उन्हें सफाई देने सामने आना पड़ा। सूर्यकुमार पर आरोप लगाने के बाद मुखर्जी से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि क्या हम दोस्तों की तरह बात नहीं कर सकते? हमारे बीच कोई रोमांटिक रिश्ता नहीं था। मेरे बयान को गलत समझा गया और बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। वहीं एक अन्य इंटरव्यू में खुशी ने कहा, हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। हम सिर्फ अच्छे दोस्त थे, इससे ज्यादा कुछ नहीं। उस समय वह एक मैच हार गए थे, और इससे मुझे बहुत दुख हुआ था। बस इतना ही, इससे ज्यादा कुछ नहीं। खुशी ने कहा, सूर्यकुमार सिर्फ मेरे दोस्त थे। मैं किसी से भी जुड़ना नहीं चाहती। मैंने बस इतना ही कहा और कुछ नहीं बोला। जब लोग मेरी चैट खोलकर इधर-उधर बांटने लगते हैं, मेरा पासवर्ड चुरा लेते हैं, मेरा अकाउंट हैक कर लेते हैं और तरह-तरह की बकवास पोस्ट करने लगते हैं, तो मैं क्या कहूं? खुशी ने कहा था, मैं किसी क्रिकेटर को डेट नहीं करना चाहती, क्योंकि मेरे पीछे बहुत सारे क्रिकेटर थे। (जेएनएन)

मुंबई का चौथा बड़ा स्कोर, मप्र, कर्नाटक यूपी और बिहार की लगातार चौथी जीत

जेएनएन, अहमदाबाद

गत चैंपियन कर्नाटक और मध्यप्रदेश ने बुधवार को ग्रुप-ए मैच में अपने-अपने मुकाबले जीतकर विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा। कनार्टक, मप्र, मुंबई, उत्तर प्रदेश और बिहार ने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। कर्नाटक ने कप्तान मयंक अग्रवाल (132) और देवदत्त पडिक्कल (113) के शतक और दोनों के बीच पहले विकेट की 228 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 363 रन बनाए। करुण नायर ने 34 गेंद में 62 रन की नाबाद पारी खेली। इसके जवाब में पुडुचेरी की टीम श्याम कंगायान (68) और जयंत यादव (54) के अर्धशतकों के बावजूद 50 ओवर में 296 रन पर आउट हो गई।

ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर (44 रन पर चार विकेट) की गेंदबाजी के बाद यश दुबे (105) के शतक से मध्य प्रदेश ने त्रिपुरा को चार विकेट से हराया। इस जीत से मप्र अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए त्रिपुरा ने विजय शंकर (91) और श्रीदम पॉल (52) के अर्धशतक से सात विकेट पर 286 रन बनाए। मध्य प्रदेश ने इसके जवाब में दुबे के शतक और शुभम शर्मा की 75 गेंद में 71 रन की पारी से 44 ओवर में छह विकेट पर 287 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मध्य प्रदेश और कर्नाटक दोनों के चार मैच में चार जीत से 16-16 अंक हैं। मध्य प्रदेश की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है। उत्तर प्रदेश ने आर्यन जुयाल के नाबाद 150 रन की बदौलत बारिश से प्रभावित मैच में 'वीजेडी' प्रणाली से असम पर 58 रन से जीत दर्ज कर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। असम की टीम 48.4 ओवर में 308 रन पर सिमट गई। वहीं बिहार ने नागालैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी।

सरफराज के 157 रन, मुंबई ने गोवा को 87 रन से हराया

जयपुर, जेएनएन। सरफराज खान (75 गेंद में 157 रन) की विस्फोटक पारी की बदौलत मुंबई ग्रुप-सी में गोवा को 87 रन से हराकर नॉकआउट चरण के करीब पहुंच गई। सरफराज ने 56 गेंद में शतक पूरा किया, जो उनका लिस्ट ए क्रिकेट में तीसरा शतक था। मुंबई ने इसकी मदद से आठ विकेट पर 444 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर गोवा को नौ विकेट पर 357 रन पर रोक दिया। यह इस टूर्नामेंट का चौथा बड़ा, जबकि मुंबई अपना दूसरा बड़ा स्कोर है। यशस्वी जायसवाल (46) ने 'गैस्ट्राइटिस' के कारण राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप के शुरुआती सप्ताह से बाहर रहने के बाद वापसी की।

बड़ौदा-हैदराबाद मैच में लगे पांच शतक बड़ौदा ने एक बड़े स्कोर वाले मैच में हैदराबाद को 37 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अमित पासी (127), नित्य पंड्या (122) और क्रुणाल पंड्या (109) ने शानदार शतक लगाए, जिससे बड़ौदा ने चार विकेट पर 417 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम अभिरथ रेड्डी (130) और प्रग्नय रेड्डी (113) के शतकों के बावजूद 49.5 ओवर में 380 रन पर ऑल आउट हो गई।

पंत फिर नाकाम भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत की अगुआई वाला दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम विफल रहा, जिससे ओडिशा के खिलाफ ग्रुप-डी के चौथे मैच में 79 रन की हार के साथ टीम का विजयी अभियान थम गया। दिल्ली के कप्तान पंत ओडिशा के खिलाफ 24 रन ही बना सके, जबकि दिल्ली की टीम आठ विकेट पर 272 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 43.3 ओवर में 193 रन पर ढेर हो गई।

विश्व ब्लिट्जः कार्लसन ने रिकॉर्ड नौवां खिताब जीता, एरिगैसी को कांस्य

दोहा, जेएनएन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड तोड़ नौवां विश्व ब्लिट्ज खिताब अपने नाम कर लिया। दो दिन पहले ही उन्होंने रैपिड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी सेमीफाइनल में हार गए और उन्हें मंगलवार को आयोजित विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। युवा उज्बेक ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में कार्लसन ने एक अनोखी चाल चलते हुए 2.5-1.5 से जीत हासिल की और ब्लिट्ज में अपना दबदबा कायम रखा। पहले तीन

गेम के बाद दोनों खिलाड़ी 1.5 अंकों के साथ बराबरी पर थे। क्वालिफाइंग (स्विस राउंड) में लगातार हार के बाद नॉर्वेजियन खिलाड़ी के लिए यह जीत काफी संतोषजनक थी, जहां उन्हें नॉकआउट सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था।

टी-20 विश्व कप से पहले श्रीलंका के साथ काम करेंगे लसिथ मलिंगा

कोलंबो, जेएनएन। लसित मलिंगा को एक बार फिर श्रीलंका की पुरुष टीम का गेंदबाजी सलाहकार बनाया गया है। फरवरी की शुरुआत में होने वाले टी-20 विश्व

कप से पहले वह टीम की तैयारियों का हिस्सा होंगे। भले ही उनका कार्यकाल 40 दिन का ही होगा, जो 15 दिसंबर से लेकर 25 जनवरी तक चलेगा, लेकिन खासतौर से यह अहम गेंदबाजों के साथ उनके काम को जारी रखने के लिए होगा। मलिंगा इससे पहले कम से कम दो बार पहले भी आधिकारिक तौर पर गेंदबाजी सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं, लेकिन सालों से वह अनाधिकारिक रूप से भी मुख्य गेंदबाजों के साथ काम करते आ रहे हैं। लगभग दो साल से अधिक के समय से वह सनत जयसूर्या की अगुआई वाली कोचिंग टीम को सलाह देते आ रहे हैं।

लिजेल ली व काप ने डब्ल्यूपीएल के लिए दिल्ली कैपिटल्स के साथ ट्रेनिंग शुरू की

मडगांव (गोवा), जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने काप और उनकी हमवतन लिजेल ली डब्ल्यूपीएल से पहले दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र में शामिल हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा कि हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं, इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा

होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है। बाकी खिलाड़ी कुछ दिनों में शामिल हो जाएंगी। हम मुंबई जाने से पहले पूरी टीम के साथ ट्रेनिंग शुरू करेंगे ताकि अपने सत्र की शुरुआत कर सकें।

टी-20 विश्व कप के लिए नवीन और नायब अफगान टीम में, राशिद खान करेंगे कप्तानी

वर्ल्ड कप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी टीम

काबुल, जेएनएन। अफगानिस्तान ने सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए बुधवार को 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज नवीन उल हक और ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को शामिल किया है। स्टार स्पिनर राशिद खान टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे, जबकि इब्राहिम जदरान को उप कप्तान बनाया गया है। नवीन कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 दिसंबर में खेला था। नायब और तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी को अक्टूबर में बांग्लादेश के सफेद गेंद के दौरे से बाहर कर दिया गया था, दोनों को टीम में जगह मिली है। मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने कहा कि हमने पिछले कुछ दिनों में चर्चा के बाद टीम को अंतिम रूप दिया। टीम में ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान भी शामिल हैं। उनके शामिल होने से स्पिनर एएम गजनफर को रिजर्व में रखा गया है। अफगानिस्तान ने 2024 में टी-20 विश्व कप के पिछले चरण में आईसीसी टूर्नामेंट में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसमें वे सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

वेस्टइंडीज और टी-20 विश्व कप के लिए टीमः राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जदरान (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सदीकुल्लाह अटल, दरवेश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह ओमरजई, गुलबदीन नईब, मोहम्मद नबी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, नवीन उल-हक, फ़ज़लहक फारुकी और अब्दुल्लाह अहमदजई। रिजर्वः एएम गजनफर, इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी।

खेल एक नजर

पीडब्ल्यूएल : अमन व सुसाकी का सबसे अधिक आधार मूल्य

नई दिल्ली, जेएनएन। पेरिस ओलंपिक्स के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत 18 लाख रुपए के आधार मूल्य के साथ प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की नीलामी में सबसे महंगे घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए हैं, जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी और दिग्गज खिलाड़ी युस्नेलिस गुजमेन लोपेज को भी

इतने ही आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है। पीडब्ल्यूएल नीलामी तीन जनवरी को होनी है, जबकि लीग 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी। आगामी सत्र में मुकाबला करने वाली छह फ्रेंचाइजी हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली दंगल वारियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं। विश्व चैंपियनशिप के दौरान वजन प्रबंधन नहीं करने के कारण 21 साल के सहरावत पर लगा प्रतिबंध हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने हटा दिया था। वह हाल के सत्रों में भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक जीते। विश्व और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता दीपक पूनिया का आधार मूल्य 10 लाख रुपए है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नवीन भी इसी वर्ग में हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

पलक की कप्तानी में बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी बनी टी-20 चैंपियन

भोपाल, खेप्र। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी भोपाल ने स्टेट इंटर यूनिवर्सिटी गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट में जबलपुर को आठ विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी जबलपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट खोकर 109 रन बनाए। भोपाल की इशिता ने 2 विकेट लिए। जवाब में बरकतउल्ला की टीम ने पांच ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अनन्या दुबे (57) ने अर्धशतक जड़ा, जबकि कप्तान पलक वशिष्ठ ने नाबाद 26 रन बनाए। सेमीफाइनल में बरकतउल्ला ने ग्वालियर को 147 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। भोपाल ने निर्धारित 20 ओवर में 198 रन बनाए। जवाब में ग्वालियर निर्धारित ओवर में पांच विकेट खोकर 51 रन ही बन सका। पलक प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

देवांश व अदम्य के अर्धशतक, मयंक चतुर्वेदी अकादमी की मजबूत शुरुआत

भोपाल, खेप्र। देवांश यदुवंशी और अदम्य पचौरी के शानदार अर्धशतक की बदौलत मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी ने स्व. ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइज कप क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में एनसीसीसी के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। दो दिवसीय मैच के पहले दिन मयंक अकादमी ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 81 ओवर में सात विकेट पर 285 रन बनाए। अदम्य ने नाबाद 57 और देवांश ने 51 रन बनाए। पीयूष सिंह नाबाद 44 रन बनाकर लौटे। शिवांश चतुर्वेदी ने 38, प्रियांशु प्राण ने 32 एवं ओजस्व यादव ने 30 रन का योगदान दिया। एनसीसीसी के रिचित चौहान और अभिराज खरे ने 2-2 विकेट लिए। गौतम रघुवंशी और पवन निर्वाणी को एक-एक सफलता मिली।

रोलर स्केटिंगः शहर के शुभम व ओजस ने जीते स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। शहर के शुभम गुप्ता और ओजस राणा ने 69वीं राष्ट्रीय शालेय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता 2025 में स्वर्ण पदक अर्जित किए। अंडर-19 आयु वर्ग में शुभम ने 1000 मीटर रिंक रेस में यह पदक जीता। ओजस ने 500 मीटर रिंक रेस में शानदार जीत दर्ज कर सोने का तमगा हासिल किया। यह खिलाड़ी स्केटिंग कोच अनिल भटकर के मार्गदर्शन में अमर रोलर स्केटिंग ऑर्गनाइजेशन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। ऑर्गनाइजेशन के के अध्यक्ष जितेंद्र जैसवाल और सचिव अमर भटकर ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

शिवांश ने जीता रजत : शहर के स्केटर शिवांश कनौजी ने इंडिया शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ओपन में रजत पदक

अर्जित किया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में देहरादून में आयोजित की गई थी।

बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ नए वर्ष का स्वागत

इंडोनेशिया के बाली द्वीप की राजधानी देनपसार में नए साल की पूर्व संध्या पर पारंपरिक परेड के दौरान कलाकार पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए। रंग-बिरंगे परिधानों, फूलों से सजे मुकुटों और सजीव मुखौटों में सजे नर्तक बाली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करते नजर आए। ढोल, पारंपरिक वाद्यों और लोक-संगीत की ताल पर थिरकते कदमों के साथ यह परेड बुराई पर अच्छाई की विजय और नए वर्ष के स्वागत का प्रतीक मानी जाती है। सड़क के दोनों ओर स्थानीय लोग और पर्यटक इसके साक्षी बने। यह आयोजन न सिर्फ नए साल का स्वागत है, बल्कि बाली की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव भी है।

बफेट ने गुस्से में खरीदी थी बर्कशायर हैथवे, 95 साल की उम्र में हुए रिटायर

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के सबसे बड़े निवेशक वॉरेन बफेट 31 दिसंबर को बर्कशायर हैथवे के सीईओ पद से इस्तीफा दिया। 95 साल के बफेट जिस कंपनी के दम पर दुनिया के 9वें सबसे अमीर इंसान बने, उसे खरीदना ही वे अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती मानते हैं। बफेट ने यह कंपनी किसी बिजनेस डील के लिए नहीं, बल्कि गुस्से में आकर खरीदी थी। वहीं एक बार रिटायरमेंट पर बफेट ने कहा था- इस बारे में सोचना भी नामुमकिन है। मेरे लिए यह मौत से भी बदतर होगा। वे आज भी हफ्ते में पांच दिन ओमाहा स्थित हेडक्वार्टर जाते हैं। 1965 में जब वॉरेन बफेट ने बर्कशायर हैथवे का कंट्रोल हाथ में लिया था, तब यह एक संघर्ष कर रही टेक्सटाइल कंपनी थी। बफेट ने इसे दुनिया के सबसे बड़ी

कंपनियों में से एक में बदल दिया। आज बर्कशायर हैथवे 1.09 ट्रिलियन डॉलर यानी, करीब 98 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू वाली कंपनी है। इसके पास कोका-कोला, क्राफ्ट हेंज और एपल जैसे बड़े ब्रांड्स की हिस्सेदारी है, साथ ही जीको और नेटजेट्स जैसी कंपनियां भी इसके पोर्टफोलियो में शामिल हैं। बफेट ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल से बातचीत में मजाकिया लहजे में कहा, मैं घर बैठकर सोप ओपेरा (टीवी सीरियल) नहीं देखने वाला।

बफेट ने कहा था- बर्कशायर खरीदना सबसे बड़ी गलती थी

जिस कंपनी के दम पर बफेट दुनिया के टॉप-10 अमीरों में शामिल हुए, उसे ही वे अपनी सबसे बड़ी गलती मानते हैं। बफेट के मुताबिक, उन्होंने 1962 में सिर्फ इसलिए इस कंपनी को खरीदा था क्योंकि इसके मैनेजमेंट ने उन्हें धोखा दिया था। 1964 में बर्कशायर के मालिक मिस्टर स्टैंटन ने वादा किया था कि उनके पास बर्कशायर के जितने भी स्टॉक है उसे वो 11.50 डॉलर के भाव पर खरीद लेंगे। कुछ दिनों बाद जब लेटर आया तो कीमत 11.375 डॉलर थी। यानी, जितने प्राइस में बात हुई थी उससे 12 सेंट कम। इस धोखाधड़ी से बफेट को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने स्टॉक बेचने के बजाय पूरी कंपनी ही खरीद ली।

संक्षिप्त समाचार

यमन से सैनिक वापस बुलाएगा यूएई

अबू धाबी, जेएनएन। संयुक्त अरब अमीरात ने यमन से अपनी सेना वापस बुलाने का फैसला किया है। यूएई ने कहा है कि वह यमन में चल रहे अपने आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन को खत्म कर रहा है। यह फैसला ऐसे समय किया गया है जब सऊदी अरब ने यूएई पर यमन के अलगाववादी गुट एसटीसी को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। इससे पहले यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने यूएई से कहा था कि वह 24 घंटे के भीतर अपनी सेना यमन से हटा ले। इस मांग को सऊदी अरब का भी समर्थन मिला था। इसके कुछ ही समय बाद यूएई ने अपनी सेना वापस बुलाने की घोषणा कर दी।

150 किलो विस्फोटक के साथ दो गिरफ्तार

जयपुर, जेएनएन। राजस्थान के टोंक में कार से 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) ले जा रहे 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि ये अमोनियम नाइट्रेट टोंक में ही सप्लाई होना था। मामला बरौनी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 स्थित चिरौंज गांव का है। कार सवार लोगों ने यूरिया खाद के कट्टों में इस विस्फोटक को छुपा कर रखा था, ताकि पकड़ में न आ सके। डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि ये अमोनियम नाइट्रेट किसी भी विस्फोट की घटना को अंजाम देने में काफी है। जांच की जा रही है कि इन लोगों ने विस्फोटक कहां से, किससे खरीदा था।

2026 में 7 बड़े बदलाव: नए साल में हो सकती है सैलरी और पेंशन में बढ़ोत्तरी

अब 7 लाख के बदले 12 लाख रुपए तक की कमाई होगी टैक्स से मुक्त

नई दिल्ली, जेएनएन। नए साल में सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारियों की सैलरी और रिटायर्ड लोगों की पेंशन बढ़ सकती है। वहीं 1 जनवरी से सीएनजी और घरेलू पीएनजी के दाम 2 से 3 रुपए तक कम हो जाएंगे। हालांकि कई बचत योजनाओं पर ब्याज भी घट सकता है। इसके अलावा 12 लाख की कमाई टैक्स फ्री हो जाएगी।

01 सैलरी: केंद्र सरकार ने 8वां वेतन आयोग लागू किया

8वें वेतन आयोग से बढ़ सकती है सैलरी केंद्र सरकार ने 8वां वेतन आयोग लागू करने का ऐलान किया है। अभी टाइमलाइन नहीं बताई गई है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है यह जनवरी 2026 से लागू हो सकता है। सरकार का कहना है कि इसका मकसद केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन और अलाउंस को रिवाइज करना है। इससे कर्मचारियों को मिलने वाली रकम बढ़ेगी। मान लीजिए 7वें वेतन आयोग के हिसाब अभी आपकी बेसिक सैलरी 35,400 रुपए है तो इसमें डीए और एचआरए के बाद ये करीब 65,500 रुपए हो जाती है। वहीं 8वें वेतन आयोग के बाद ये 1 लाख 10 हजार के पार हो सकती है।

02 सीएनजी सस्ती

सीएनजी और घरेलू पीएनजी सस्ती होंगी पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड ने नए साल से गैस ट्रांसपोर्टेशन चार्ज को कम किया है। इसके बाद देश के अलग-अलग राज्यों में सीएनजी और घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी की कीमतें 2-3 प्रति यूनिट तक घट जाएंगी।

03 अब बचेगा पैसा

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए न्यू टैक्स रिजीम के तहत आईटीआर फाइल करने पर अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ छूट 12.75 लाख हो जाएगी। पहले ये लिमिट 7 लाख रुपए थी।

04 स्मॉल सेविंग स्कीम्स

इस महीने के आखिर यानी 31 दिसंबर तक स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों में कटौती का ऐलान हो सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। ऐसे में सरकारी बचत योजनाओं की दरें भी कम होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

05 कारें हो सकती हैं महंगी

मारुति, टाटा, एमजी और हुंडई जैसी कंपनियों की गाड़ियां 1 जनवरी से महंगी हो सकती हैं। एमजी ने दाम बढ़ाने की घोषणा भी कर दी है, वहीं बाकी कंपनियां भी जल्द ही इसकी घोषणा कर सकती हैं। इनपुट कॉस्ट बढ़ने से एमजी मोटर ने कारों की कीमत 2 प्रतिशत तक बढ़ाई है। इससे एमजी हेक्टर 38 हजार रुपए महंगी मिलेगी। स्त्र के अलावा लग्जरी सेगमेंट में मर्सिडीज और बीएमडब्ल्यू ने 2-3 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने का ऐलान किया है।

06 रेलवे रिजर्वेशन के लिए आधार जरूरी

12 जनवरी से ऐसे यूजर्स जिनका अपना आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक नहीं है, वो सुबह 8 से रात 12 बजे तक टिकट बुक नहीं कर सकेंगे। ये नियम केवल रिजर्व टिकट बुकिंग खुलने के पहले दिन के लिए हैं। रिजर्वेशन के लिए ट्रेन डिपार्चर की तारीख से 60 दिन पहले खुलती है। जिस दिन ये बुकिंग खुलती है इसे ही पहला दिन माना जाता है। इसका मकसद ओपनिंग डे पर ज्यादा से ज्यादा पैसेंजर्स को ऑनलाइन टिकट बुक करने का मौका देना है और फर्जी अकाउंट्स के जरिए होने वाली बुकिंग को रोकना है।

07 नया इनकम टैक्स एक्ट लागू होगा

1 अप्रैल 2026 से नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा। यह 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। सरकार का कहना है कि नया बिल टैक्स कानूनों को आसान बनाएगा। इससे टैक्स रेट में कोई बदलाव नहीं होगा।

लीगल इमरजेंसी पर सीजेआई का बड़ा फैसला

अब इंसाफ के लिए 24 घंटे खुलेगी देश की अदालत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की सुनवाई पर बड़ा फैसला लिया है। उनका कहना है कि लीगल इमरजेंसी में कोई भी व्यक्ति किसी भी समय अदालतों का दरवाजा खटखटा सकता है। सीजेआई सूर्यकांत के अनुसार, जांच एजेंसियों के द्वारा गिरफ्तारी की धमकी दी जाने की स्थिति में अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए आधी रात को भी सुनवाई की मांग की जा सकती है। जस्टिस सूर्यकांत का कहना है, मैं प्रयास कर रहा हूं कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय जनता के लिए हमेशा उपलब्ध रहें। न्यायालय की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी व्यक्ति लीगल इमरजेंसी में कोर्ट पहुंच सके।

संवैधानिक पीठ का होगा गठन: सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालयों में भारी संख्या में याचिकाएं लंबित पड़ी हैं, जिनके निपटारे के लिए अधिक से अधिक संवैधानिक पीठ का गठन करने की जरूरत है। इन याचिकाओं में एसआईआर जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। बिहार के बाद 11 राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया चल रही है, जिसे अदालत में चुनौती दी गई है।

9 सदस्यीय पीठ बनाने पर विचार
सीजेआई सूर्यकांत के अनुसार, सबरीमाला मंदिर में हर उम्र की महिला को प्रवेश करने की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ भी याचिका दायर हुई है। यह मामला धार्मिक स्वतंत्रता और महिला अधिकारों के बीच टकराव का है, जिसके लिए नौ सदस्यीय पीठ बनाने की जरूरत है।

वकीलों के लिए भी बदले नियम: सीजेआई सूर्यकांत ने वकीलों के लिए भी नए नियम लागू करने के आदेश दिए हैं। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण मामलों में वकील कई दिनों तक बहस जारी नहीं रख सकते हैं। इसके लिए समयसीमा लागू की जाएगी। इसके अलावा अब सुप्रीम कोर्ट के वकील तय समय सीमा के भीतर अपनी मौखिक दलीलें रखेंगे। उन्हें समय सीमा का कड़ाई से पालन करना होगा।

कब-कब हुई आधी रात को सुनवाई?

पहले भी कई बार सुप्रीम कोर्ट ने कुछ मामलों पर रात को सुनवाई की है। 2005-06 में निठारी कांड, 1992 में अयोध्या विवाद, 2018 में कर्नाटक सरकार मामला, 1993 में याकूब मेमन फांसी मामले में शीर्ष कोर्ट ने आधी रात को सुनवाई की थी।

2026: संकल्प भूलें, यह खोजें कि आप वास्तव मे क्या चाहते हैं

तुषार गोरे, एमडी रिजोनेंस लेब्रोट्रीज, बेंगलुरु

नया साल बस आने ही वाला है और उसके साथ ही नए साल के संकल्प तय करने की सालाना रस्म भी। जिन गतिविधियों को हम अपने संकल्पों में प्राथमिकता देते हैं, वे हमारी इच्छाओं और कामनाओं से प्रेरित होती हैं। जैसे—'व्यायाम करके वजन कम करना' वाला संकल्प। इसके पीछे असल में 'अच्छा दिखना' या 'बेहतर महसूस करना' की इच्छा होती है। इसी तरह, कम तनाव में रहना और समय-सीमाओं को बेहतर ढंग से संभाल पाना 'टास्क-लिस्ट इस्तेमाल करने' जैसे संकल्प की प्रेरणा हो सकता है। लेकिन हम में से बहुत से लोग संकल्प तय करने से पहले अपनी इच्छा को साफ-साफ लिखने या समझने से शुरुआत नहीं करते। 'इच्छा से गतिविधि' तक का यह सफर अक्सर अपने आप और अनजाने में तय हो जाता है।

जब हम इच्छाओं के बारे में सोचते हैं, तो सवाल उठता है- क्या हम अपनी सबसे गहरी इच्छाओं और चाहतों पर काम कर रहे हैं? किसी भी शुरुआती मैनेजमेंट कोर्स का पहला सबक होता है कि सबसे महत्वपूर्ण या सबसे असरदार प्रोजेक्ट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसी विचार को निजी जीवन में लागू करें, तो नए साल का संकल्प हमारी सबसे गहरी इच्छाओं के अनुरूप होना चाहिए- खासकर उन इच्छाओं के, जो अभी पूरी होने की राह पर नहीं हैं। और इस विचार को और आगे बढ़ाएं, तो एक और सवाल सामने आता है- क्या हमें अपनी सबसे गहरी इच्छाओं का सचमुच पता भी है? हाल ही में मुझे हैरी पॉटर की दुनिया का 'मिरर ऑफ एराइज्ड' याद आया। यह दर्पण देखने वाले की सबसे गहरी इच्छा को दिखाता है- 'एराइज्ड' दरअसल 'डिजायर' (इच्छा) को उल्टा लिखने से बना शब्द है और उस व्यक्ति को ऐसी गतिविधि का आनंद लेते हुए दर्शाता है, जिससे उस इच्छा की पूर्ति होती दिखाई दे।

हैरी के लिए यह दर्पण उसे उसके दिवंगत माता-पिता को गले लगाते हुए दिखाता है। रॉन के लिए यह उसे क्विडिच कप पकड़े हुए और टीम द्वारा सम्मानित होते हुए दिखाता है। उपन्यास 'हैरी पॉटर एंड द फिलॉसफर्स स्टोन' में, इस दर्पण के साथ स्कूल के प्रधानाचार्य ऐल्बस डंबलडोर की चेतावनी जुड़ी है कि यह दर्पण लोगों को अपने जाल में फंसा सकता है और उन्हें लगभग पागलपन की हद तक ले जा सकता है, क्योंकि वे असंभव को घटित होते देखने के लिए घंटों दर्पण के सामने बैठे रहते हैं। लेकिन एराइज्ड जैसा सक्षम उपकरण बेहद उपयोगी भी हो सकता है। क्योंकि हम में से बहुत से लोग अपनी सबसे गहरी इच्छाओं को पहचान ही नहीं पाते।

हम सचमुच क्या चाहते हैं? हैरी पॉटर की कहानियों में दर्पण ने पूर्ण रिश्तों की चाह और

किसी असाधारण उपलब्धि के बाद साथियों से मिलने वाली स्वीकृति और पहचान की इच्छा को प्रतिबिंबित किया। ये दोनों इच्छाएं अक्सर मानवीय आकांक्षाओं की शीर्ष सूची में शामिल होती हैं। इसके अलावा कुछ विशिष्ट भौतिक वस्तु या अनुभव पाने की इच्छा भी हो सकती है। चूंकि बात सबसे गहरी इच्छा की है, इसलिए यह किसी वस्तु या अनुभव से जुड़ी अधिक मूलभूत, आदिम चाह भी हो सकती है।

फिर कुछ इच्छाएं कौशल और प्रतिभा से जुड़ी होती हैं। जैसे- संगीत, खेल, विश्लेषणात्मक क्षमता, या लोगों को समझने की शक्ति की चाह। व्यवसाय में और सामान्य जीवन में भी सही निर्णय लेने की क्षमता एक अद्भुत कौशल है। ऐसी विशेषज्ञता एक 'मेटा-स्किल' हो सकती है, जिसके होने से जीवन हर स्तर पर आसान हो जाता है, क्योंकि हर परिस्थिति में व्यक्ति सबसे बेहतर निर्णय ले पाता है। (हालांकि किसी पटकथा के लिए यह दिखाना बड़ी चुनौती होगी कि कोई दर्पण इच्छा पूर्ति होते हुए कैसे दिखाए।) इतनी इच्छाओं की सूची में से क्या हम सबसे प्रिय इच्छा पहचान पाते हैं? गहरी इच्छा को जाने बिना, हम ऐसे प्लान और संकल्प बना सकते हैं जो गलत दिशा में हों और भले ही वे पूरे हो जाएं, अंततः किसी गौण इच्छा की ही पूर्ति करेंगे। तो बिना किसी दर्पण के इस रहस्य को कैसे उजागर किया जाए?

आत्मचिंतन एक तरीका हो सकता है- हालांकि किसी बाहरी वस्तु (जैसे दर्पण) की कल्पना इसलिए की गई है, ताकि समझाया जा सके कि आत्म-ज्ञान शायद ही कभी पूर्ण होता है। दूसरों से फीडबैक लेना एक और तरीका है। अपनी आशाओं (इच्छाओं) को लिखना, और परिवार व करीबी दोस्तों से फीडबैक लेना, इन छिपे हुए रहस्यों पर रोशनी डाल सकता है। कई बार अपने प्रियजनों से कही गई हमारी अनगढ़ बातें अनजाने में ही हमारी सबसे गहरी इच्छाओं को प्रकट कर देती हैं।

यह नया साल संकल्प बनाने के बजाय 'आत्ममंथन और प्रतिक्रियाएं तलाशने' का हो सकता है। आप सभी को आने वाले नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं।

अब चीन का दावा- हमने रुकवाया भारत-पाक संघर्ष

कई लड़ाई सुलझाने में की मदद: चीन तीसरे पक्ष का कोई रोल नहीं: भारत

बीजिंग, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद अब चीन ने भी यह दावा किया है कि उसने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव को कम कराने में भूमिका निभाई थी। चीन का कहना है कि जब इस साल दोनों देशों के बीच हालात बिगड़ गए थे, तब उसने बीच में आकर तनाव कम करने की कोशिश की। मंगलवार को बीजिंग में एक कार्यक्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, चीन दुनिया के कई संघर्षों को सुलझाने में मदद करता रहा है। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तनाव के दौरान भी चीन ने मध्यस्थता की थी। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि भारत सरकार ने चीन के इस दावे को खारिज किया है। भारत ने कहा है कि संघर्ष को रुकवाने में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं है। चीन का यह बयान उस समय को लेकर है, जब इस साल मई में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे कुल मिलाकर 11 एयरबेस को नुकसान पहुंचा था। भारत ने यह हमला 22 अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

चीन और ट्रंप के दावों के उलट भारत सरकार पहले भी साफतौर पर कह चुकी है कि इस पूरे मामले में किसी भी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत का कहना है कि यह तनाव सीधे भारत-पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत से ही खत्म हुआ। भारत के मुताबिक, भारी नुकसान होने के बाद पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी ने भारतीय सैन्य अधिकारी से संपर्क किया था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय डीजीएमओ से बात की और इसके बाद दोनों देशों ने 10 मई से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी। चीन के इस नए दावे के बाद उसकी भूमिका को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। क्योंकि चीन और पाकिस्तान के रिश्ते बहुत करीबी माने जाते हैं। चीन, पाकिस्तान को सबसे ज्यादा हथियार देने वाला देश है, इसलिए उस पर सवाल उठते रहे हैं।

एक लॉन्चर से बैक-टू-बैक दो प्रलय मिसाइल लॉन्च

बालासोर, जेएनएन। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बुधवार को ओडिशा तट के पास प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान एक ही लॉन्चर से बैक टु बैक दो प्रलय मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों की पूरी उड़ान पर नजर रखने के लिए चांदीपुर में स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के सेंसर लगाए गए थे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परीक्षण सुबह करीब 10:30 बजे किया गया। 7500 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली यह मिसाइल 1000 किलो बारूद ले जा सकती है। यह मिसाइल भारत के प्रमुख सेना कैंप फिरोजपुर, जैसलमेर, भुज से पाकिस्तान के 10 बड़े शहर लाहौर, फैसलाबाद, गुजरांवाला, रावलपिंडी, इस्लामाबाद, बहावलपुर, मुल्तान, लाहौर, कराची, हैदराबाद, सुक्कुर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की सामरिक मिसाइल क्षमता के लिए एक अहम उपलब्धि बताया है। प्रलय शॉर्ट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है और पूरी तरह स्वदेशी है और डीआरडीओ ने ही इसे बनाया है। इससे पहले डीआरडीओ ने 28-29 जुलाई को ओडिशा तट पर ही प्रलय मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए थे। ये परीक्षण सेना और वायुसेना के उपयोग की जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) के तहत किए गए थे। स्वदेशी तकनीक से विकसित इस आधुनिक क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल के जल्द हीं भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल किया जाना है। जिससे देश की रक्षा क्षमता और आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी।

खालिदा की अंतिम विदाई: जयशंकर ने की अयाज सादिक से मुलाकात

ढाका, जेएनएन। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ढाका में पाकिस्तानी संसद के स्पीकर अयाज सादिक से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने हाथ भी मिलाया। दोनों बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया के फ्यूनरल में पहुंचे थे। भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली बार है जब दोनों देशों के बड़े नेताओं ने आमने-सामने मुलाकात की और हाथ मिलाया। इसी वजह से यह मुलाकात कूटनीतिक तौर पर अहम मानी जा रही है। इससे पहले एशिया कप क्रिकेट मैच के दौरान टीम इंडिया ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। जिस पर खूब विवाद हुआ था। इससे पहले खालिदा जिया को कल शाम 5 बजे सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जिया को संसद परिसर स्थित जिया उद्यान में उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास दफनाया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री भदभदा रोड संभाग
भोपाल-03, Mobile No. : 9425601545
ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/1390/पयं/भोपाल-03/तशा/2025
भोपाल, दिनांक : 31.12.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 अंतर्गत External Electrification work 33 KV Line Shifting at Outdoor Stadium Gairatganj Distt. Raisen हेतु निविदा क्रमांक.-17/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक 472220 आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक-10.01.2026 सायं 5:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/123778/2025 — परियोजना यंत्री

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M.P. Undertaking)
Office of The Dy. General Manager (O&M) Division Narmdapuram
Phone No. : 07574-256448 E-mail : dgm.hbd@gmail.com
No:-/DGM/O&M/Veh/3932 — Narmdapuram, Dated : 30.12.2025

NOTICE INVITING E-TENDER

MPMKVVCL hereby invited offer for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations :-

Name of Unit/Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
Manager Narmadapuram Town Zone-I Under O&M Division Narmadapuram	Type F3 : Mini Pickup – Double cabin with ladder or equivalent Vehicle (For Single Shift).	3000/-	12.01.2026 03:00 pm	13.01.2026 3:30 pm

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/123780/2025 — DGM (O&M)

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- | संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sq.cm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 640/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

एक साथ जन्मे तीन बच्चे स्वस्थ होकर लौटे

जागरण, सतना। जिला अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) से एक साथ जन्मे तीन शिशुओं को पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद घर भेजा गया। एक माह नौ दिन तक इलाज के बाद 30 दिसंबर को तीनों बच्चों को डिस्चार्ज किया। जिला अस्पताल में यह पहली बार है, जब ट्रिपलेट प्रसव के बाद तीनों नवजात सुरक्षित और स्वस्थ घर लौटे हैं। मैहर क्षेत्र के बुडेखन की रंजना पटेल ने तीन शिशुओं को जन्म दिया था।

दौड़ती कार में लगी आग, कूदकर बचाई जान

जागरण, जबलपुर। बरेला थाने की गौर पुलिस चौकी क्षेत्रातंर्गत समाधि रोड स्थित टीएफआरआई के समीप दौड़ती मारुति वैन में अचानक आग भड़क गई। कुछ ही पल में मारुति वैन आग का गोला बन गई। वैन में आग लगते हुए उसके सवार व्यक्तियों ने तत्काल नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। पुलिस के अनुसार समाधि रोड से गुजर रही मारुति वैन के इंजन से अचानक धुआं निकलने लगा।

नए साल में बदलेगी प्रदेश की तस्वीर

मेट्रो, प्रदूषण, ट्रैफिक, रोजगार और शिक्षा: हर मोर्चे पर बड़े फैसले

जागरण टीम, भोपाल। नया साल 2026 मध्य प्रदेश, खासकर राजधानी भोपाल के लिए विकास और प्रशासनिक सुधारों का साल बनने जा रहा है। बुनियादी ढांचे से लेकर पर्यावरण, सड़क सुरक्षा, रोजगार और शिक्षा तक कई ऐसे फैसले हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। सरकार और प्रशासन का दावा है कि इन योजनाओं से राजधानी अधिक सुगम, सुरक्षित और अवसरों से भरी बन सकेगी। कुल मिलाकर, 2026 भोपाल और मध्य प्रदेश के लिए बुनियादी बदलावों का साल साबित हो सकता है, जहां विकास योजनाएं ज़मीन पर उतरती दिखाई देंगी।

भोपाल मेट्रो: पहली अंडरग्राउंड लाइन की शुरुआत

आठ साल के लंबे इंतजार के बाद 2025 में भोपाल मेट्रो का संचालन शुरू हो चुका है, लेकिन परियोजना अभी पूरी नहीं हुई है। एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अनुसार, शेष 23 किलोमीटर ट्रैक को पूरा करने में ढाई साल और लगेंगे। पूरे कॉरिडोर को जून 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी बीच 2026 में भोपाल के लिए एक अहम कदम उठाया जाएगा। नादरा बस स्टैंड से सिंधी कॉलोनी के बीच पहली बार अंडरग्राउंड मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण शुरू होगा। यह टनल जमीन से करीब 65 फीट नीचे बनेगी। इसके साथ भोपाल से काजीकैंप तक एलिवेटेड कॉरिडोर को भी 2026 में पूरा करने की योजना है, जिससे घनी आबादी वाले इलाकों में ट्रैफिक दबाव कम होगा।

प्रदूषण पर नियंत्रण: ई-बसें और सीएनजी वाहन

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए 2026 में सार्वजनिक परिवहन और नगर निगम की व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत भोपाल को इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी, जिनका संचालन बीसीएलएल करेगा। इससे न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि सार्वजनिक परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा। नगर निगम डीजल वाहनों की जगह सीएनजी वाहनों से कचरा संग्रहण करेगा। अधिकारियों के मुताबिक इस साल 100 से अधिक सीएनजी वाहन खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही शहर में बड़े पैमाने पर पौधरोपण और अमृत योजना 2 के तहत सीवेज लाइन बिछाने का काम भी किया जाएगा, ताकि साफ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

ट्रैफिक और सड़क सुरक्षा: दुर्घटनाओं पर फोकस

भोपाल में ट्रैफिक सुधार और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए नई रणनीति बनाई गई है। शहर के प्रमुख चौराहों पर 39 लेफ्ट टर्न बनाए जाने हैं, जिनमें से पहले चरण में 11 लेफ्ट टर्न का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है। इसके अलावा गंभीर सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की जांच के लिए 'एक्सीडेंटल सेल' बनाई गई है। यह टीम यह पता लगाएगी कि हादसे मानवीय गलती से हुए या सड़क और ढांचे की खामियों के कारण, ताकि समय रहते सुधार किया जा सके।

उद्योग और रोजगार: नए निवेश से उम्मीद

नए साल में भोपाल और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश धरातल पर उतरेगा। गोविंदपुरा में मल्टी स्टोरी इंडस्ट्रियल शेड बनाए जाएंगे, जहां एक ही परिसर में कई यूनिट्स को जगह मिलेगी। इससे एक हजार से अधिक रोजगार पैदा होने की संभावना है। इसके अलावा अचारपुरा, बगरोदा, आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर और टेक्सटाइल पार्क में नई यूनिट्स शुरू होंगी, जिससे हजारों युवाओं को काम मिलेगा।

शिक्षा: डिजिटल और संरचनात्मक सुधार

शिक्षा के क्षेत्र में 2026 में कई फैसले लागू होंगे। प्रदेश में सांदीपनी स्कूल खोले जाएंगे, कॉलेजों में कंप्यूटर लैब और डिजिटल लाइब्रेरी तैयार होंगी। विश्वविद्यालयों के भवन निर्माण, डिजिटल वैल्यूएशन और शिक्षकों की भर्ती के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

बाहर से आने वाले लोगों की करेंगे निगरानी, बनाया जाएगा डाटा

राजधानी में आकर कुछ बदमाश क्राइम करते हैं और चुपचाप निकले जाते हैं। ऐसे में इनको खोजने या उनकी पहचान में समस्या आती है। बाहरी लोगों की पहचान स्थापित करने के लिए उनकी निगरानी की जाएगी। उनका डाटा बनाया जाएगा। यह कहना है पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र का। उन्होंने कहा कि पुलिस संगठित अपराध पर लगातार प्रहार करती रहेगी। ऑर्गेनाइज क्राइम को राजधानी से जड़ से खत्म करने के लिए बदमाशों की डाटा तैयार है। चालान पेश होते ही ऐसे गिरोह को समाप्त किया जाएगा। बदमाशों में पुलिस की वर्दी का खौफ रहेगा। इसके अलाव पिछले दिनों पुलिस कमिश्नरेट ने गुमी कई बच्चियों को दस्तयाब किया है। हमारी प्राथमिकता है कि पूर्व में गुमी और भी बच्चियों पर उनके घर लाएंगे।

संगठित अपराध पर लगातार जारी रहेगा प्रहार, गुमी पुरानी बच्चियों को लाएंगे घर

"ट्वीट ऑफ द डे"

संबित पात्रा
भाजपा प्रवक्ता

ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले में एक जनसभा के दौरान कहा कि शाह कोलकाता के जिस होटल में ठहरे हुए हैं वहां से बाहर वह उनकी मर्जी से ही निकल पाए हैं। ममता बनर्जी ने देश के गृह मंत्री को ऐसी भाषा में धमकी दी है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। बंगाल में ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है। पिछले चुनावों के दौरान हमारे पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हमला किया गया था।

19 विषयों में 949 असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त करने एमपीपीएससी लेगा परीक्षा

भर्ती के लिए जारी किया विज्ञापन, महिला उम्मीदवारों को आयुसीमा में पांच साल की छूट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने 567 कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एमपीपीएससी को भेजी गई डिमांड के तहत विज्ञापन जारी किए गए हैं। उम्मीदवार एक माह तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी, जिसे उम्मीदवार एमपीपीएससी के आधिकारिक पोर्टल से पूरा कर पाएंगे। परीक्षा कराने के लिए एमपीपीएससी पूर्व में अधिसूचना जारी कर चुका है। एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए उम्मीदवारों का यूजीसी/सीएसआईआर/ आईसीएआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) अथवा राज्य पात्रता परीक्षा (सेट)/राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (स्लेट) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। हालांकि, यूजीसी के नियमों के तहत पीएचडी डिग्री धारक उम्मीदवारों को नेट, सेट की अनिवार्यता से छूट प्रदान की गई है। अभ्यर्थियों की सभी शैक्षणिक योग्यताएं भारत या विदेश के किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय और संस्थान से प्राप्त होनी चाहिए। आयु सीमा की बात करें तो उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष व अधिकतम आयु 40 वर्ष रखी गई है। मप्र के अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और महिला उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट दी गई है, जिसके अनुसार इनके लिए ऊपरी आयु सीमा 45 वर्ष होगी।

तीन तिथियों में जमा होंगे आवेदन

27 से 26 मार्च तक
- हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, भूगोल, इतिहास, मनोविज्ञान, विधि, भूविज्ञान, योगिक विज्ञान।

27 मार्च से 26 अप्रैल तक
- वाणिज्य, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजविज्ञान।

17 अप्रैल से 16 मई तक
- भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित, कंप्यूटर विज्ञान।

परीक्षा और इंटरव्यू से बनेगा अंतिम रिजल्ट

भर्ती प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में ऑफलाइन ओएमआर आधारित लिखित परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रकार के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इस परीक्षा में गलत उत्तर देने पर नकारात्मक अंकन भी लागू रहेगा। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को दूसरे चरण में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। अंत में लिखित परीक्षा और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों को मिलाकर अंतिम मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर चयन किया जाएगा। उम्मीदवार पहली बार आवेदन कर रहे हैं, तो उन्हें सबसे पहले नई प्रोफाइल बनाना होगी। इसके लिए नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और अन्य जरूरी जानकारी दर्ज करना होगी। लॉगिन करने के बाद आवेदन फॉर्म में व्यक्तिगत विवरण, शैक्षणिक योग्यता और अन्य मांगी गई जानकारी सावधानी से भरें।

32 इंजीनियर की भर्ती करने 22 मार्च को होगी परीक्षा

एमपीपीएससी ने जल संसाधन विभाग, किसान कल्याण व कृषि विकास विभाग और स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 32 इंजीनियर की भर्ती करने के लिए राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2025 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। उम्मीदवार 20 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। उम्मीदवारों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 फरवरी रखी गई है। परीक्षा 22 मार्च को आयोजित की जाएगी जो भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से इंजीनियरिंग में डिग्री होना अनिवार्य है। इसके अलावा उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए, जबकि अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष तय की गई है। आयु की गणना एक जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2025 के लिए आवेदन ऑनलाइन जमा किए जाएंगे। उम्मीदवार आयोग की वेबसाइट के माध्यम से ही आवेदन कर सकेंगे, अन्य किसी भी तरीके से भेजे गए फॉर्म मान्य नहीं होंगे।

2026 में शेयर बाजार सतर्क

सर्वे: उम्मीदों के बीच बेहतर संतुलन की तलाश

निवेशक 2026 को कमाई का मान रहे ट्रांजिशन ईयर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय शेयर बाजार 2026 में ऐसे समय प्रवेश कर रहा है, जब उत्साह और सतर्कता दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। एक ओर वैश्विक अनिश्चितता, ऊंची ब्याज दरें और सीमित लिक्विडिटी जैसे जोखिम बने हुए हैं, तो दूसरी ओर देश की अर्थव्यवस्था और कॉरपोरेट आय में धीरे-धीरे सुधार के संकेत भी दिख रहे हैं। ऐसे में एक ताजा सर्वे के मुताबिक, बाजार के अधिकांश प्रतिभागियों का मानना है कि मौजूदा वैल्यूएशन बहुत ज्यादा महंगा नहीं है। 2026 को एक 'कमाई का ट्रांजिशन ईयर' माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार वित्त वर्ष 26 अपेक्षाकृत शांत रह सकता है, जबकि असली कमाई की रिकवरी ख्र्ड्ड27 में तेज होने की संभावना है। यानी निवेशकों को त्वरित मुनाफे की बजाय धैर्य और दीर्घकालिक दृष्टि अपनाने की ज़रूरत होगी।

87% इक्विटीज में निवेश के लिए रिस्क-रिवार्ड अनुकूल है। इसका मतलब यह नहीं कि रास्ता आसान है, बल्कि यह संकेत है कि जोखिम के अनुपात में संभावित रिटर्न बेहतर रहेगा।

नकद को लेकर सोच बदली

87% लोग एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध निवेश को बेहतर मानते हैं। 2026 में निवेशकों की पहली पसंद बड़े कैप शेयर हैं फिर मिड व स्मॉल कैप्स।

77% लोगों का कहना है कि भारतीय शेयर इस समय 'फेयरली वैल्यूड' हैं।

यह आंकड़ा बताता है कि 2024-25 जैसी तेज रैली के बाद भी निवेशकों को अभी पूरी तरह बुलबुले जैसी स्थिति महसूस नहीं हो रही।

एसेट क्लास

71% बाजार प्रतिभागियों का मानना है कि 2026 में सोना-चांदी, निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन नहीं करेंगे। यह संकेत देता है कि जोखिम से बचने के पारंपरिक साधनों की तुलना में इक्विटी पर भरोसा अभी भी कायम है, भले ही पूरी तरह आक्रामक रुख न अपनाया जाए।

संक्षिप्त खबरें

कोचिंग जा रहे छात्र को हाईवे पर ट्रक ने कुचला

जागरण, मुरैना। कोचिंग जा रहे 12वीं के एक छात्र को बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। हादसा नेशनल हाईवे-44 पर हुआ। छात्र रोड क्रॉस कर रहा था, तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ड्राइवर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। मृतक की पहचान 15 साल के प्रशांत जाटव निवासी गंगाराम का पुरा, बानमौर के रूप में हुई है। वह सुबह करीब 8 बजे घर से कोचिंग जाने के लिए निकला था। हाईवे क्रॉस करते समय राजस्थान पासिंग ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। ट्रक का पहिया छात्र के ऊपर से निकल गया, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

चिरुला व सरसोकी स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव शुरू

जागरण, दतिया। रेल यात्रियों के लिए नए साल की शुरुआत अच्छी खबर के साथ होगी। उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और जनप्रतिनिधियों व आमजन की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए चिरुला और सरसोकी रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की मंजूरी दी है। निर्णय 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 11901/11902 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आगरा-झांसी एक्सप्रेस अब दतिया जिले में स्थित चिरुला स्टेशन पर ठहरेगी। झांसी से आगरा जाते समय गाड़ी संख्या 11901 शाम 4.23 बजे चिरुला स्टेशन पहुंचेगी और 4.24 बजे रवाना होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 11902 आगरा से झांसी जाते समय सुबह 11.11 बजे चिरुला स्टेशन पहुंचेगी और 11.12 बजे प्रस्थान करेगी। साथ ही गाड़ी संख्या 64607/64608 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर-झांसी मेमू का सरसोकी स्टेशन पर ठहराव रहेगा।

कार्रवाई: ईडी इंदौर ने कसा कारोबारी नितिन कासलीवाल पर शिकंजा

लंदन में 150 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच की 1400 करोड़ के लोन घोटाले में कार्रवाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इंदौर यूनिट ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भगोड़े कारोबारी नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार की लंदन स्थित बेहद कीमती संपत्ति को अटैच कर लिया है। बुधवार को ईडी से मिली जानकारी के अनुसार लंदन के बकिंघम पैलेस के पास प्राइम लोकेशन पर स्थित इस संपत्ति की अनुमानित कीमत लगभग 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है। नितिन कासलीवाल एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हैं। उन पर भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम (समूह) के साथ लगभग 1400 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। इस संबंध में उनके खिलाफ कई एफआईआर भी दर्ज हैं। नितिन कासलीवाल ने एक दशक पहले अमेरिकी कंपनी हार्टमार्क्स को खरीदकर हलचल मचा दी थी। अमेरिका केतत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा भी इस ब्रांड के कपड़े पहनते थे। इसके पहले वे रीड एंड टेलर नाम के फैशन ब्रांड को भारत में लाए थे और अमिताभ बच्चन और रितिक रोशन को इसका ब्रैंड एम्बेसेडर बनाया था। हालांकि इस दौरान उनके परिवार में विवाद बढ़ने के बाद कंपनी का कर्ज तेजी से बढ़ा और मंदी के बाद यह बढ़कर 3858 करोड़ हो गया।

इस तरह किया करोड़ों का लोन घोटाला

ईडी की की जांच में सामने आया है कि कासलीवाल ने विदेशों में टैक्स बचाने के लिए ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, जर्सी और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में ट्रस्ट और कंपनियों का एक नेटवर्क बनाया था। जांच में कैथरीन ट्रस्ट (पुराना नाम सूर्या ट्रस्ट) का पता चला है, जिसके कर्ताधर्ता नितिन कासलीवाल और उनका परिवार है। इसी ट्रस्ट के जरिए जर्सी और वर्जिन आईसलैंड्स में स्थित कैथरीन प्रॉपर्टी होल्डिंग लिमिटेड नामक कंपनी बनाई गई थी और उसी के नाम पर लंदन की ये बेशकीमती प्रॉपर्टी खरीदी गई थी। जांच में यह भी पाया गया कि कासलीवाल ने बैंकों से ठगे गए पैसे को विदेशी निवेश के बहाने भारत से बाहर भेजा। फिर अपने ट्रस्टों और शेल कंपनियों के जरिए इन पैसों से विदेश में कई संपत्तियां खरीदीं। ईडी ने बताया है कि 23 दिसंबर 2025 को की गई छापेमारी में कई डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

गिरवी रखे मकान पर बिना अनुमति इमारत बनाकर बेचे फ्लैट

ईओडब्ल्यू ने 13 साल बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मकान के लिए लोन हासिल कर एक शातिर ने बैंक और खरीदारों दोनों के साथ लाखों की धोखाधड़ी कर दी। इस मामले में एक दशक से जारी शिकायतों के बाद आखिरकार इस फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ कर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने उज्जैन निवासी विजय जैन के खिलाफ धोखाधड़ी की एपआईआर दर्ज कर ली है। इस पूरे खेल में न केवल बैंक को लाखों रुपये की चपत लगाई गई, बल्कि आठ परिवारों को भी अंधेरे में रखकर विवादित प्रॉपर्टी थमा दी गई। मामला उज्जैन के मुनिनगर स्थित हाउसिंग बोर्ड का है। विजय जैन ने 2012 में इस कॉलोनी में दो भवन खरीदे थे। इनमें से एक पर उसने तत्कालीन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर (अब एसबीआई) से 15 लाख का होम लोन लिया था। बैंक के दस्तावेजों में संपत्ति गिरवी थी, लेकिन विजय ने बिना हाउसिंग बोर्ड की अनुमति के उन दोनों भवनों को गिराकर अवैध रूप से बिल्डिंग तान दी।

बैंक के तत्कालीन अफसर भी रडार पर

विजय जैन ने बैंक को भनक लगे बिना इस बिल्डिंग में बनाए गए आठ फ्लैट्स आम लोगों को बेच दिए। उसने खरीदारों को झांसे में रखने के लिए उसने रजिस्ट्रियों में झूठ लिखा गया कि यह संपत्ति बंधक नहीं है। बैंक में ब्याज समेत लोन की रकम 32 लाख हो गई और इसे जमा न करने पर विजय का खाता एनपीए हुआ, तब इस घोटाले का खुलासा हुआ। ईओडब्ल्यू उज्जैन की जांच में पाया गया कि विजय जैन ने अपनी तिजोरी भरने के लिए न केवल बैंक के साथ धोखाधड़ी की, बल्कि उन आठ लोगों की जीवनभर की कमाई भी हड़प ली जिन्होंने वहां फ्लैट खरीदे थे। फिलहाल ईओडब्ल्यू ने धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। ईओडब्ल्यू का संदेह अब बैंक के उन तत्कालीन अधिकारियों पर भी है, जिनके कार्यकाल के दौरान इतना बड़ा निर्माण और फर्जीवाड़ा किया गया। उम्मीद जताई जा रही है कि इस मामले में जल्द ही अन्य आरोपियों के खिलाफ भी एफआईआर की जा सकती है।

8 लाख की स्टांप ड्यूटी चोरी

ईओडब्ल्यू की जबलपुर विंग ने जमीन की रजिस्ट्री और सरकारी राजस्व में धोखाधड़ी के दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मोहम्मद आसिफ और रूपेश ने अधारतालमें स्वर्गीय मोहनलाल यादव से 0.257 हेक्टेयर जमीन का सौदा 1 करोड़ 3 लाख 84 हजार में किया था। आरोपियों ने 20 लाख नकद दिए और बाकी के चेक सौंप दिए, जो बैंक में बाउंस हो गए। दोनों ने जमीन के लिए 7 लाख 95 हजार की स्टांप ड्यूटी और पंजीयन शुल्क जमा भी जमा नहीं कराया, जिस कारण रजिस्ट्रार कार्यालय ने रजिस्ट्री को होल्ड पर रख लिया था। इसके बाद आरोपियों ने आपराधिक साजिश रचते हुए होल्ड की गई रजिस्ट्री की फोटोकॉपी का इस्तेमाल कर नायब तहसीलदार से जमीन का नामांतरण अपने नाम करवा लिया।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।